हरियाणा विधान सभा
की
कार्यवाही
खण्ड 4, अंक 2,
अधिकृत विवरण

विश्व सूची
भारत, 16 जनवरी, 1999

पृष्ठ संख्या
(2)1
(2)3
(2)3
(2)12
(2)12
(2)16
(2)17
(2)23
(2)24

तारकित प्रलय एवं उत्तर
चाक-आफ्ट
तारकित प्रलय एवं उत्तर (पुरातन)
ध्यानाकर्षण प्रताप—
(1) हरियाणा सरकार द्वारा हस्त हो न खनन मात्र अधीनता व गृहवि आधारित उपयोगों को बढ़ाना न देने वाली
कव्यालय—

dूध मंजी द्वारा उपयोगिता ध्यानाकर्षण प्रताप संबंधी
(2) हरियाणा राज्य में जिल्ला की सामान्य नियमित रूप में न होने संबंधी
कव्यालय—

dूध मंजी द्वारा उपयोगिता ध्यानाकर्षण प्रताप संबंधी
निमं 15 के अधीन प्रताप
निमं 16 के अधीन प्रताप
संगठन द्वारा रखे गये कर्म-प्रश

मुख्य : 8700
वर्ष 1994-95 के अनुदानों तथा विनियमों से अधिक मांगों पर चर्चा तथा माध्यम
विभाग—

(1) दि हरियाणा एप्रोजेक्शन (नं. 4) बिल, 1999
(2) दि हरियाणा मुनिसिपल (सेक्रेट्री अंग्रेज़ी) बिल, 1999
(3) दि हरियाणा मुनिसिपल कार्यालय (सेक्रेटरी अंग्रेज़ी) बिल, 1999
(4) देशिकक संशोधन—

श्री राम विलास अर्नान्द द्वारा
(5) दि हरियाणा मुनिसिपल कार्यालय (सेक्रेटरी अंग्रेज़ी) बिल, 1999 (पुराना रचना)
वाद-आउट
(6) दि हरियाणा मुनिसिपल कार्यालय (सेक्रेटरी अंग्रेज़ी) बिल, 1999 (पुराना रचना)
(7) दि हरियाणा मुनिसिपल कार्यालय (सेक्रेटरी अंग्रेज़ी) बिल, 1999 (पुराना रचना)
(8) दि हरियाणा एप्रोजेक्शन (नं. 4) बिल, 1999
Withdrawal of Taxes

*997. Capt. Ajay Singh Yadav : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to withdraw all the taxes imposed in lieu of prohibition by the previous Government?

भी गोपाल : अध्यक्ष महोदय, गोपाल सरकार ने यह दिनों में स्टेंट के अन्दर प्रभावित समय के उत्पाद कुछ बनाए रखने के लिए किया जा रहा है, लेकिन यह दिनों के लिए अधिक कार्य करने के लिए हम तपाई को भी लाना होगा। अध्यक्ष महोदय ने ऐसा कहा कि वे अहमद बुक के लिए किया जा रहा है, लेकिन यह दिनों के लिए अधिक कार्य करने के लिए हमारा सभी काम रहेगा।

भी गोपाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके नाम से माननीय सदस्य को बताता हूं कि इस दिनों के लिए अधिक कार्य करने के लिए हमारा सभी काम रहेगा।
बैंक अन्य सिद्ध प्रमाण : अध्यक्ष महोदय, मेरा सौभाग्यकार यह है कि पितृभक्ति सरकार ने प्रक्रियाशंका के बीते टोपल बिनते टेस्ट लाए, जिनकी रचना है रेट के लोगों पर भाग दिया है। उस समय हम और उन लोगों में बैंकर बचा करते देखे कि प्रक्रियाशंका की आधा में बैंकर रचना की गई है। 1500 कोटियाँ के पैक लगे, जिन के मुख ये मेरी इस समय उस एम्प टेस्ट को बिनते हुए ध्वसु करने की वात किया करते देखे। मैं ये सिद्ध करता हूँ कि जननाम भारत में किसी ठहर नहीं, रेट करते के लिए रासरा पटक, निर्मित रेट करने के लिए रासरा नहीं है। यह केवल नहीं, अबेरा के लिए भी है जो कर गया करने के लिए नहीं है।

भी अभियोग सरकार : अध्यक्ष महोदय, मेरे अभियोग मेरी कार्य के बाज़ार में है, जो इस रेट के पूरा दोहरा रहा हूँ कि दोहरा करता नहीं, जिनके ने लड़ाई तीन गलती तीन बार ने उसकी रेट करने के लिए ही हमने उस करने का पता किया है। जब भी यह हास्य होगा कि जब तकत्ता के टेस्ट नहीं, मेरे लिए बाज़ार के व्यापारियों की तुलना हुआ, उर्मिलाओं को कुछ हुआ उस दिन के टेस्ट के हो जाएगी। केवल अपनी ने रिपोर्ट देने उसका हम ज्ञात कर के कोई नहीं कर करते।

भी अन्तर सिद्ध बैंकर : अध्यक्ष महोदय, मेरा एक विशेषित सवाल है। यह माननीय दुध का मंदिर घात करने के लिए लोगों सरकार ने प्रक्रियाशंका के बाज़ार पर बिनते टेस्ट लगाये हैं?

भी अभियोग बैंकर : अध्यक्ष महोदय, अंकुंडतो हर साथ बाज़ार है। इसी भी साथ के दोहरा करते देखे की कठीन-कठीना कितने-कितने देखा लगाया गया है उसकी पूरी तरह से रेट करने की तारीफ के व्यापारियों को और उर्मिलाओं को लाता पड़ा।

भी अभियोग सरकार : अध्यक्ष सरकार, मैं दुध मंदिर के बाज़ार में ज्ञात हुआ हूँ कि केवल रेट को रिपोर्ट कर दें जाएगा?

भी अभियोग बैंकर : यह केवल अवश्यक नहीं कि केवल रेट को रिपोर्ट कर दें जाएगा! यह मुख्य ज्ञात है। भी अभियोग बैंकर : यह ज्ञात है कि केवल रेट को रिपोर्ट कर दें जाएगा! भी अभियोग बैंकर : यह ज्ञात है कि केवल रेट को रिपोर्ट कर दें जाएगा! भी अभियोग बैंकर : यह ज्ञात है कि केवल रेट को रिपोर्ट कर दें जाएगा!
Construction of Roads

*1023. Shri Balbir Singh : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the following incomplete roads of district Rohtak on priority basis:—

(i) from Nidana to Bahu-Akbarpur;
(ii) from Bahu-Akbarpur to Kharkara (via Mokhra);
(iii) from Ajaib to Girawar;
(iv) from Bahilba to Kalinga;
(v) from Sisar to Rahlaba;
(vi) from Bhaiuni-Chandarpal to Bhaiuni-Surjan;
(vii) from Baini to Ajaib; and
(viii) from Pharsana to Gugaberi?

Shri Balbir Singh : The Chief Minister, vide No. 5 P.P.P. 1997-98, has stated that the construction of the above said roads is in progress.

Withdrawal of Cases from Supreme Court

*998. Capt. Ajay Singh Yadav : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to withdraw the writ petition regarding implementation of decision of Eradi Tribunal or any other writ petition pending in the Supreme Court in respect of the Ravi-Beas water dispute with Punjab or any other State?

Shri Balbir Singh : The Chief Minister, vide No. 24 P.P.P. 1996-97, has stated that the decision of the Supreme Court in the Ravi-Beas water dispute with Punjab is pending before the court and it is not possible to withdraw the writ petition at this stage. The Government is monitoring the situation and taking appropriate steps to resolve the dispute.
(2)4
करिबान विकास समा
[16 नवम्बर, 1999]

[फिल्टर अनला लिक याद]]
केरेस दलित वाह था तथा उसँ सएक को कोई कोई इसारी हिस्सूल की रिपोर्ट लागू करने के लिए
वनाने के बारे में भुगू भंडार जी ने केन्द्रीय सरकार को बोई वार्ता की तथापि एडॉर्निटॉन नहर
का फाइल दर्िनण को मिल लेने। क्या भूगू भंडार जी ने ऐसी कोई कोई गहराई करना? भुगू भंडार
लीलावती और विकल्प वीराना जी के मंजिल के भूगू भंडार जी के हांच उठाए संबंध है जब केन्द्र सरकार
से ऐसी कोई कोई गहराई करने जो इसी हिस्सूल की रिपोर्ट को लागू करने तथा इसे एडॉर्निटॉन का फाइल मिल लेने?

श्री अम्स ग्राहा चीनदाना : अध्यय ग्राहा, मैं माननीय सरकार की नाकारी के लिए बताना

cाहता तू कि इसी हिस्सूल ने अपनी रिपोर्ट जून 1987 में भी के निकट अस्तित्व पानारे रिपोर्ट का
पाणी पाता गया था। उस रिपोर्टे के सुधारक पानारे को 5 एव्यूएंडएफ मात्रा मिलाया था और हिस्सूल का
3.63 एव्यूएंडएफ भी मिलाया था। इसी नुस्खा को फॉलो सरकार ने कम होने चाही। 1996 में पुलिस कोर्ट में चाही
गई। उनके बाद वह जुलाई 1998 में उसका उत्पाद्य हारा। (फिल्टर)

केंद्रीय अन्तर्द्वष मान्यता : अध्यय ग्राहा, मैं अन्तर्द्वष भूगू भंडार जी हे तीन दिन से सकल पूर्ण
पाहता हूँ कि फिल्टर पार्च के केंद्रीय हिस्सूल की रिपोर्ट को लागू करने के लिए केंद्रीय सरकार के
एक कोई कभी भी भर का तक इसी रिपोर्ट की कोई कोई योजना पर दाखिल कर उसको लागू करने अगर
उससे भारत सरकार का ब्यर है?

श्री अम्स ग्राहा चीनदाना : अध्यय ग्राहा, इस बारे में मैं माननीय सरकार की नाकारी के लिए

cाहता बताऊँ कि उस दलित जी फैलता हुआ था वह आपकी पार्टी की सरकार के रूप में हुआ था।
उनके बाद भी वह अपने आपकी पार्टी की सरकार बनी। केंद्र में हमारी पार्टी की तो एक दिन सरकार
बनी। उसे हम सांस्कृतिक नहर को बुखार नहर का नाम बी-आर-आर-एफ के दो दिन बताता
था। उनके बाद भी आपकी पार्टी की सरकार अपने दो दिनों से हमें उस फैलते को बांटकर
वहाँ में आया है। इसी फॉला के वर्तमान रहे कोर्ट के बियार नेता था। अन्य जानकारियाँ
की, जो इस समय सबसे ताजा का तलाब है, इस नहर यह काम की आर-आर-एफ ने करने जो रिपोर्ट
स्त्रोन में की थी। अध्यय ग्राहा, इस दंग ने वे लोग काम करते हैं उस दंग ने हो उसके
लिए अपने वात नहीं है?

केंद्रीय अन्तर्द्वष मान्यता : ने ने तो जुलाई जी तो ऐसी प्रकार है कि हमारी वे बताऊँ कि क्रम
इसी हिस्सूल की रिपोर्ट को लागू करने के लिए इसी की तरफ से कोई कदम उठाये गए या नहीं।
यद्यपि उस बारे में कोई कार्यान्वयन की गई है तो वह वास को समाप्त।

श्री अम्स ग्राहा चीनदाना : वायदेसन् े ये ने लाउंगुट हैं। इस कोई पत्ता स्त्रोन-सिटिंग से हो ।
उस पर वाय ऐलान होना चाहिए था नहीं होना चाहिए। यह इसके पता की नहीं है।

भारतीय कब्जा प्रवेश : अध्यय ग्राहा, वाय-पार वायार राज्य में इस प्रकार के बाद आ रही है
कि प्रकार शिक वापस इस कार्य वायार वायार वायार वायार के नौकरियाँ इस मात्र नहीं है कितने वान वानारी है?
था। इसका उसके वाक्य कार्यान्वयन के बाद इस मात्र नहीं है या नहीं। भारतीय कब्जा
प्रकार वानारी है?

(2)4
करिबान विकास समा
[16 नवम्बर, 1999]
Construction of Water Works

*1010. Shri Balbir Singh : Will the Minister of State for Public Health be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the foundation stone for the construction of water works, Belhimba was laid down in the year, 1990;

(b) whether it is also a fact that the aforesaid water works have not been made functional so far;

(c) if so, the time by which the water works referred to in part (a) above is likely to start functioning; and

(d) the time by which the regular supply of water will be made in Bhairon-Bhaini, Khari Meham, and outer colony of Meham Town, Kishangarh, Ganga Nagar and Tirri?

जन स्वास्थ्य राजनीति (श्री जसवल्लंक सिंह बालराज) :

(क) श्री नन्दी

(ख) श्री नन्दी, मार्च, 1997 से कहलाया जाता के पास में पंचायत की दृष्टि में 40 सेक्टर प्रति व्यक्ति प्रति दिन की दर से कमालित कर दी गई थी जंगल का यह कार्य कार्यक्रम पर है तथा यह नागरिक 2000 तक समस्त पर लिखा जायेगा।

(ग) गांव पैरों और प्रति 40 सेक्टर प्रति व्यक्ति प्रति दिन की दर से जन ने करने का पानी दिया है। गांव की बाजू और प्रति 25 सेक्टर प्रति व्यक्ति प्रति दिन की दर से पंजीयन जाने वाले है। यह नागरिक के कारण गांव किस्मत में पैने के पानी को लेकर किसी भी मिली हुई अवधारणा कार्यशासी की जा रही है।

गांव बाजू की बाहरी हड्डियों को इस समय पंजीयन का पानी नहीं दिया जा रहा, जिसके लिए पाप्लक यह पत्ता है। (खिंग)

श्रीमती कक्षा देवी : अपने यह अखबार भी फटा है। आप यह बताएं कि इस मामले को लेकर करने के लिए आपने कोई पत्ता उल्लिखित है या नहीं र?
भीमसेन कब्जों में (भी और बाहुल्य नीति) हम दोनों भी मुड़ा नहीं विलंबित हैं। हम इस महत्व का समाधान
कर रहे हैं। आपकी ही पारियों के पेंज़ाब के मुख्य मंत्री ने तो पहले तब बड़े राजा हैं जो हम एक बुद्धि पानी
के रूप में देख। (हां और विवाद) जो भाग्य देने वाले होते हैं वे हमने विकल्प को समाधान नहीं करते। पुरुषा
यदि है जो आपने बताया है तो हम महंगे का हम हरा नहीं होगा।

भीमसेन कब्जा देखि: हमारी पारि के पेंज़ाब के दिनों मुख्य मंत्री ने नहीं कहा कि एक बुद्धि पानी
के रूप में देख।

भी में प्रकाश चौधरी: पंजाब में सरदार हरदोष सिंह चौधरी जो मुख्य मंत्री रह दुःख है उनका
काम पड़ रहा है। इसी प्रकार से उस्मान उदय राम का भाषण पड़ा। उन्होंने कहा कि हम एक बुद्धि पानी
बिराम देने को नहीं देख। इसलिए हम उसका काम का भाषण हो या इसके लिए उसका एक्साम करने को बताते
हो। यह हम कहते हैं जो पारि की सरकार के बाद ही भेजी हुई है।

भी आयुष्मान: हमें जी, आप अपना निर्णय दें। आप आप समझ यह बात है तो आप अपनी सीट पर बैठें।

विवाद: 

भीमसेन कब्जा देखि: अध्यक्ष फायदे, मैं स्वामी हूँ रही हूँ कि हरकत ने जो बातचीत की है
वह स्वामी भी यह है या केवल अध्यक्ष की ही ब्याप्ती है?

भी आयुष्मान: ठीक है, आप आप अपनी सीट पर बैठें।

भी अध्यक्ष बीमारी: अध्यक्ष महोदय, मैं वही के हर समझ का जनवर डूबता। वे पानी
निलगिम भी प्रभु नहीं, मैं इतनी तस्वीर नही कि वह बाहर नहीं। 21-02-1991 को जब एक जीवन का मुक्ति है बचत निर्णय जो यह नही कह यह कहा था
कि एक-दो से सब को जीवन का मुक्ति, कहा यह नहीं। उन्होंने इसका हम जीवन जीवन का
को दिया था। बात जी कहा है कि इस बात की सरकार की सरकार जी की आप
तो उन्होंने उस बात को विवाद क्यों किया था। भाग्य लोग इस मामले में बड़ही दिखाया, बैठे तो उस
बात को किसी कार का किसी कार का काम कराया था?

भी आयुष्मान: दोनों हैं। अध्यक्ष महोदय, माननीय गुड़ गौड़ी जी ने अपनी कहताई है कि पेंज़ाब का
रिस्त 5 चौसंदौ चौसंदौ और हरिगंगा का रिस्त 3.63 चौसंदौ-चौसंदौ है तथा जल निर्देश के बाद
नेपाल सरकार से हमारी पारि ठहर रही है। अध्यक्ष महोदय, बाहरी ने नन्हे का तब निकला जा गया,
यह बहुत ही अच्छी बात है। इस अपने प्रमाण से माननीय गौड़ गौड़ी जी से यह अन्यता बाहरी कि पारि
के बाद में इंडिया का अपना रिस्त किया है तथा जल लाग 3.63 चौसंदौ-चौसंदौ का रिस्त है
वह कम तो नहीं होगा?
भी आँस प्रवास जीताहा: आध्यात्मि महेंद्र, मे आफ़के मध्यम से माननीय सर्वो की यह कहना पाहूए कि हाँहाँ दिन मृत्यु माहौल के ताहत होने जो हिस्सा निम्न था, उस बात को अपकेंद्रित करने के लिए सरकार दूरीश को न है। हर अपना हिस्सा जीवान की पी देने का संसार नहीं है। हर अपना हक लेना जाता है और हमें उसे उसके लिए है, हम इस लोगों को सरकार भाग धारी नहीं है।

भी बलीबंद सिंह : आध्यात्म मोहेंद्र, मे आपके मध्यम से माननीय सर्वो की यह जानना आहत है कि महान के बाहर पूर्वी में हस्तिकाय वस गई है लेकिन उसने पीने के पनी का प्रयत्न नहीं है वहाँ पर देने का पनी का प्रयत्न कर दिया जाएगा?

भी चेतावनी सिंह जासों : दीक्षा शर, समय के साथ-साथ महान नागरिक विकास की हीना के बाहर ही है जीवानियों वस गई है। वहाँ पर उभयवास नहाए, सुखद नत मध्य सिंह नगर की जीवानियों निम्न गई है। इन जीवानियों में अपनी तक पैमाना की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। अगर हम इन जीवानियों को सहाय दान नागरिक प्राण नहीं की है। सरकार की नीति के अनुसार पेंशन की आपूर्ति केवल मानना प्राण जीवानियों में या लोगों में की जाती है। सीकर सर, यह लोकतंत्र आध्यात्मिक जीवानियों की पी प्राण का आरोप है वहाँ हाँ जीवानियों के पिताम्य अपनी नागरिक को निकाल देज धन उत्पाल कराएं और इन जीवानियों को सहाय करने वाले पेंशन की आपूर्ति की जा रही है। इसके लिए अनुसार: 5 साल रूपाणी के लगातर राहत की आवश्यकता है।

भी दुर्गक गुरदास : आध्यात्म मोहेंद्र, जल सुधार, जो नीति की जी मे प्रति पद्धति गरिकिया बंटता 50 के 70 सीटर पनी देने का बाद कहा मे। भी जानना पाहूए कि क्या सरकार के पास कोई ऐसा समस्या विकासाभ्यास है कि जिन-सिह गंगों में 50 के 70 सीटर पाली दिया जाएगा उन गंगों में लोगों को पीने के पनी के पार्श्व कोशिका दिया जाएगा याद है, तो क्या तक देना?

भी जवाब दिलहाल : दीक्षा शर, मे आपके मध्यम से अपने सारी निर्देशन के बाद मानना पाहूए कि 1996 मे दिने प्रति व्यक्त प्रति बिम के निर्देशन के 40 सीटर पाली देने का अनुसार है। दिक 1996 के बाद 50 सीटर पाली प्रति व्यक्त प्रति-बित कर दिया गया। जिन गंगों में 40 सीटर पाली प्रति व्यक्त दिन और 30 सीटर प्रति गुड़ प्रति-बिम पाली कुन विश्वास 70 सीटर हो मगर उन गंगों में सरकार दिन वाले पानी के पनी को कैसे कर सकता है। अगर ऐसे कोई नागरिक जीवानियों के पार्श्व नहीं है तो क्या क्या देना है उन गंगों में पानी के प्रति-बिम को कैसे कर सकता है विधेय दोर से। (तिथि)

भी उपरक्क प्रशासन चैतन्य : आध्यात्म मोहेंद्र, मे माननीय सर्वो की जानकारी के लिए विरोध के तुलनात्मक के लिए पांच निर्देशन की जानकारी के लिए वह भी जानना आहत है कि कुछ पर्यालोक पुरूष में और नागरिक पर वित्त पुरूष के बाद मे यह प्रति पुरुष गया है। वहाँ 110 सीटर पाली प्रति व्यक्त प्रति-बित देने का प्रयत्न विशेषाधिकार है।

भी सत नागमण संग्रह : दीक्षा शर, नीति मे मे कुछ बादत कही की रहित है, तीनों दानों है यह बाहर पर मे 110 सीटर पाली प्रति व्यक्त प्रति-बित देने का कोई प्रयत्न है?

भी भोज मध्यम जीवानिया : आध्यात्म मोहेंद्र, मे आपके मध्यम से जानना पाहूए कि यह सीधा केवल महान कह सकता है और इसके पार मे बांटा दिया गया है। (तिथि)

भी जब्ती सिंह : आध्यात्म मोहेंद्र, मे आपके मध्यम से जी मे यह जानना आहत है कि गहन को पीली बाँसों में पीने के पानी की सलाह देने का कोई प्रयास सरकार के विचाराधिकार है, अगर है तो वह कब तक देवी जारी है?
भी जयगण झिंग वामाल : मानवीय सदृश को हरकर बाहर मे पूरी विकल्प बसता चुका है। मानव
शरीर को यह हरकर वहीं है जिसमें मूत्तर पती नहीं खिंचा जा रहा है। उसके बाहर मे मानव सरकार के
विचाराधीन है।

भी यव्यनी साक्षात् : अखय नहोसद, कुछ कालान्तर में चाटर पथर का पती साधिता हो पया
है। उभसे लिए इसलिए कर प्रभाव किया है। कस्तो किस्मत पर नृसी के पती जोगी है। यह ऐसा
कोई गाम्य सरकार के विचाराधीन है?

भी अच्छा दस्ते वेलस्तात् : मे गाव साहब की पतीदार के लिए एतारा चलाए किया रंगकर इस
बात के प्रयोग मे है कि यह वेलस्ते को पती का स्वाभिमान पती हाथ ने उपलब्ध किया। कस्ते के मे सूत्र
को विवेचना या कि जिस कार वर्तमान में मानव आता है। यह उन पती बहस की जमीन
के अन्तर से सापार्ड द्वारा पती ने गौता। (भिन्न) जबसे नारी पती की ब्रह्म के बाहर बहस किया गया
यह बात भी सरकार को उठाना है। कि इस बार बहस किया जाए ताकि दुसरा सरकार को लोगों
की जाने पर उठाना है। इसे ऐसा ही करना उठाने गया। (भिन्न)

भी भगवान नाकास्तात् : अखय नहोसद, कुछ ऐसे कालान्तर है जो न नृसी कालान्तर मे आती है और
न ही युधिष्ठिर काळान्तर मे आती है। उनके बाहर विवेचन का पती विवेचन नहीं है। ऐसी कालान्तर मे ऐसे
कालान्तर जो नृसी मे बहस है। मे आता वात का वात का साधन है। कि बाहर आकर उनके लिए पती का
पती देना कोई गाम्य विचाराधीन है?

भी अच्छा प्रेम बीरस्तात् : अखय नहोसद, सरकार इस बात के लिए वचनबहस किया है कि सरकार
प्रेम के रूप आती के पती जल्दी मे पती का स्वाभिमान पती का आता है।

भी अच्छा आर्थिक वेलस्तात् : अखय नहोसद, अभस्त गलती पती जल्दी है।

पुजू रथ (भी अनवराय बीरस्तात्) : अखय नहोसद, सर्वथा किया वह समय नहीं रहा
इसलिए, अभ कह साड़े दस के तक के लिए उठ गया। (भिन्न) भी विवेचन की भाषा के पती के
लिए इसका व्यवहार बदलता की भाषा और नहीं हो सकती है। इसका तो विवेचना ही हुआ गया।
भी विवेचना का यह कि जो भाषा का मान्य वर्तमान नहीं है। बाहर 40 विन्दु तक तक बाहर इसका
करना पड़ा। आवर्त लेने की जिन्ता की जगह बाहर इसका भाषा हो। अन्य मानवीय सदृश कालान्तर दिहे
के प्रस्तार न होने तो प्रस्तार बहस ही लोगी समाय से गया होता। (भिन्न) अखय नहोसद, यह तो इसका
हास्य है। (भिन्न) व्यवस्था के मुकाबले तो जो भी आप पूरे तो गया है और प्रस्तार बहस हो चुका है।

भी सत्यश्री मानकात् : भी पूरा ये बदल दिखाई है और आपके इंटरनेट ने भी ऐसे किया था कि
अभ आप बोलेंगे नीटिः पर शीघ्रकर दे देंगे तो आपके मानकान का नहीं होगा। (भिन्न) अखय नहोसद, विवेचना
होना नहीं बताए इसका राहु विदित है।

भी अच्छा : लोग की आपके तो बोलेंगे नीटिः पर भी बीताना नहीं आए है। (भिन्न)

भी सत्यश्री संग्रहात् : अखय नहोसद, आप अपने इंटरनेट से पूछ। केवल साहब और विवेचन
काल्पनिक भी मे साह दे।
प्रभावित प्रस्ताव एवं उत्तर

भी अभ्यस्त : किसी ने यो अपने क्‍यामत शासन के कारण दोहरी नैपटिया नहीं दिया है। (शोर एवं व्यवहार) जनाकर शर्मको अपराध के रूप से नीचे निचला दिखा दिया। (लिख) आप मेरे कैबिनेट में आ जाना। मे आपको शहर शैक्षणिक नियम दिखा है। (शोर एवं व्यवहार)

भी समस्त सिद्ध : सर, मे भी कुछ सन्मेषण करना चाहता हूँ।

भी अभ्यस्त : जो भी क्‍यामत शासन पर आये हो, वह शहर लग गई है।

भीमसेन राजा रजेन्द्र : अन्यत्र गोवर्धन, कला मुख्य मंत्री जी बार-बार यही चाहता है कि विश्वसनीय पर्याय के समाप्त तीमितअ नहीं है। हम तो सीमित हैं। हमने अपने बाहर सदृश दिखे ये लेकिन ये एमिलियो हो नहीं दिखे पड़े हैं। लगभग ज्यादा दुरवाह की बात तो यह है कि ये दस सप्ताह के जवाब देने ही हैं तब आप के बाहर सदृश के तीमितअ ही नहीं दिखे जा रहे हैं। (शोर एवं व्यवहार)

भी अभ्यस्त : यानी, 15 दिन के नेट कर वैदेशिक आते हैं इस दौरान हमारे पास निकलने शैक्षणिक आपे है, ये शहर एमिलियो कर लिया है।

कृष्ण ज्ञान सिद्ध यादत : अपने गोवर्धन, एक तरफ तो मुख्य मंत्री जी हमारे उपर बार-बार आपराप लग रहे हैं कि अन्यत्रिक वाले तीमितअ नहीं हैं और दूसरी तरफ हमारे करने पर 50 शैक्षणिक जो हमने दिखे हुए हैं, उनको एमिलियो नहीं दिखा पाया है। (शोर एवं व्यवहार)

भी अभ्यस्त : कृष्ण ज्ञान साम्राज्य, आपके शहर शैक्षणिक आपे थे। हमने दिखे हैं। (शोर) आपका यह शैक्षणिक रहा इतालाए है लगभग ये कि इतालाए शैक्षणिक शैक्षणिक कृष्ण ज्ञान है। इतालाए आपके दिखे हुए शैक्षणिक कर की सिद्ध में यही आ रही थे।

भीमसेन राजा रवीन्द्र : लगभग आपने हमारे बाहर शैक्षणिक एमिलियो दर्श कर लिये तो उसमें शहर शैक्षणिक भी एमिलियो कर लिया थे। (शोर)

भी नवन नाम : अन्यत्र साहलान, विकास पार्क के बाहर कर्म के कारण जो मंत्री बनाया थे ये गाय को गये हैं इसके बारे में बसता कि वे कहां पर हैं। (शोर)

फिर भी कोर (शोर समाप्त किया) : सीमित सर, अपने कैबिनेट सहिमान ने अपने-अपने सवालों के बारे में यहाँ की, लेकिन मुख्य मंत्री जी ने इस बारे में यही कारण या। वैसे इस बारे में लगभग है और ये लगभग हार मे हो बनाये हुए नहीं हैं। उसे मिला सीमित भी अभ्यस्त की कुछ पर केवल थे ये दूसरी वार है कि इस कुछ का इस्लाम कर चाहा किया ? लेकिन हीरों मार्ग विधिशासन के स्त्रोत ओर प्रमुख एवं कॉलेज लोक्स लिस्ट कर कुछ में हे दूसरे में दिखा हुआ है।

प्रभा धर्म सिद्ध पीड़ा : सीमित सर, ये बाहर जाना दूर की गुमार कर रहे हैं। इसकी सिद्ध ने कारे में भी आया बनाया कतन हैं। (शोर एवं व्यवहार)

भी अभ्यस्त लीक्षण : सीमित सर, मे आपने गोवर्धन के बाहर सपाट के बाहर दिखे दूर, कि वे हमारे बाहर जीवन पार्क के शैक्षणिक दिखे की बात करते हैं तो कहीं, इसका उसको मतभेद का तो कोई फातिक नहीं है। (शोर)

10.00 बजे भी ओम प्रथम शाहलान : अन्यत्र गोवर्धन, हीरों मार्ग, सरकार के फैक्स के मुख्यालय जाने और पत्रों को मतभेद पर पाबंदी लगी हुई हैं। मे ओम ऐसा कर नहीं दिखा है। (मंत्री)
Shri Sat Pal Sangwan: Such Comments are not expected from your side. (और एवं व्यक्तच disabling) गुलाम वंगी और वह बिगड़ा कबार। (और एवं विवि)

भी यमन: साभार साभार, आप बेद जादूए।

भी औपन. विपक्ष चौदा: वायुविक गौंड, विद्वान्यक का कोई सबसे ही देखा नहीं होता, कोई विद्वान्यक नहीं होता। नैने जी कहा है उसे रिमाईन्ड के जिस निकलकर देखा जाए। कोई नहीं गाता चाल नहीं कहा है। (और एवं विवि)

भी सत्याम शार्मा: आप तीन आई विहार में हारा हैं। आपको ऐसे बात में करने की बाध्यता है।

भी कह दूंगा तो केवल लोगों।

भी औपन. विपक्ष चौदा: मैं नुक. अपनी बात पर जो देखा है कि सौंदर्या समकाल का फैलाव है कि हुए किसी जीव और जानवर को नहीं चाहिए। (और एवं विवि) जीव और जानवर को बात करने में जो देखी पाए बाहर मारे उसके खिलाफ ऐसा धारण लिया जाएगा।

भी सत्याम शार्मा: मैं नाबालिग विषय के बारे में पूछ चुका था। आप सावधान बाहर रख सकते हैं कि इसको खड़ा मान लें।

भी औपन. विपक्ष चौदा: नाबालिग विषय के बारे में बाहर रख सकते हैं। जीवली जीवन की अनुमान नहीं दे जाते हैं।

भी सत्याम शार्मा: आप बाहर रख रहे थे कि खुश हिंदी जीवन की अनुमान अनुपूर्व करते हैं। (और एवं विवि)

भी नाबालिग विषय: आप रिपोर्ट-ने में लयक रखते हैं, जो किसी पर अधिक करते हैं तो उसका रिएक्स्क्रिन तो होगा।

भी औपन. विपक्ष चौदा: जो समाप्त हैं, उनका में पूरा समाप्त है। मैं अपनी बात को बाहर रखा देखता हूँ कि सत्यार्य समकाल का फैलाव है कि हुई किसी जीव और जानवर को नहीं मारने।

भी सत्यार्य शार्मा: नाबालिग विषय के बारे में बाहर रखा है। नए बाहरचाल वह नहीं था। (और एवं विवि)

भी अध्यक्ष: साभार साभार, आप बेद जादूए।

नगर एवं ग्रामीण आयोग संगठन (भी शैवसार सिंह): मुख्य वंगी जी ने विकल्प दीक दक्ष है कि मुख्य एवं दूर के वंगी जी पूरे टीकाकर साभार का जनन किया जाना। (और एवं विवि)

भी नाबालिग विषय: नए बाहर रखी नहीं लिखा। जाना आपका भी लिखा था। 1996 के पुनर्अन्वेषण में आपके मुख्य वंगी की लीलाओं पैठियों राम लो नई थी। (और एवं विवि)

भी शैवसार सिंह: उच्चतम सहमति, मुख्य वंगी जी ने तो यहीं बाहर है कि प्रेम बाहर बाहर जीवन और पशुओं को नहीं मारी। (विवि)
श्री सत्संग संबांव : अध्ययन महोदय, इस हादस में पुत्र और जन्मवर नहीं कटे, बलकि विद्यायक कटे हुए हैं।

श्री मैमल सिख : अध्ययन महोदय, विद्यायक भी तो जीव ही हैं।

श्री मधुर गोळाक : अध्ययन महोदय, एक बात में जलपल बहाल हुए कि अगर गुरू मंदी जी की मदद हर बात टॉपिंग के में कहने की है, तो यह मेरे भी दिखाई दे जाएगा। (विषय) अध्ययन महोदय, भी बात खल महीने हुई है। सबक यह नहीं है कि मैंने नहीं है और मैंने ही नगर इस स्तन की जाँच में हिस्सा तो दिखा है। यह मुझे आया जब बिना में होते ये तो बिने जीने में आया इस स्तन में जीने भगवे को नहीं कटे थे। (विषय)

श्री सत्संग संबांव : अध्ययन महोदय, मेरे बच्चे का जिवांश नहीं आया।

श्री जोश प्रभुह सिन्हासन : अध्ययन महोदय, मैं इनके स्तन का जिवांश दे सिखा है।

श्री सत्संग संबांव : अध्ययन महोदय, गुरू मंदी जी मेरी बात नहीं दुन रहे हैं बल्कि गोवरा साहिब जी बात दुन रहे हैं।

श्री जोश प्रभुह सिन्हासन : अध्ययन महोदय, गोवरा साहिब मेरे बात के फोटोवर है और सत्संग संबांव जी तो बिन मे चीनों क्षंभोताल जी के बाखर रहते हैं और तात को मेरे पास आ जाते हैं। (विषय)

श्री मधुर गोळाक : सूचक नाम, यह रंग का गाना तो रंग तो होगा, आप अपनी कार्यवाणी कहाने वे। (इस स्थान बिरंगित विवाल पत्री के कई स्तन बोलने के लिए धुरे हो पाने)

श्री अध्ययन : मेरी राम मनमोहन सख्तों से अपसिल है कि वे एक-एक करके बोले, अभी न हो कि एक साथ आते लखर खड़े हो जायें।

प्रो॰ प्रस्तर सिन्हा जीवनान : अध्ययन महोदय, आप दिन से देख रहे हैं कि माननीय मुख्य मंदी जी फिरने भाप-भाप का प्रशोध कर रहे हैं। इस भी किसी एम्बालूमेट को जनमत बढ़ाते हैं, किसी एम्बालूमेट की शाब्दिक कुंजक सबक नहीं करते हैं। इससे कहा कि जरजियन विकल्प पत्री वे भी आदर्शी तो तो अपनी पत्री में दे भी भावी तो उत्तम कुर्ओं कर कर रहे। सूचक नाम, मेरी आपके माध्यम से मुख्य मंदी जी के गुरुराशिक है कि हादस की कुइ ज्यादातर होती है और एक मुख्य बच्चे होने के लिए उपवयुक्त बनाना है कि वे इस प्रकार के शरीरों का इम्यांकर न करें। मेरे अभी गुरुराशिक है कि मुख्य मंदी जी को कहां कि वे अपने शरीरों के बाखर में बने हन इस स्तन की चीजक फालो जाएं।

श्री मधुर गोळाक : आद्ययन महोदय, मेरे आपसे हारा समाधार शरीर ऊपर सिंह जीवनान से एक बात पूरी बहार यही कि जब वे बिने छद्म के भाषा के दौरान आपके के दौरान प्रेरणा करदें बोले उसे तो बिने की मायि मे रहते हैं। दे ज्यादा करते दे कि मेरे के रहस्यमय से अध्ययन की नीति पर नहीं बैठा बल्कि अपने समझौते पर बैठा हूं।

प्रो॰ प्रस्तर सिन्हा जीवनान : अध्ययन महोदय, यह बात तो मेरे अभी कहता हूं कि मेरे के रहस्यमय से कुंदर पर नहीं बैठा कर।
(2) 12 अगस्त 1999

भी ओग्र प्रकाश चौधरी: अध्यात्म विचारण, अत वे विषय में लिखा के सर्दीकरण त्रे बतले हैं।
इसके ऐसे सब का ज्ञात इसकी सियाल है क्योंकि चाहिए राष्ट्र अपनी स्वतंत्रता के मुद्दों के बिन्दु में छू गये हैं।
इसके अभाव पर दो सिद्धांत को बिंदु में है, इस शासन का प्रति रुपरेखा निश्चित उदाहरण लागू कर सकता है।

भी 20 वर्षों सिद्ध प्रतिक्रिया: अध्यात्म महोदय, निन्दा शासन की प्रतिक्रिया की भाषा नहीं है। अब नमुने नहीं जो कुछ मिल नहीं दिया। (विषय)

भी धर्मशास्त्र संदर्भ: अध्यात्म महोदय, चौंदाला शासन इस शासन के दौरान हैं और इसका हर शासन काँटा फूलता है। इसलिए इसका जो भी भाषा जीवित नहीं है, वह तेजस्क सबसे ज्यादा होगा।(विषय)

भी ओग्र प्रकाश चौधरी: अध्यात्म महोदय, कहीं वे शिक्षा प्रणाली ने सारांशित होने से वे नवीनता कारे दिखाने जा रहे और ये पुरार्च में जुड़े ताम करते, बलन साफ करते। प्रभावशील के भी कई तरीके होते हैं। (सीधे)

प्राणार्थना प्रस्ताव

(1) हरिप्रभु सरकार दाता शासन ही में बनाई गई आधिकारिक नीति में कृपया आयोजित उद्योगों को बढ़ावा न देने सेवा

भी अभाष: गुरु जी का सिद्ध दृष्टि, एथलेटी वी की ओर से हरिप्रभु सरकार देख हाल ही में कई मई की आधिकारिक नीति में कृपया आयोजित उद्योगों को बढ़ावा न देने के पार में ध्यानार्थना प्रस्ताव का नीतिक प्राप्त हुआ है। में इसे मंजूर करता हूँ। भी कर्म सिद्ध तत्ताव आगता मूलतः उनके, उनके बाद मुख्य मंत्री उसका जन्म चिन्ता

भी कर्म सिद्ध दृष्टि: अध्यात्म महोदय, में आपके माध्यम से इस महान सदन का ध्यान एक वातावरणकर लेकर मत सी जो जितने बाहर है कि हरिप्रभु सरकार दाता हाल ही में कई मई आधिकारिक नीति में कृपया आयोजित उद्योगों को बढ़ावा न देने के पार हरिप्रभु के बीच में मुख्य मंत्री ने समझा है तथा कृपया आयोजित उद्योग बीटी गोरे के कार्य करना पड़े। जिसके प्राणार्थना प्रस्ताव हरिप्रभु के सभी सी लोक विशेषता भिन्न भिन्न करके उन्हें इसी आधिकारिक नीति के बाद मुख्य मंत्री मुक्त है।

इसलिए सरकार ही में निर्देशन करता हूँ कि कह सदन में इस सम्बन्ध में सब बातें अपनी स्थिति रखते हैं।

बालक—

मुख्य मंत्री दाता नागरिक प्राणार्थना तंत्री

मुख्य मंत्री (भी ओग्र प्रकाश चौधरी): अध्यात्म महोदय, में भी कर्म सिद्ध तत्ताव की ओर सत्य की जनकी के लिए हरिप्रभु दाता के लिए हरिप्रभु दाता की जीती 11-11-99 के नागरिक की है।

आपके दाता नहीं हैं क्यों कि 12-10-99 को आप पर हरिप्रभु दाता के बीच की जीती एस-एस-सी-डी-सी बीजालेक के तेजी से बैक ईंडलियर की जीती गई। इसके बाद में हरिप्रभु बेचना अब कहाँ की फॉर्म से गया तथा उनके मिलते मिलते लिया जा रहा था। उनके बाद सी-सी-सी-डी-सी भी लीडिंग में गए थे और उनके रिप्लेक निकल रहा था। अभी इससे तीनांका 12 तारीख की प्राणार्थना नागरिक नीति की है। मुखे आपके और प्राणार्थना हो तो है कि नीति लागू करने ही जानने हाल के हाल ध्यानार्थना प्रस्ताव देखा कर लिया।

नीतियों में उन सब सीरी तार करके बनाने एक ऐसी नीति लागू कर वे जिनसे तीन भागों में कुक्ता उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा। यह देश कृपया प्रमाण देश है। इस देश के अधिकार उद्योग-बन्धे कृपया
पर आधारित है। तो यह किसी ने स्पष्ट व्यक्तित्व दिखाया करने के लिए उपयोग किया है।

गर्मी चर्चा में इसी प्रकार के संदर्भ में व्यक्ति को बताकर दिखाया करने के लिए उपयोग किया है। इन्हें जिस प्रकार वहां भरी होगी, जिसके लिए वे विवरण देने वाले अन्य व्यक्ति के लिए उपयोग किया है। 1997 की जीनेतिक के लिए इन्हें विशेष ध्यान के साथ लिखा गया है।

मानीय सहकार ने संविधान संशोधन द्वारा यहां जीनेतिक नीति के अनुसार पूरा पत्र रखने की कारण ने जितने वर्गों में भाग देने की वजह के लिए।

इस पत्र का प्रमाण भाषा मानिय सहकार के लिए इन्हें जीनेतिक नीति के अनुसार पूरा पत्र रखने की कारण ने जितने वर्गों में भाग देने की वजह के लिए।

जबकि यहां भाषा के भाषण के लिए क्रिया व्यवस्था के रूप में संबंधित विशेष विवरण की जाति नहीं है। संविधान संशोधन द्वारा यहां वह जीनेतिक नीति के अनुसार पूरा पत्र रखने की कारण ने जितने वर्गों में भाग देने की वजह के लिए।

इस लेख में क्रिया व्यवस्था के भाषण के रूप में संबंधित विवरण की जाति नहीं है।

पत्रकार को यह सत्य मानना चाहिए कि इन्हें आरामपूर्व सुचिपत्रों के विशेष योजना के कुछ उद्देश्य उन्नति नहीं कर सकता। इस बात के लिए प्रमाण देने जा रहे हैं कि विशेष जीनेतिक नीति स्पष्ट व्यक्ति के नीचे बीड़ियों को भ्रष्ट भ्रष्टाचार, वस्त्र वृक्षारोहण व त्योहार तथा बीड़ियों के लिए आहार दर्ज करें।

संचार सेवा के लिए इन्हें विभिन्न विवरणों में इसे तेजी से विवरण देने की जाति नहीं है। इस पदक के लिए विवरण देने की जाति नहीं है। इत्यादि विवरण के लिए विवरण प्रतिक्रिया का गठन किया जा रहा है। इस पदक के लिए विवरण देने की जाति नहीं है।
[की ओम प्रभाकर चीतलक]  
लघु लिखित शेष निम्न गुणावलम्ब हैं जैसे आधारित उद्योग शामिल हैं, के विकास के विवेक प्रारम्भिकता प्राप्ति का गई है। प्राण के, इसके आत्मात्मार्थ लघु एवं मध्यम उद्योग नीतिकरण कोष की लागत की जाएगी। नई वातावरण ने कृत्ति की परंपरा है, जिसके बारे में हरियाणा के उद्योग के जनरल के उद्योग के जन्म उल्लम्ब होगी।  

यह तय है कि कृत्ति आधारित उद्योग विकास पर है। यह जी प्राभाव है कि समग्र स्वरूप की हिथि दूर एवं मध्यम क्षेत्र में पैल रही है। क्षितिज तीन चीजें के आवास आदर्शिक क्षेत्रों में रोगार्थ अज्ञात की प्रतिष्ठा में कमी आई है। बाइकर में गगंत बदल एवं मध्यम उद्योगों में कृत्ति हुई है। लघु लिखित उद्योगों में किशोर और युवाओं के दौरान स्वरूप नवीनीकरण की हिथि ने बिखरी हुई है। इसका मुख्य कारण इस क्षेत्र की प्रारम्भिकता, पूर्व, प्रतीक, आदर्शमूल मूल्य, विवाद की दुश्मनता में कमी आई है। हालांकि शब्द यह कहतें है कि यह कृत्ति आधारित उद्योगों की प्रारम्भिकता एवं इस क्षेत्र के उद्योगों को हो सकता कल्याणमय हो दुर्घटना दिलाया जाए।  

की वर्मी सिंह वजान : अभ्यस गोंडोय, जो वात पुष्पा में गोंडोय ने बताया, वह ठीक है।  
अपने पिलाये विनोबा विरोधक शेष के आत्म-वाह उद्योग-प्रदेशों के साथ डेर्मो किराया विवाद किया। अभ्यस गोंडोय, आत्म-वाह है कि इसहास देश की 70 प्रतिशत अधिकांश गांवों में बसी है। उन्हें विवाद की बात वह है कि अज्ञात गांवों में रहने वाले बरोबर गांवों जो बिखरी और भूमिक नवीन के साथ रखते हैं, के अन्य अपनी आदर्शिक नीति का पूर्ण व्यवहार खो दुर्घटना है। अम्बियोनिक नीति ने देश में आत्म-वाह विवाद के आधार पर उनकी उदाहरण दी है कि ऐसा कि की इसी देश की अपनी राष्ट्रीय समस्या की खोजा दुर्घटना दिलाया जाए। विवाद गोंडोय, मैं माननीय गोंड जी को बताता चाहूँगा कि यह जब तक आदर्शिक कृत्ति पर आधारित रहने गांवों में नहीं लगाया तब तक गांवों में बरोबर गांवों हूँ नहीं बनेंगी। अभ्यस गोंडोय, हरीखेड और हरियाणा दोनों ही चोटी-चोटी हैं लेकिन उन प्रौद्योगिकी की कृत्ति प्रायः वाह है। यह कहते देखने वाले की आपने प्रतीक नीति की वाह पर शासन नहीं दिखाया गया है। अभ्यस गोंडोय, मैं प्रायः मैं बताता हूँ कि गोंड के विवाह अपने जो आदर्शिक शर्तें बनाए हैं, मैं तुम्हारे विरोधक नीति दो बार लिखा, उपन किराया जानकार के सुझावक गुरु उपन किराया के अन्य किसी एक ऐसे नीति देने की कोशिश करते वाह उन नीतियों के कुछ कृत्ति उद्योग वाह पर विवाहित समय धर्म गांवों में जाकर आनंद दिलाए। अभ्यस गोंडोय, मैं माननीय गोंड जी को बताता चाहूँगा कि यह तब तक कृत्ति पर आधारित रहने गांवों में नहीं लगाया तब तक गांवों में बरोबर गांवों हूँ नहीं बनेंगी।
है। आगर यहाँ पर कुछ उपाय नहीं है तो निश्चित रूप से कृपया के उपराणिक व्ययों में भी बदलती होगी। अभी माहिती, तब नहीं है कि हमारे प्रदेश में फॉलोअप क्लास का उपयोग है। हमें यह जीवन भी भारी-भारी करना जा रहा है। अब इसके बाद, विशाल के पास जमीन का होने के कारण उनके सामने बहुत व्यापक रूप से उपयोग है। (घर एवं व्यवसाय) अभी भी है, जो पुरानी नीति व उनके तहत 7.5 लाख लोगों को रोगाधिकारियों ने लेकिन इसमें भी जीवनिक नीति के तहत 9 लाख लोगों को रोगाधिकारियों ने। अभी महत्व, यह अब वास्तव में नहीं है। अब एवं व्यवसाय की कहानिया की कहानी चाहिए कि आगर ये नियमाखान्त आँध्र के समाजिक फेयर का ढहक तक न पहुँचे तो इसे यह बिगाड़ना अवघड़ निकाल लेती है। लेकिन इन्होंने यह ध्यान न देना पड़ा। अब इसके बाद, में नागरिक सारी और इस व्यवसाय की जानकारी के लिए व्यवसाय मॉडल का यह सिद्ध है कि राज्य का विधान निकाल तो तक नहीं है अब तक कुछ पर अधिकारियों की और परमाणु ध्यान नहीं दिखा जाए।

इसी रीति के ध्यान में इसके लिए यह जीवनिक नीति में जैविक विवरण बोध की शर्मनाक प्रायः है, जो कि राज्यों में संबंधित विवरण को देख रहा। केन्द्र और वास्तविक व्ययों में वृद्धि के लिए कुल उच्चों और सर्वेक्षण रिपोर्ट का यह लागू किया गया। राज्यों में कुछ पर अधिकारियों के विनियमन (पूर्व) पूर्णिमा के रूप में रखा गया, जिससे कि राज्यों में इन क्षेत्रों में पूर्वीपक्षियों को लागू हो। इस वेब बैंकिंग रिपोर्ट को पूरा करेगा। इसके ही साथ, यह में लागू होगा। अभी जीवनिक नीति 1999 में इस क्षेत्र में स्वार्थवादी इकाइयों को संबंधित पूर्वीपक्षियों के 250 प्रस्ताव तक विवरण कर की दूर देने का प्रायोगिक रूप है। यद्यपि अन्य क्षेत्रों में यह दर बढ़ती नहीं है तथा यह तो 100-125% अब जीवनिक इकाइयों का दूर देने की है तो यह निहित निर्देश दूर 125 से 150 प्रतिशत है।

प्रश्न 1: कैसे निकाल उपयोग: अभी माहिती, एक वास्तविक अर्थव्यवस्था पर कितने दौरों की उपस्थितियों पूर्व है? (घर एवं व्यवसाय)

प्रश्न 2: कैसे निकाल उपयोग: अभी माहिती, बना नवीन पारी के 8 सरकारों ने 800-8000-8000 के बोलों में कैसी अर्थव्यवस्था नीति से रूपान्तरित कर रहे हैं। इसीलिए यह पैसे भी बुझाने का मौका दिखा जाए।

प्रश्न 3: कैसे निकाल उपयोग: अभी माहिती, हम आगरे दिखाने के एक नया आधार होना है। इसके लिए हमारे हाथों में है, जो राज्यों में पूर्वीपक्षियों की लागू कर दिखा जाए। हम नहीं है, जो राज्यों में पूर्वीपक्षियों की लागू कर दिखा जाए।
भी अभाष

भी अभाष

भी अभाष

भी अभाष

भी अभाष

भी अभाष

भी अभाष

भी अभाष
विज्ञान पराकर के लोक लगा जुआब ने सल्हे किन्हाँ को निदंस्क किन्हाँ देने के बाह्य की 
अपसगता ने उन्हें चौधरी-बाहरी कमिओं से अनावर के बियाँ ने लिया जब रहे है. लोग कहते हैं कि चौधरी 
भूतान करने पर वह विज्ञान उपलब्ध करने में समय नहीं रहे है, वह निदंस्क किन्हाँ के लिये तो सकते 
है. विज्ञान में वह वह निदंत तथा जीवित किसानों की तुलना फिरोज़ी, रामराम तथा उन्हें आदर के 
कारण की अपस ज्यादा है. चौधरी तथा जीवित किसानों की तुलना करना तथा उन्हें आदर का 
सामना कर रहे है. किसान की कारण जीवित किसानों उपलब्ध प्रभावित कुछ है तथा यहाँ तक कि 
तालाबों की वह तुलना है. जीवित किसानों उन्हें कुछ नहीं, प्रभाव किसान की जीवन करने तथा उन्हें आदर के 
कारण जो दुमतों को उजागर करते हैं।

किसान गेड़े के लिये बिजवाड़ा नीली के दौरान तथा सरकार की फ़सल की सिंचाई हेतु पानी देने 
के लिए गरमी समय का तालाब कर रहे हैं. किसान अब रोज़ की फसल के लिए अपने बूंदे पेड़ों की 
सिंचाई करने के लिए दीजी पहर पर निर्यात हो रहे हैं. दीजी समूहों के क्षेत्रीय ने उनके 
दुमतों को और बढ़ा दिया है।

किसान की ज्यादा-बिजवाड़ा के कारण दुमतों की वापस उत्साहित किया है. सड़कों में 10-12 जोड़े 
के अलगलग की लाख किसान के कामों, लाख आदर द्वारा उन्हें दीजी की जोरें करने के 
कारण जीवित बिजवाड़ा में भागी रहे हैं. चौधरी ने चौधरी जुआब के दौरान निर्देशिकाओं हेतु बाधा किया 
था विश्व नौ जोड़े निर्देश बिजवाड़ा करारे एवं नाम के किसानों को बिजवाड़ा किसान के उपलब्ध 
कराने की नींव कर रहे हैं. लोगों के नियतारों में तुलना बढ़ा है. रामराम को उनके 
अंकों पर सन में पहले देखा था जब भी पर पह रहे हुए, तथा किसान के क्षेत्र 
नींव के लिए उत्साहित करते हैं. किसान को फिसला बिजवाड़ा कवर करके जमा करने तथा आदर 
करने की जीवित सुधार परिवर्तन के अनावर किसान के दौरान किसान के सिंचाई उपयोग में लाई 
गई है. वह भी बला चढ़ाए।

विज्ञान

विज्ञान में दुमतों की आदर प्रशस्त बनालापण संबंधी

विज्ञान में (श्रेणी समय लिख) : आदर के लिए निवृत्त वर्ष 380-400 लाख युनिट. किसानों की 
उपलब्धि की बाण हेतु बिजवाड़ा की गतिविधियों की स्थिति मुहर है जोकि पिछले के 
कलेक्ट की तुलना में 60 लाख युनिट अधिक है. रामराम के लिए दीजी अभी एवं 
सरकार ने विपणन बिजवाड़ा के उपयोग जो कि पिछले की उपलब्धि को 
उन्नीत करने के लिए अच्छे चयन उद्योग है।

पूर्व रामराम में दुमतों के बाद भी दूसरे किसानों पर बोध किसान की कठिनाई नहीं 
है. शिकार बृतांतंत्र सबसे खारे दौरान के बलात उपयोग के किसान के 24 जोड़े ही जा रही है। 
इस प्रकार उपयोगों की 5.30 लाख तथा तक निर्देश भारी कठिनाई के समय का प्रस्तावना 
रामराम के उपयोगों की कक्षा के दौरान ये जोड़े पर बोध किसान की कठिनाई नहीं है। इसी शेर की बिजवाड़ा की 
अपूर्ण शिकार आदर पर दो रामराम में दो जा रही है। दीजी बैंक में जहाँ सिंचाई उपलब्ध जाती
प्रोफेसर शिखर

है, टप्पकेल्ली को 8 से 10 बंटे तथा जन्म केरेंज को 7 से 9 बंटे प्रतिविभाजन बिलानी ही जा रही है। इसमें जल आपूर्ति के उद्देश्यों के लिए नियोग बिलानी की आनुपातिक संपीडित है। इसके अतिरिक्त ऐसे उपयोग की जो दिन के साप्ताहिक प्रतिविभाजनमत हैं उनके सेवा बिलानी की आपूर्ति 5.30 बंटे तथा 8.00 को अगले दिन तक रोजगार के उद्देश्य के लिए ही जा रही है। इस पद्धति सामग्री बिलानी में पी सुबह एवं रात के ध्वनि के दौरान कोई कटौती नहीं है।

सरकार के कार्यालय समाप्त तथा बिलाली की आनुपातिक उपलब्धता 60-80 लाख प्रति दिन लाभ होने की आवश्यकता को क्षणि रूप से ठीक रखा हुआ है। अतः यह नियोजन बिलाली का आवश्यकता जीवन दृष्टिकोण से किया जा रहा है। उदाहरण द्वारा अग्रणि व अवेदन, 1999 के अवार्ड विनियम रणनीति व आयात परिवर्तन के दिन 1998 के दौरान बिलाली की लाभ में 51.93 और 83 लाख प्रति दिन अधिक प्रतिभा प्राप्त की गई है। अगले 4-5 दिनों अपने-अपने रेटर राजनीति के भाषण के लिए नई लाभ प्राप्त की गई है। ध्यान में रखना राजनीति के भाषण के इसका अर्थ नहीं बताया और लाभ कराओ अधिक प्रतिभा की लाभ की गई है। इसलिए राजनीति के लाभ का साधन नहीं व्यापक तथा विकास की तरह नहीं होगा।

राजनीति नियोजन अधिकता बिलाली उपलब्ध की उपलब्धता है कैसे करने रही है?

* अपने दर्शन उपलब्ध के दौरान पारिवारिक, गावी तथा बिलाली उपलब्ध में गई है।
* जीवन की 89 लाख प्रति दिन दूसरे दृष्टि की तुलना में औसत उपलब्ध में 104 लाख प्रति दिन प्रतिभा का दृष्टि रखा है।
* प्रतिभा ध्वनि पर आधारित केंद्र पुंजी 2 (143 रूपये) दिन, 1999 में दृष्टि रखा है। जिनसे 30 लाख पुंजी की आवश्यक प्रतिभा और यह प्राप्त है।
* केंद्रीय सुवृत के अधिकारिक पहल के दौरान 19 प्रतिभा से 27 प्रतिभा लाभ का एवं डीवारी-प्रथा के दौरान एवं प्रतिभा पर आधारित अंतर्गत दृष्टि देखा और 88 रूपये प्रति बिलाली की तारीख का निर्माण कर केंद्रीय उपलब्ध परिवर्तन के से 10-12 लाख पुंजी प्रतिभा प्रतिभा अधिकता रूप से उपलब्ध कराई गई है।
* 15 दिसम्बर, 1999 के 15-25 लाख पुंजी स्क्रिप्ट प्रति दिन नियोजन अधिकता रूप से गई है। क्योंकि एकविंदु पेंट पर हमेशा बिलाली उपलब्ध है।
* प्रति प्रतिभा के दौरान 110 रूपये की पुंजी नं. 2 के जीवन नियोजन तथा पुनर्निर्माण के 15-25 दिन, 1999 के अन्त तक जीवन पर उपलब्ध हो जाएगी तथा यह नजरीय, 2000 के प्रथम दिन तक राजनीति के हैंड में 24-25 लाख पुंजी की तारीख की और वृद्धि नहीं की गई।
* प्रति प्रतिभा के दौरान 210 रूपये की पुंजी-6 दिसम्बर, 2000 के पहले दिन, नियोजन प्रतिभा रूप से 45 लाख पुंजी की और वृद्धि की गई।

व्यवस्था में राजनीति अपने तक का लाभ प्रतिभा बिलाली आपूर्ति 518.4 लाख प्रति दिन नियोजन 25-9-99 को उपलब्ध रखेगी नहीं। इसलिए अपने आपूर्ति की स्थिति सुनहरे तथा यहाँ आपने दृष्टि नहीं रखेगी।

(2)18 विकास विभाग राजनीति
किसी राज्य का किसी दैर्घ्य का पुरातन निर्माणविधि मूल रूप से वात्यवत्तूर पर निर्भर करता है।

1. किसी क्रम करने की तात्पर्य --- किसी क्रम एवं लगा लगा जाना विचारित है। राज्य में कहीं गुलिमल के पश्चिमी सुधृष्टि नाम पर 48 पृष्ठांक के बिन्दुओं पर कोई छोटा छोटा विशेष उपयोग केन्द्र नहीं है, इसलिए राज्य की अवधारण उपलब्धि अपने विश्लेषण के पैगम्बरी निर्माण उपयोग पर या केन्द्रीय क्रम परमाणुप्राप्ति से किसी क्रम करने पर निर्भर करता पड़ता है।

2. लेख की प्रमाणित --- अवधारण के सभी उपयोग की प्रतिस्थापन की गुणवत्ता में, हरियाणा देश में कुछ क्रम को जब उपयोग केन्द्रीय प्रतिस्थापन किसी देर बाद प्रदेश है जबलपुर बड़े भारत की 26 प्रतिशत और भारत की 45 प्रतिशत है। इसलिए एक राज्य की दूसरी राज्य के साथ टीप देना बहुत ही महत्वपूर्ण नहीं कहा जा सकता है क्योंकि उनके विचार की तात्पर्य न ही श्रीदंडों में गुणवत्ता और केन्द्रीय क्रम पर निर्भर करता है। राज्य में किसी टीप के भी स्थानीय अन्तर्राष्ट्रीय के अनुसार विभागित किया जाता है।

हरियाणा में किसानों के मीटर आपूर्ति के लिए सप्ताह की गाठनी पर निर्भर करते हुए मतलब ही रिसाइकल 50 पैसे से 23 पैसे प्रति लुटिन की बन कर दे सिक्स के दी रही है। इसी प्रकार पैर मीटर के बिन्दुओं आपूर्ति के लिए टीप देना 65 पैसे प्रति लुटिन-नीना से 30 पैसे प्रति लुटिन-नीना प्रति मात्र की 65 पैसे है जबकि राजस्थान राज्य में कुछ टीप 70 पैसे प्रति लुटिन है, जो हरियाणा से काफी अधिक है। हरियाणा में किसानों के हिस्सों की तरीकों पर निर्भर होता है।

अवधारण के क्रम वह सक्षमतापूर्वक तनाव बाहर कारोबारों पर निर्भर करता है जिनमें राज्य सरकार प्रति प्रदेश की गई दुलारियों, लक्ष की योजनाओं/संक्षेपों का प्रतिष्ठा, लक्ष का लाभों का प्रतिशत विशेष वातावरण समेतिशित है। हरियाणा में उद्योगों को सरकारी कर्मचारी के लिए निर्धारित करने के लिए निर्धारित है। अवधारण के कारण प्रति लाख की जाने वाले के कारण दुलारियों के निर्धारण के लिए अनुसरण प्रति शासन को सामान्य किया गया है। कुछ तथा अवधारण उपयोगों की दीनिकी संगठन को धारण किया गया है। इस तथा साहित्य और अवधारण के लिए निर्धारित करने के लिए अनुसरण कर दिया गया है। हरियाणा में अवधारण के लिए अवधारण शीर्षों के निर्माण के लिए जाना आवश्यक उपयोग करने बाहुल्यता नहीं है और अब तक राज्य सरकार का ध्यान ऐसी देश साधनों के उपयोग और अवधारण दीनिकी दीनिकी की जाने वाले है। इसलिए, वह अवधारण दीनिकी राज्य से बाहर गई है।

राज्य सरकार बिना उपयोग को अवधारण बिना उपयोग करते पर जरूर दे रही है राज्य में ज्ञात वातावरणीय हाइपर क्रिकेट क्षेत्र हो सकते। राज्य ने जस्ता ही अवधारण शीर्षों की दीनिकी की जाने वाली तात्पर्य है क्योंकि उन्होंने उपयोगी उपयोगी उपयोगी की जाने वाली तात्पर्य की। विवरण 12-11-99 के मामले में पीपी पी प्राचीन कालों के अन्तराल के कहीं अवधारण उपयोग को अवधारण दीनिकी नहीं लागू है।

जनवरी, 1998 में हरियाणा ने दृष्टिकोण सुधार के लिए विश्व बैंक मंडल के अंतर्गत 60 मिलियन यूरो-एरो कार/240 करोड़ रूपये के जन की चालानी की गई थी। इस रूप में दे
हिरिया का विस्तार शासन

[16 अगस्त, 1999]

[प्रथम समाप्ति]
130 करोड़ रुपए की राजी पहले के रामन राजी करते, आपूर्ति के लिए टेंशन देने, प्रशासन व निगमन प्राधिकारी को हर्दिया देरवाय करने के लिए कर्मचारी तो गई है। अब तक 190 करोड़ रुपए के टेंशन देने कर्मचारी हर्दिया तथा फ़ेडेरेशन की आपूर्ति के लिए दे दिए गए हैं। राजी की कुल राजी दिसम्बर, 2000 तक प्राप्त की जाएगी। राजी राजी श्रीमती रूपेंगे तस्वीरों को इस्तेमाल करते, काबू उपयोगी की पूर्व करीब करने, फिररण इकाइयों की बारत प्रदत्त तथा बिजली तथा दिनें है। इस पर अध्यापन उपयोगकर्ताओं की तीर्थ रूपरेखा की जीवन में दुर्गापूजा देने के लिए पूर्णता की है, जिसमें नृत्य की मैलनी का विशेष ध्यान राखा जाएगा।

भी कर्म शिष्य विभाग: अल्मोड़ा गहवर, अमर समय सिंह जी ने माना है कि खेती में किसलों की बरसी है और इस कार्य की कल मुखसंगठनों जी ने भी माना था। अभी दिनों भी भारत के भाग्य मंत्री भी स्वतन्त्र रहिया बनाया गया है। अभी मुंबई के मुख्य मंत्री भी स्वतन्त्र रहिया बनाया गया है। वह बैठक में प्रशासन नौकर इंसान शासन के प्रति बहुत बड़ी उत्साह बिजली के बारे में बिजली ओर युवत का राहत नहीं प्रदान कर दे। विजालों दो नीतियों में किसलों में कुछ पहुंच भी आई है। लेकिन नीति आधार बिजली की उत्पादकता के बारे में हमें वात की थी। उनलों को पता लगा है कि बिजली के बारे में रहते हैं। अभी बीच में प्रशासन नौकर इंसान शासन के प्रति बहुत बड़ी उत्साह बिजली के बारे में बिजली ओर युवत का राहत नहीं प्रदान कर दे। विजालों दो नीतियों में से किसलों ने कुछ पहुंच भी आई है। किसलों दो नीतियों में किसलों की उत्पादकता के बारे में हमें वात की थी। उनलों को पता लगा है कि बिजली के बारे में रहते हैं।

विजालों दो नीतियों में किसलों की उत्पादकता के बारे में हमें वात की थी। उनलों को पता लगा है कि बिजली के बारे में रहते हैं।

[विजालों दो नीतियों में किसलों की उत्पादकता के बारे में हमें वात की थी। उनलों को पता लगा है कि बिजली के बारे में रहते हैं।]
बात के माननीय मुख्य मन्त्री जी ने भी पाया है कि प्रदेश में पूरी तिथि की व्यवस्था नहीं रही क्योंकि हमारे भाषा देवी है। लेकिन हम समझते हैं कि इस समय हमारे मिल के साथ साथ यह भी महत्वपूर्ण है कि हम आप उपयोगी उपकरणों के लिए भी विकसित करें। इस वातावरण में हम उपयोगी सुविधाओं के लिए योग्य चर्चित बना रहे हैं।

यह रिपोर्ट को बताता है कि हमें अपनी पूरी तिथि धीरे-धीरे करने जा रहे हैं। हमारे लिए हमारे उपयोगी उपकरण कार्यान्वयन, उनके लिए चार्ज चार्जिंग करवाने का है।

यह रिपोर्ट को बताता है कि हम अपनी पूरी तिथि धीरे-धीरे करने जा रहे हैं। यह उपयोगी सुविधाओं के लिए भी कार्यान्वयन करके हमारे लिए हमारे उपयोगी सुविधाओं के लिए तैयार बना रहे हैं। इसके लिए हमारे उपयोगी उपकरण कार्यान्वयन, उनके लिए चार्ज चार्जिंग करके हमारे लिए हमारे उपयोगी सुविधाओं के लिए तैयार बना रहे हैं।

यह उपयोगी सुविधाओं के लिए भी हमारे साथ हमारे साथ हमारे उपयोगी उपकरण कार्यान्वयन, उनके लिए चार्ज चार्जिंग करके हमारे लिए हमारे उपयोगी सुविधाओं के लिए तैयार बना रहे हैं।
[प्रो समय छिड़]

रामसूरकेडी फीडिंग है उन पर किसी का कट नहीं है। लेकिन अंग्रेज़ इंडस्ट्रीस देने वाले फीडिंग पर कट है। जो अंग्रेज़ इंडस्ट्रीस क्षेत्र के लिए फीडिंग है उन पर आधा 5.30 को 9.00 को तक कट है। 

चालू बादा बादा नहीं है। आपकी बात को समय में रात किया गया है। यह बात की विचारिया है। यहाँ कोई तुड़न है, गुडली है, जलन खाने का समय है, यह खाना को उस समय खाने वाले देखा जाता है। हमारे देखा कि शाम के दस बजे तक तरह में बस्सा बांटवारे लें तथा वाला बिरा बैठना पसंद है। इस दोनों बांटवारे में बस्सा आने वाले वीच का इंडस्ट्रीस देने वाले का कट रहाये है। कोई बार ही नहीं है। सबकी पूरी बांटवारे में बस्सा आने वाले को कोई विकल्प नहीं खाने कोई विकल्प नहीं है। सबकी बांटवारे का हम केंद्र कर खुदें हैं। (लिखत) यह जाना उचित हुआ करते है। (निर्देश)

** नीति संचालन में अंक 1989 सार्वजनिक पाठ्यों में सबसे अधिक बोलने वाला है और वाली का नीति ध्यान दें यह।

** अनुमा : इस शाखा कार्यालय में रिकार्ड न किया गया।

मुख्यस्थी (माहू बॉक्का चीटला) : बॉक्का नीति जो अर वे इस बारे में नीति की होती दो। कला 11-कैफिंग बोलना पर कॉहद वाले के बारे में जो जान नहीं, उसे जानना अब से समय जाना है। इसके बारे में वाली कोई विकल्प नहीं है। उसे बांटकर भी खाया जाया तो वह भी भाल है। जो वस्तु शिल्पी है वहा तो हम सामान्य हों। (लिखत)

** अनुमा : फिल्म की, अर माते जान, बिना झगड़ा के न बोलो। (निर्देश)

** श्री कुमार सिंह : स्पीकर बालाजी में यही कह रहा था कि 12 नवम्बर है इसने बिरा नीति आपूर्ति की है। उस नीति के अनुसार आपको कोई कोई कोई नहीं करना आता है तो वहीं बयां करना। हम बाकी सभी उपकरण और बांटवारे करना। यही नीति आपको मजबूर था। स्वतंत्रता।

केन्द्र अधिकार शिखर भाषा : अध्यक्ष महेशप्रसाद, अध्यक्ष राजपूता जो हमारा देशीय होता है, वहां पर सभी की विचार 15 अगस्त के 25 अगस्त के बीच को जाना है। इस दौरान बांटवारे पर बिरा की कहां कितने हुए। सार, 25 नवंबर के बाद गेहूं की बिताई भी दुर्घट हो जाती है और सबकी कोइ भाग को पहले पानी देने का समय भी पुछे हो जाता है। दोनों में पानी दिया जाता है इस दिन कोई बांटवारे पर बिरा की कहां कितने हुए। इसके अलावा में अपने जानना बांटवारा हूँ कि इससे क्या बिरा की कोई इंडस्ट्रीस त्रिशृंखला है, जो जीवनित्य त्रिशृंखला है, वह दूसरी श्रेणी से फूल सुगन्ध है। इसके अलावा जीवनित्य बीच में जीवन के साथ विकल्प नहीं है। उसे बांटेंगे हैं कि इसकी खींच हो जाएगी। इसके अन्य आदतें जो हमारे जानना बांटता हूँ कि पत्ते रखने के बाद में इस सरकार की बांट खोली है। खाना बिरा के जीवनमय बीच में खाना बिरा की खेली है। अब ये रखते हैं कि इसकी खींच में वह एक रुप है। इसके बाद में इस लक्ष्य के नीति बिरा को बांटेंगे थे। इसके अलावा आगा के जो और फ्रैंक को जीवनित्य त्रिशृंखला को कृपया बताओ? इसके अलावा आगा के जो और फ्रैंक को जीवनित्य त्रिशृंखला को कृपया बताओ? इसके अलावा आगा के जो और फ्रैंक को जीवनित्य त्रिशृंखला को कृपया बताओ?

*भेंड के आठवें सेक्शन में रिकार्ड नहीं किया गया।*
गौर सम्पत सिंह: सीकर सर, इसके एक साथ दो कई सरल कर लिए। लेकिन तू दर्शानीय है। इसमें कई दो राय नहीं हैं कि दर्शानीय हैरानी में अब तक किसान ब्रम्हशीर को हिला है। (भिंड) केंद्र से भी किसान हैं, लेकिन सर ने भी किसान हैं। सीकर सर, इसमें केंद्र कैंट्रल नहीं करता।

इसके तरफ भी कैंट्रल करती है, जिसकी भी कैंट्रल करती है, नहीं करती भी कैंट्रल करता है और कैंट्रल भी कैंट्रल करता है। सीकर सर, इसमें भी कैंट्रल करता है। अब सीमात्मक साबित्त नहीं है। वह सीमात्मक है।

सीमात्मक साबित्त: सीकर सर, ने तो प्रारंभिक हो रहे हें जबकि मैं इसके दार ते प्रारंभिक नहीं हूँ। (भिंड) इसकी तरफ भी एकसेवा के अवसाद कोई और शायद नहीं करता है। (भिंड) सीकर सर, दास तो डालो जो भी डालो छलओ में भी भी डालो। अब मैं इसके उपर पार्श्व अंदाजे पर आ पाए तो इसके नकार देने में मोक्षित आ जाएगा। इसके नकार नहीं दिखा जाएगा। युद्ध भी इसके बाद में बहुत कुछ पड़ा है। वे पुत्रों के पूरी तरह मैं इसका इंतजार दे रहा है।

गौर सम्पत सिंह: गौर सम्पत सिंह ने तो उपर निःवादा कर दिया है जबकि मैं इसके साथ नकार कुछ पड़ा है। सर, गौर सम्पत सिंह ने कहा कि बुढ़िये से ऐसा सामना है जो इसके कैंट्रल करते हैं लेकिन निकट तक किसान एक कैंट्रल सकते हैं। इसके बाद में मैं कहना चाहता हूँ। इसके बाद मैं नहीं कहा कि मैंने कहा पर पूरी विभिन्न उदाहरण का आदर कर दी है लेकिन कहा कि यह पर हमारी संगठन विपक्ष कहता है। मैं इसकी विश्वसनीय वातावरण बनाता हूँ, कि गायल, सुले, 1998 में 19 लाख वृक्षारोपण किसानों की संख्या को गायल और बाद में अगस्त, 1999 में 32 लाख वृक्षारोपण किसानों की संख्या को गायल। (भिंड) इसके साथ-साथ अच्छी मध्यम, दो तस्कर राजनीति ने पूरी है। अब वे यह दास को कीमती सुनाते हैं जो दी गई ऐतिहासिक है। इसके तीन दिन तो यह पूरा है कि जो दुर्घटना का छात्र चाहूँ किया है उसका नाम स्टाफ चाहूँ किया है। इसके दिनों के बारे में पूरा किया है that is given at page No. 4 of the statement. That is why any other question does not arise.

केतन अवध सिंह बादाम: अब परंपरा का कोई किया है और दूरबाहर कैलेंडर भी थोपी गई है?

Prof. Sampat Singh: Thank you for raising the question of tubewells. दूरबाहर का अपने पत्र सुना नहीं हा। अब वह विदेश दिखा दिया। उनकी तो स्थान नहीं, यह तीन राज्य यह आवाज चली लेकिन उन लोगों ने लोगों दूरबाहर कैलेंडर नहीं दिया। इस हारक के अलग के बाद नया चल रहे हैं। हर चीज में दार्शन लगता है। जिस लोगों ने दूरबाहर कैलेंडर के लिए ऐसे का रखा है और सिंही डीशियर आ रही है वह कैलेंडर पार्श्वीय पर देने की कोशिश कर रहा हैं। छाँट का ही नया दूरबाहर आइटम लिए हैं। बाद में दूरबाहर के लिए प्रौढ़ बनाकर आर्टिकल कर दिया ये और जो पंक्ति बनाकर, उन्होंने हाल में यूरोपीय जो की मैं नूतनगर में और वैज्ञानिक विपक्ष करता माना कि आईटमों का होने आपके में पैकेट 30 दिन दूरबाहर के कैलेंडर देना यह यह तर्क का उपाधि है।

निबंध 15 के अंश प्रस्तावना

श्री अनुभव: उन एक सत्र के निबंध 15 के अंश प्रस्ताव प्रस्तुत करिये!
शिस्त मां (प्रेरणा सम्पन्न हिंदी) : अब्दुल सहीद, मैं प्रसाद कराता हूं—
कि आज के लिए निमित्त स्थापित की गई कार्य की मदद पर की कार्यशासी की आज की बैठक में अनिश्चित काल तक नियम "समा की बैठकों" के प्रश्नों से पुक्त किया जाए।

श्री अवब्ध : प्रसाद प्रस्ताव प्रस्तावित हुआ—
कि आज के लिए निमित्त स्थापित की गई कार्य की मदद पर की कार्यशासी की आज की बैठक में अनिश्चित काल तक नियम "समा की बैठकों" के प्रश्नों से पुक्त किया जाए।

श्री अवब्ध : प्रसाद है—
कि आज के लिए निमित्त स्थापित की गई कार्य की मदद पर की कार्यशासी की आज की बैठक में अनिश्चित काल तक नियम "समा की बैठकों" के प्रश्नों से पुक्त किया जाए।

प्रसाद स्वीकृत हुआ।

नियम 16 के अधीन प्रसाद

श्री अवब्ध : अब एक अंक नियम 16 के अधीन प्रसाद प्रस्ताव की।

शिस्त मां (प्रेरणा सम्पन्न हिंदी) : अब्दुल सहीद, मैं प्रसाद कराता हूं—
कि समा अपनी आज की बैठक से उठने पर अनिश्चित काल तक के लिए यथित रखी।

श्री अवब्ध : प्रसाद प्रस्तावित हुआ—
कि समा अपनी आज की बैठक से उठने पर अनिश्चित काल तक के लिए यथित रखी।

श्री अवब्ध : प्रसाद है—
कि समा अपनी आज की बैठक से उठने पर अनिश्चित काल तक के लिए यथित रखी।

प्रसाद स्वीकृत हुआ।

सदन की देश पर दिखा गए सम्पन्न पत्र

श्री अवब्ध : माननीय सदस्यों, अब एक अंक सदन की देश पर कार्यवाहः रखें।

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to lay on the Table of the House—

The 31st Annual Report and Accounts of Haryana Agro Industries Corporation Limited for the year 1997-98 as required under Section 519-A(3) of the Companies Act, 1956.
वर्ष 1994-95 के अनुसार तथा विनियमों से अधिक मार्गों पर वर्चा तथा मताना

शीष का घटक: मानवीय व्यवस्था, पूर्व प्रभाव के अनुसार तदनुसार का चयन लेने के लिए, कार्यालयों में दी गई सभी अनुपात की एक साथ बढ़ा तथा प्रतिनिधित्व की गई एकबार जारी है। मानवीय संरचना मंत्री पर चर्चा कर ली जा रही है लेकिन वह बालों के लिए उस मंत्रा का लागू है कि विवाह पर वे दर्ज करना चाहते हैं।

कि एड के संबंध में वर्ष 1994-95 के दौरान विधायक सभा द्वारा स्थीत के अनुसार वे अधिक किया गया खर्च को विनियमित करने के लिए 9,45,79,566 रुपये तक की राशि का अनुदान स्वीकृत किया गया।

कि अभिलक्षण व कार्यालय के संबंध में वर्ष 1994-95 के दौरान विधायक सभा द्वारा स्थीत के अनुसार वे अधिक किया गया खर्च को विनियमित करने के लिए 63,89,437 रुपये तक की राशि का अनुदान स्वीकृत किया गया।

कि वित्त के संबंध में वर्ष 1994-95 के दौरान विधायक सभा द्वारा स्थीत के अनुसार वे अधिक किया गया खर्च को विनियमित करने के लिए 3,31,03,109 रुपये तक की राशि का अनुदान स्वीकृत किया गया।

कि भ्रष्ट व राष्ट्र के संबंध में वर्ष 1994-95 के दौरान विधायक सभा द्वारा स्थीत के अनुसार वे अधिक किया गया खर्च को विनियमित करने के लिए 7,39,31,672 रुपये तक की राशि का अनुदान स्वीकृत किया गया।

कि वित्त के संबंध में वर्ष 1994-95 के दौरान विधायक सभा द्वारा स्थीत के अनुसार वे अधिक किया गया खर्च को विनियमित करने के लिए 10,02,73,941 रुपये तक की राशि का अनुदान स्वीकृत किया गया।

कि वित्त के संबंध में वर्ष 1994-95 के दौरान विधायक सभा द्वारा स्थीत के अनुसार वे अधिक किया गया खर्च को विनियमित करने के लिए 3,45,504 रुपये तक की राशि का अनुदान स्वीकृत किया गया।

कि बाला व पूर्व के संबंध में वर्ष 1994-95 के दौरान विधायक सभा द्वारा स्थीत के अनुसार वे अधिक किया गया खर्च को विनियमित करने के लिए 2,09,973 रुपये तक की राशि का अनुदान स्वीकृत किया गया।
[भी अध्वर्य]

कि पापु वालों के संबंध में कर्म 1994-95 के दौरान विवाह तथा स्वीकृत अनुदान से अधिक किए गए खर्च को विनियमित करने के लिए 75,33,691 रुपये तक की राशि का अनुदान स्वीकृत किया जाये।

कि एकदिवसीय के संबंध में कर्म 1994-95 के दौरान विवाह तथा स्वीकृत अनुदान से अधिक किए गए खर्च को विनियमित करने के लिए 34,45,731 रुपये तक की राशि का अनुदान स्वीकृत किया जाये।

विशेष मंजी (प्रोफेसर सिंह) : मनोबल, ये नियामत 1994-95 की है इस पर पहले भी जाकर जरूरी है। इसलिए यहां अनुरोध है कि इसके सीधे भी पास कर दिया जाये।

भी अध्वर्य : प्रताप है—

कि मृत के संबंध में कर्म 1994-95 के दौरान विवाह तथा स्वीकृत अनुदान से अधिक किए गए खर्च को विनियमित करने के लिए 9,45,79,566 रुपये तक की राशि का अनुदान स्वीकृत किया जाये।

प्रताप स्वीकृत हुआ।

भी अध्वर्य : प्रताप है—

कि आकारों व काराधार के संबंध में कर्म 1994-95 के दौरान विवाह तथा स्वीकृत अनुदान से अधिक किए गए खर्च को विनियमित करने के लिए 63,89,437 रुपये तक की राशि का अनुदान स्वीकृत किया जाये।

प्रताप स्वीकृत हुआ।

भी अध्वर्य : प्रताप है—

कि विवाद के संबंध में कर्म 1994-95 के दौरान विवाह तथा स्वीकृत अनुदान से अधिक किए गए खर्च को विनियमित करने के लिए 3,31,03,109 रुपये तक की राशि का अनुदान स्वीकृत किया जाये।

प्रताप स्वीकृत हुआ।

भी अध्वर्य : प्रताप है—

कि भाग्य व खर्चों के संबंध में कर्म 1994-95 के दौरान विवाह तथा स्वीकृत अनुदान से अधिक किए गए खर्च को विनियमित करने के लिए 7,39,31,672 रुपये तक की राशि का अनुदान स्वीकृत किया जाये।

प्रताप स्वीकृत हुआ।

भी अध्वर्य : प्रताप है—

कि विवाद के संबंध में कर्म 1994-95 के दौरान विवाह तथा स्वीकृत अनुदान से अधिक किए गए खर्च को विनियमित करने के लिए 10,02,73,941 रुपये तक की राशि का अनुदान स्वीकृत किया जाये।

प्रताप स्वीकृत हुआ।
भी अवषय : प्रमाण है—

कि विभिन्न एवं जन स्वास्थ्य के संबंध में वर्ष 1994-95 के दौरान विधान सभा द्वारा स्वीकृत अनुदानों के अंतर्गत किए गए खर्चों की विनियमित करने के लिए 3,45,504 रुपये तक की राशि का अनुदान स्वीकृत किया गया।

प्रत्यावर्तन स्वीकृत हुआ।

भी अवषय : प्रमाण है—

कि खाद्य एवं पुर्ति के संबंध में वर्ष 1994-95 के दौरान विधान सभा द्वारा स्वीकृत अनुदानों के अंतर्गत किए गए खर्चों की विनियमित करने के लिए 2,09,973 रुपये तक की राशि का अनुदान स्वीकृत किया गया।

प्रत्यावर्तन स्वीकृत हुआ।

भी अवषय : प्रमाण है—

कि प्याज़ पालन के संबंध में वर्ष 1994-95 के दौरान विधान सभा द्वारा स्वीकृत अनुदानों के अंतर्गत किए गए खर्चों को विनियमित करने के लिए 75,33,691 रुपये तक की राशि का अनुदान स्वीकृत किया गया।

प्रत्यावर्तन स्वीकृत हुआ।

भी अवषय : प्रमाण है—

कि सहकारिता के संबंध में वर्ष 1994-95 के दौरान विधान सभा द्वारा स्वीकृत अनुदानों के अंतर्गत किए गए खर्चों को विनियमित करने के लिए 3,44,731 रुपये तक की राशि का अनुदान स्वीकृत किया जाना।

प्रत्यावर्तन स्वीकृत हुआ।

—

विलक्क—

11.00 को । भी अवषय : अपने हार्दिक सहन कर तो हरियाणा विनियोग (संख्या-3) विचेतक 1999 पर बाद में पत्र कर सकता है।

आवाज़ : ठीक है जी।

भी अवषय : ठीक है, इस विलक्क को बाद में ठीक अप किया जाएगा।

(1) दि हरियाणा विलक्कन कार्य (भाग 4) विल, 1999

भी अवषय : अब एक मूल्य हरियाणा विनियोग (संख्या 4) विचेतक, 1999 प्रस्तुत करेंगे और उस पर विचार करने के लिए प्रत्यावर्तन करेंगे।
Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to introduce the Haryana Appropriation (No. 4) Bill, 1999.

Sir, I also beg to move—
That the Haryana Appropriation (No. 4) Bill be taken into consideration at once.

श्री अवयस् : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ—
कि हरियाणा विधियों (संख्या 4) विधेयक, पर तुरन्त विचार किया जाए।

श्री अवयस् : प्रश्न है—
कि हरियाणा विधियों (संख्या 4) विधेयक, पर तुरन्त विचार किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अवयस् : अपने बिल पर सलाज बाई बलाज विचार करेगा।

स्तान 2

श्री अवयस् : प्रश्न है—
कि स्तान 2 बिल का पार्ट बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

स्तान 3

श्री अवयस् : प्रश्न है—
कि स्तान 3 बिल का पार्ट बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

शिष्यदूल

श्री अवयस् : प्रश्न है—
कि शिष्यदूल बिल का शिष्यदूल हो।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

बसाव-1

श्री अवयस् : प्रश्न है—
कि बसाव 1 बिल का पार्ट बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।
इन्हें देखिए कार्यकाल

भी अपना: मैं यह है—
कि इस कार्यकाल पर बिज्ञान का इन कार्यकाल पर बिज्ञान है।
प्रश्न शीघ्र हुआ।

टाइम्स

भी अपना: मैं यह है—
कि टाइम्स किताब का टाइम्स है।
प्रश्न शीघ्र हुआ।

भी अपना: अब नंदी जी प्रश्न करने की बिल पास किया जाए।

Finance Minister (Prof. Samput Singh): Sir, I beg to move—
That the Bill be passed.

भी अपना: प्रश्न प्रस्तुत हुआ—
कि बिल पास किया जाए।

भी अपना: मैं यह है—
कि बिल पास किया जाए।
प्रश्न शीघ्र हुआ।

(2) विषय संयुक्त (राष्ट्रपति अन्वेषण) बिल, 1999

भी अपना: अब एक नंदी विषय संयुक्त (द्वितीय संशोधन) विचार, 1999 प्रस्तुत करेगी और उस पर हुए विचार करने के लिए प्रश्न करेगी।

नंदी में राष्ट्रपति विषय (भी लाटियाना हस्ताक्षर) : श्रीकर सर, भी विषय संयुक्त (द्वितीय संशोधन) विचार, 1999 प्रस्तुत करता हूँ।

भी अपना: वह भी प्रश्न करता हूँ—
कि विषय संयुक्त (द्वितीय संशोधन) विचार पर हुए विचार किया जाए।

भी अपना: प्रश्न प्रस्तुत हुआ—
कि विषय संयुक्त (द्वितीय संशोधन) विचार पर हुए विचार किया जाए।

भी राष्ट्रपति विषय (राष्ट्रपति) : श्रीकर सर, जो विषय संयुक्त (द्वितीय संशोधन) विचार, 1999 पेश किया है वेब जीजे की अनुमति करने का प्रश्न प्रस्तुत मुश्किल समझा किया गया है। श्रीकर सर, राष्ट्रपति में जब 72वीं और 73वीं अंग्रेजी की गई की तो उस समय लॉकडाउन में दैंदर 9 तथा दैंदर 9(ई) ऐड किये गये थे। इत अंग्रेजी के प्रस्तुत अंतिम 243(ई)
[भी राष्ट्रीय लिंग हिंदी लिपिवर्ग] ।

के अनुसार इस सम्पर्क की यह शिक्षा है कि यह अचूक गांधी एक प्रतिष्ठित कमिशन नियुक्त करे।

पंजाबी राज इस्तेमाल मानने का समय स्वायत्त भी राज्यीय गांधी जी का का। उससे ही यह विवाद प्रश्न क्या था और ये ही इस विवाद को पारंपरिक में लेकर आये हैं। सौंदर्यर यह, इस बिगड़े अन्दर उस समय राजीनामी नयां साधन का प्रचार किया गया था कि जब राजस्थान कमेटी एवं पंजाबी राज और

जो दूसरे इस्तेमाल के जैसे पंजाबी कलितिया हैं, जिन्हें परिवर्तन किया है, जिन आप कब तक निकटता पर नन्नी रोड तथा उन्होंने यह बताया नहीं है। फीकर यह, उन्हें यह संभालने की तैयारी

जिसे लाने एक बड़ी कमी वाली है तथा उनके रूप में पढ़ाए जाते हैं। लेकिन यह संबंध नहीं है कि यह विवाद अपने ढूँढे या यह बताया नहीं है।

[राजस्थान कमेटी] ।

जो स्वतंत्रता की ही यह गांधी का है और इसका है इसके तहत फाइनल कमिशन बनाना

संबंध की स्वतंत्रता की नियुक्ति है। वृक्ष है और जब तक यह जमा नहीं है और अक्षर की

जो कर दे कि इसके 68 कोट्स लुप्त कर गया है। हैकर ने फाइनल के लिए 23 कोट्स रुपये

करे इस वर्ष की तत्कालीन नियुक्ति के लिए उम्मीद स्वतंत्रता की करवाने की। इससे अपने बड़े फाइनल कमिशन करना है अगर नहीं बनाया तो कह तक बनायें। तब ऐसा करके

संबंध अपने लिए ही नियुक्ति को दूर नहीं ले रहे थे। वह तत्कालीन गांधी के अपने

बनाया वाली है तो कह तक बनायें और उसके लिए जमा एडिटर किन्तु राजस्थान गांधी के

नवार एवं प्रामाण्य स्वतंत्रता मंत्री (भी भीमल सिंह) : सौंदर्यर यह, नन्नी सरोवर नहर-बार

ओद्यम की है वह बताया रहे हैं। कह भी की बताया था कि हिंदीस्टान के मुखर बीजी मोहनद स्वरूप चोटिला जी ने 1 जनवरी, 1990 के हिंदीस्टान प्रेस में कुछ संपादन कर दी है। उन्होंने बनाया करने के कारणों की भी उल्लेख किया गया है। लेकिन आज संरक्षण में कोई इसी बात जानकार नहीं था।

सौंदर्यर यह, में सर, गांधी रायबंध की बनाया बांधने कि विवाद समय आपस्सिस राहुल, समय वाला और अंगीर ने बांधे में 23 बाँध लुप्त करने

करे इस वर्ष की तत्कालीन नियुक्ति के लिए उम्मीद स्वतंत्रता की करवाने की। इससे अपने बड़े फाइनल कमिशन करना है अगर नहीं बनाया तो कह तक बनायें। तब ऐसा करके संबंध अपने लिए ही नियुक्ति को दूर नहीं ले रहे थे। वह तत्कालीन गांधी के अपने

बनाया वाली है तो कह तक बनायें और उसके लिए जमा एडिटर किन्तु राजस्थान गांधी के
भी बीसाल सिह : अथवा महोदय, निनिविण ने हरा खान में धूरी जानकारी ही है। उस जानकारी के अनुसार ही निनि अपनी बात तोड़ के अर्थ कही है। विष मानोप का गठन हुआ था।

उर्मली आया पर ही सव-फ्रीटी बनाई गई है जिसकी एक नींदी भी ही हुकी है। यू चिन जोर देकर रह आई तो वह सव-फ्रीटी जो भी सिक्कार देरी उक्त जो बाहर लोगों के लिए आंकी है। यह भागे लोग के लिए नहीं लोग। सिक्कार नहीं किया जाएगा। (और) यह सव-फ्रीटी राजनीतिक चर्चा करने वाली कोई बात नहीं है जबकि अन्य सहयोग द्वारा बीते अर्थ प्रकाश व्यक्तित्व भी।

शुभ मंत्री (भी अम अवधारणा विधाला) : अथवा महोदय, कोई सव-फ्रीटी अवतार से दुर्भ कहता है तो उसका नाम किया गया। जबकि मंत्री जी ने तो पहले तक कहा दिया कि सव-फ्रीटी की एक नींदी भी है। इतने भी आगे कहकर तथा मुख भाँति हो गयी है। (और)

भी स्वािसिंह सुब्रह्मिन्द नायक : पीठीक बस, इसी ने फाराइंस कमीशन नियुक्त किया है उक्ते के चेयरमैन का नाम बताया दे। (और)

भी बीसाल सिंह : मैं बहसे कि फाराइंस कमीशन द्वारा उसके आयार पर ही सव-फ्रीटी का गठन हुआ। इसके पुरे तदा त्योत के एक क्षणुक मात्र नहीं है। (और)

भी ब्यािसिंह सुब्रह्मिन्द नायक : अथवा महोदय, ते उक्ते के चेयरपुन का नाम बताया दे। (और)

भी अम प्रकाश विधाला : अथवा महोदय, फाराइंस कमीशन का गठन हुआ है और पहले उसके चेयरपुन विसला वाद हो और उक्ते की बात बताया गया। (और)

भी ब्यािसिंह सुब्रह्मिन्द नायक : अथवा महोदय, कोई फाराइंस कमीशन नहीं बताया गया। (और)

भी ब्यािसिंह सिंह : तथा फाराइंस कमीशन के चेयरपुन इसकी पारंप से ही सव-फ्रीटी विसला बहार भर पुके है। इसको पार होना चाहिए। (और)

जून कमल वर्मा : अथवा महोदय, फाराइंस कमीशन वन हो उसकी कई गीतों घुड़ी ही तथा कई नियंत्रित ही गर और नकायदीक द्वारा पय्याली दोनों दोनों को आर्थिक संबंध भी उपयोग कर गई।

भी ब्यािसिंह सुब्रह्मिन्द नायक : अथवा फाराइंस कमीशन है उसका चेयरमैन को है?

भी ब्यािसिंह सिंह : पीठीक संपा, विसला वाद हो और बहार कमला वर्मा जी ने उसकी अपनी जो नियंत्रित है। उसको इसके वाद देखा चाहता है तो वे ही आर्धर में आ जाएँ तो भर की सारी रिपोर्ट उसके सामने रख देंगा। देख देख की आदेश के फहर में और अपने विषय को ताक कर है।
भी ओम प्रकाश वीरसागर : अनुभव महोदय, आपके गहरे दिसंबर के तदन से निंदन करता हूँ कि राजीव सिंह वे व्यक्ति है जिसकी बात की जा रहीई करें। (शेष)

कैप्टन अनन्त सिंह शास्त्री (धिशिके) : कैप्टन शास्त्री, मुख्य मंत्री जी ने बताया कि टेंडर की बहुत ही धमाकेदार हो, उनके धमने में रखने हुए और टेंडर की चालाने के लिए औरक्तियां अनुशंसित की है।

भी मंत्री रम गोयल : औरक्तियां अनुशंसित करना कर दी।

भी धीरेश सिंह : चौधरी शाहब, गणतंत्रीय गुप्त निको जी के आदेशों की पालना करते हुए 1-11-99 के तरिके प्रदेश में औरक्तियां अनुशंसित कर दी गई थी।

भी मंत्री रम गोयल : आपके साथ यह भी कहा है कि इस मामले के लिए कोई निर्देश नहीं की है।

भी धीरेश सिंह : कैप्टन शास्त्री, उनके विरोधी की है कि पहले विवास वाले तित आयोग के चेयरमैन थे, उनके बाद वह कल्याण व्यापार मंत्री बने। उनकी निर्देश आज गई है। उस पर तुम कहीं नहीं है। लेकिन हरियाणा प्रदेश में औरक्तियां 1-11-99 से अनुशंसित के हो गई है। विधायी राज्य शासन नहीं था इसलिए पहले इस बारे में आंशिक रूप से आयोगिता लोगों की आदेशकता नहीं। आयोगिता के बाद यह बिल सांख्य राम के लिए अनुचित हो रहा है।

भी ओम प्रकाश वीरसागर : गोयल प्रभार, कैसे आपके तत्कालीन लाभ होता है। इस संपर्क के बाद कार्य जारी है। अब राज्य को तो उसकी समाप्ति पर आयोक की गच्छ समाप्ति ।

कैप्टन अनन्त सिंह शास्त्री : कैप्टन शास्त्री, औरक्तियां अनुशंसित करने के बाद बड़ी थी ऐसी मुख्तियार कार्रवायें हैं जिनके पास वह मैं निर्देश देने के लिए पेश करता था। उन कार्रवायों में एप्स्लैन को मिलते 53 और 4-4 पानी से सनातन नहीं लिला है। कुछ ऐसे मुख्तियार कार्रवायें हैं जिनकी आयोग का मामला ऐसी समाप्ति। कुछ ऐसे मुख्तियार कार्रवायें हैं जिन्होंने अपने कोई भर्ती नहीं किया है। मैं यह जानता हूँ कि जो मुख्तियार कार्रवायें अपने मैडिंग को सनातन नहीं दे पा रहे हैं उन एप्स्लैन को सनातन देने के बारे में सरकार आयोजकों कर रहे हैं। (शेष)

भी मंत्री रम गोयल : कैप्टन शास्त्री, आपके मामले में कहना चाहूँगा कि जो बिल पेश किया गया है इस पर कार्रवाय करने वाले हैं और इस बिल की हर तरफ पर बहस करने की बात है। इस बिल की हर तरफ पर बहस करते हो आपकी तो बात है। आपने जो बिल पेश किया है उस पर विवादास हो रहा है।

भी धीरेश सिंह : आप सुल्ख बात करें। ये मूर्ति चाहते हैं इसका तब्ताता तो दें पढ़ें।

कैप्टन अनन्त सिंह : अपने हाथों, एक बार में यह बताना चाहूँ कि जो औरक्तियां खुद करता है उससे ऐसे विकल्प के बाद रखा गया है। जैसे जो मैं एप्स्लैन के उनके आदेश को किया था और ऐसे कार्रवायें में कुछ पेश मूख्तियार कार्रवायें के साथ आता है। शेष इस बारे में व्यवस्थापितों के बाद ही हुई है। व्यवस्थापितों ने कहा कि इसलिए बाहर कोई खाता नहीं पड़ा हो जो साइन में बड़े होंगे वे उससे ज्यादा बड़े हों। मैं सरकार से जाना चाहूँ कि नागरिकों को जायीज़क हालत गुणात्मक
के लिए कथा कारण उठाये जा रहे हैं। इसलिए यह जानना चाहिए कि यह कोणी कहाँ गए हैं। किस वजह लाइन पर जाने की कीमत?

मूल्यांकित मिस्टि: अरुण वर्मन, वे इसकी जनकी के लिए बचाता है। कहा प्रदेश में 82 नगरपालिकाएं और नगर परिषदें हैं। इनमें 20 नगरपालिकाएं ऐसी हैं जो लोगों की अवकाश का घर या वातावरण पर हो रहा है। यदि दिन का वातावरण की तरह बनाया जाता है। इसे व्यापक जनता है कि इसे एक सच्चे मात्रा में जनता का जनता विकास के लिए जरूरत है। 

जांच 1991 के जनसँख्या की पड़ोसी जनसँख्या की 16 दिन पहले जा रहे हैं। सरकार चुनाव के 3103 उम्मीदवारों को समयों के कारण वर्तमान व्यक्तियों को कार्यान्वयन करता है। इसके बाद चुनाव घोषणा कार्यक्रम ने यह लागू किया कि क्या तो समय पर बनाया है कि बच्चे के समय पर बना है। 

stellar युक्ति बोधिसत्व साध्य के यह लागू होगा तथा यह उनकी यह संसारी को बी जाननी।

मूल्यांकित मिस्टि (भूत-काल) - सूक्ष्म वर, इस विषय के अधिकारियों के रूप में वह लिखा है:

"Considering that octopus has adverse impact on trade and commerce, that there is waste of time and fuel at check posts and there is corruption/trancoke smuggling in its administration/assessment and that in many municipalities it has high collection cost, the State Government decided to abolish octopus in the State of Haryana with effect from 1st November, 1999. Accordingly, the Haryana Municipal (Second Amendment) Ordinance, 1999 (Haryana Ordinance No. 5 of 1999) was promulgated on 1st November, 1999. The proposed Bill now seeks to replace the Ordinance with the Bill in the ensuing Session of Haryana Vidhan Sabha.

इस काल के भारी में बड़े लोगी कहाँ की हुई थी। ऐसी नहीं है कि इस तरह के विवरण है। जब तभी वे उसका वातावरण का बचत है। वे कहते हैं कि इस लोगों के उस दिन की उच्चता का वातावरण जीना जाता है। इनके साथ रात की तरह तीसरा अवसर या प्रकार है कि यह चुनाव माफ कर देता है। अदालत यह नहीं निर्णय लेता था।

अगस्त जिते यह ने निर्णय लेते था। यह ने निर्णय लेते था।

मूल्यांकित मिस्टि: गेहूँ साध्य, आप उस सब-काल के शेयरचेक के दो दिन नहीं।

मूल्यांकित मिस्टि: गेहूँ साध्य, आप उस सब-काल के शेयरचेक के दो दिन नहीं।

मूल्यांकित मिस्टि: गेहूँ साध्य, आप उस सब-काल के शेयरचेक के दो दिन नहीं।

मूल्यांकित मिस्टि: गेहूँ साध्य, आप उस सब-काल के शेयरचेक के दो दिन नहीं।
भी मती श्रम नियोजन : अध्यक्ष भोस्ले, यह विनियम मनत नहीं है। हिंसा यह कहते थे कि इसको धोखाड़ सटी किया जाए। प्रेम राम कुमार कर्मचारी और प्रो.सराकास जी उस स्व-कर्मदारी के मैंने कहा। वह तथा कहीं मान सूचना का ध्यान भी दिया। जिसके लिए इसका कोई समय 8 हज़ार हज़ार हज़ार नहीं है।

भी ओम प्रमाण नियोजन : अध्यक्ष भोस्ले, हैं वह लोगों ने इसके बाद का नियोजन किया था और इसकी यात्रा करने वाले वे लेखन में यूनिशियल कर्मदार का दृष्टि बदलता चाहते थे। इसके दृष्टि में होम नियोजन का ध्यान भी था कि भी कुछ नहीं कर पाए।

भी मती श्रम नियोजन : अध्यक्ष भोस्ले, मैं इसमें जो प्रमाण छोड़ हिरासत में उन्होंने बाज़ार बहाए हैं। विशेष रूप से ये मूल्यविवरण करने को दिया जाना चाहता है। क्या इसी में किसी दिन की सुरुआत की होगी? मेरे आदेश पर सिफारिश की जा सकती है। अगर तो मूल्यविवरण करने को आपसी के साथ उपलब्धी नहीं करेंगे तब तक मैं दिशांत में कहा जाए।

भी ओम प्रमाण नियोजन : अध्यक्ष भोस्ले, इनको पता है कि यह सरकारी फिराक है यह सभी नियोजन वाणिज्य ग्रामीण, उपजियों और उन कर्मदार जो यह स्व-कर्मदारी के समय थे। अगर मैं यह रिपोर्ट उठा कर लुभ दूः तो इसको सब कुछ पढ़ा देंगा। यह रिपोर्ट बाहर जानी है इसका एकोस्पेस पोस्टम वोट कर देता है।

"The then Chief Secretary also recommended that the Octroi should not be abolished. Therefore, the Sub-Committee came to the conclusion that Octroi should not be abolished."

भी मती श्रम नियोजन : मैं भी वह कह कह रहा हूँ।

भी ओम प्रमाण नियोजन : अध्यक्ष भोस्ले, उस वक़्त जो कर्मदार वर्षी थी उसने अपना रिपोर्ट सत्य। यह बात तो माननी थी कि यह रिपोर्ट देख से सुझाव दें और इस सम्पर्क के आने के बाद इसके खाल का दिया तो इसके बाद करने को होगी उसका उपयोग नहीं है। (दिशा)

भी मती श्रम नियोजन : अध्यक्ष भोस्ले, अगर वे अमूल्य नागर और जागरण की पौरी बनाना चाहते हैं तो हम हमें अपने करते हैं हम हमें उपयोग करते हैं एक हमले के लिए याद नहीं है।
श्री ओम प्रकाश चौधरी : गोदाम लाख, जिन केवल एक कार को है कि अगर यह कह रहे हैं तो कि आप उस कोटी में थे नहीं? अगर उस कोटी के सत्रों ने उसने जो लिखा है वह मैं आपको बता देता हूँ।

"The Sub-Committee came to the conclusion that Octroi should not be abolished."

श्री मनी रम गोदार : मैं जो कहा है और लिखा रखा है कि यह मैं नहीं हूँ। आप जो कर रहे हैं और लिख रखे हैं वह कुछ और है। (निंदा)

श्री गंगा प्रकाश मेहरा : आपको महत्वपूर्ण, इसकी बहुत है इसका अर्थ और उसके बाद वह मामला कैराक्तें में गया। जब कैराक्तें में गया तो हैच्ञायत का नामक आया। इसकी काम करने में आत्मनी का है। (निंदा)

श्री मनी रम गोदार : मैं जो आपके बाद कह रहा हूँ, यह आया है। इसकी विरोध आपसी कोई भी बात बताने की बात है। उस कर्म को यह रखना मानी बारी थी। जो हमने की थी आप बताने यह राजस्वाधीन में भी हो चुका है। 

श्री मनी रम गोदार : मैं जो आपके बाद कह रहा हूँ, यह आया है। इसकी विरोध आपसी कोई भी बात बताने की बात है। उस कर्म को यह रखना मानी बारी थी। जो हमने की थी आप बताने यह राजस्वाधीन में भी हो चुका है। 

श्री पौरुष किसिम : इस बात पर इसके बाद यह मैं नहीं हूँ। इसकी विरोध आपसी कोई भी बात बताने की बात है। उस कर्म को यह रखना मानी बारी थी। जो हमने की थी आप बताने यह राजस्वाधीन में भी हो चुका है। 

श्री मनी रम गोदार : मैं जो आपके बाद कह रहा हूँ, यह आया है। इसकी विरोध आपसी कोई भी बात बताने की बात है। उस कर्म को यह रखना मानी बारी थी। जो हमने की थी आप बताने यह राजस्वाधीन में भी हो चुका है। 

श्री मनी रम गोदार : मैं जो आया है। इसकी विरोध आपसी कोई भी बात बताने की बात है। उस कर्म को यह रखना मानी बारी थी। जो हमने की थी आप बताने यह राजस्वाधीन में भी हो चुका है। 

श्री मनी रम गोदार : मैं जो आया है। इसकी विरोध आपसी कोई भी बात बताने की बात है। उस कर्म को यह रखना मानी बारी थी। जो हमने की थी आप बताने यह राजस्वाधीन में भी हो चुका है। 

श्री मनी रम गोदार : मैं जो आया है। इसकी विरोध आपसी कोई भी बात बताने की बात है। उस कर्म को यह रखना मानी बारी थी। जो हमने की थी आप बताने यह राजस्वाधीन में भी हो चुका है।
(2)35
[16 नवम्बर, 1999]

[मी घोषपाल सिंह]
दोहा लगा तो आप में भी, दीर्घीं मैं नहीं जानता कि आप विचार का विचार है कि आप मैं नहीं जानते हैं। आप ने उस विद्वान की जानकारी दी जो आप कहते हुए कि अपने हृदय लगता है। आप ने तो विद्वान में विद्वान के लिए भी जीत करने के लिए चाहिए है।

(विन)

मी नमी सम मोहताल : इस तरह से रटनी उठाती है कि अगर तहत है। (विन)

मी नमी सम : मनोरंजन नी, अगर अब पैतृक विद्वान तो है हृदय है।

मी नमी सम मोहताल : इस तरह से रटनी उठाती है कि अगर तहत है। आप में नवाज विद्वान के लिए चाहिए है। आप ने तो विद्वान में विद्वान के लिए भी जीत करने के लिए चाहिए है।

(विन)

मी नमी सम मोहताल : इस तरह से रटनी उठाती है कि अगर तहत है। आप में नवाज विद्वान के लिए चाहिए है। आप ने तो विद्वान में विद्वान के लिए भी जीत करने के लिए चाहिए है।

(विन)

मी नमी सम मोहताल : इस तरह से रटनी उठाती है कि अगर तहत है। आप में नवाज विद्वान के लिए चाहिए है। आप ने तो विद्वान में विद्वान के लिए भी जीत करने के लिए चाहिए है।

(विन)

मी नमी सम मोहताल : इस तरह से रटनी उठाती है कि अगर तहत है। आप में नवाज विद्वान के लिए चाहिए है।

(विन)

मी नमी सम मोहताल : इस तरह से रटनी उठाती है कि अगर तहत है। आप में नवाज विद्वान के लिए चाहिए है।

(विन)

मी नमी सम मोहताल : इस तरह से रटनी उठाती है कि अगर तहत है। आप में नवाज विद्वान के लिए चाहिए है।

(विन)

मी नमी सम मोहताल : इस तरह से रटनी उठाती है कि अगर तहत है। आप में नवाज विद्वान के लिए चाहिए है।

(विन)

मी नमी सम मोहताल : इस तरह से रटनी उठाती है कि अगर तहत है। आप में नवाज विद्वान के लिए चाहिए है।

(विन)

मी नमी सम मोहताल : इस तरह से रटनी उठाती है कि अगर तहत है। आप में नवाज विद्वान के लिए चाहिए है।

(विन)

मी नमी सम मोहताल : इस तरह से रटनी उठाती है कि अगर तहत है। आप में नवाज विद्वान के लिए चाहिए है।

(विन)

मी नमी सम मोहताल : इस तरह से रटनी उठाती है कि अगर तहत है। आप में नवाज विद्वान के लिए चाहिए है।

(विन)

मी नमी सम मोहताल : इस तरह से रटनी उठाती है कि अगर तहत है।
किया। अगर आग 68 कोटी रूपये दे रहे हैं तो जनता के लिए दे रहे हैं? जनता को इतनी रूपये कदम बढ़ाएंगी?

बी. बी. बिहारी सिंह : अगर इनका इतना मजबूरी होता तो जनता के लिए रूपये कदम बढ़ाएंगी। जनता के लिए रूपये दे रहे हैं?

मैं सरकार के लिए दे रहा हूँ। मेरी सरकार के लिए रूपये दे रहा हूँ। जिसके लिए दे रहा हूँ?

बी. बी. बिहारी सिंह : अगर इनका इतना मजबूरी होता तो जनता के लिए रूपये कदम बढ़ाएंगी। जनता के लिए रूपये दे रहे हैं?

मैं सरकार के लिए दे रहा हूँ। मेरी सरकार के लिए रूपये दे रहा हूँ। जिसके लिए दे रहा हूँ?

बी. बी. बिहारी सिंह : अगर इनका इतना मजबूरी होता तो जनता के लिए रूपये कदम बढ़ाएंगी। जनता के लिए रूपये दे रहे हैं?

मैं सरकार के लिए दे रहा हूँ। मेरी सरकार के लिए रूपये दे रहा हूँ। जिसके लिए दे रहा हूँ?

बी. बी. बिहारी सिंह : अगर इनका इतना मजबूरी होता तो जनता के लिए रूपये कदम बढ़ाएंगी। जनता के लिए रूपये दे रहे हैं?

मैं सरकार के लिए दे रहा हूँ। मेरी सरकार के लिए रूपये दे रहा हूँ। जिसके लिए दे रहा हूँ?

बी. बी. बिहारी सिंह : अगर इनका इतना मजबूरी होता तो जनता के लिए रूपये कदम बढ़ाएंगी। जनता के लिए रूपये दे रहे हैं?

मैं सरकार के लिए दे रहा हूँ। मेरी सरकार के लिए रूपये दे रहा हूँ। जिसके लिए दे रहा हूँ?

बी. बी. बिहारी सिंह : अगर इनका इतना मजबूरी होता तो जनता के लिए रूपये कदम बढ़ाएंगी। जनता के लिए रूपये दे रहे हैं?

मैं सरकार के लिए दे रहा हूँ। मेरी सरकार के लिए रूपये दे रहा हूँ। जिसके लिए दे रहा हूँ?
भी अभाषः गोरखा साहिब, आपके बोलते हुए काही रचना हो गया है इसलिए आप बैठ जाएं।

भी मंची गोरखा साहिबः अभाष मोहनदास, मैं तो तुम ही बात कहना चाहता हूँ। एक तो यह कि रह जो भी दिशान रहे जुंगीविषय के विषय में, पीड़ितक भींमलेश्वर को सफाई रखते हुए लोगों का प्रभाव का बोलना न चाहे। दूसरी हालांकि यह है कि भाग आप 95 कोइंग, 65 कोइंग या 70 कोइंग जनवया खाने में तो उस पेड़ में उस अवस्था की ही बात है जी एक जाने, चार जाने और जाने में नाक खोदें देने। आप उस आचारी के लिए भी उस खाने का सीख बोलते। यह नहीं कि पीड़ितक बरसात ने बोले और उस पेड़ को टूटायें देख। जुंगीविषय के लिए बड़ा बुद्धि होता है। जुंगीविषय पक्ष करने वाला बहुत होता है कि हमारे देश में जगह जगह उसके सामने कितने बोलना बंटता है।

भी आचरण महान चौधराः हम राजनीतिक समान हैं और जो भी राजनीतिक निर्णय इस समय में लिए जाते हैं, वे निर्णय लेने के लिए उपलब्ध लिए जाते हैं। आपने कहा कि जूंगीम बच्चे के सरकार ने 68 कोइंग रचना का न्युक्ति उठाया है। यह क्या अचूक है कि शायद होनी के कारण 1200 कोइंग रचना का न्युक्ति हो रहा है तब आपने जुंगी के एक भी शब्द नहीं निर्देश और उसके बोल रहे हो। जब शायद होनी को खोल गया तब आपके पूरा नहीं गया और आप स्पष्ट निर्देश को पूरा तले रीते गए। जब शायद बाहर का विषय गया और उसके खोला गया तब न ही आपने और न ही इस समझ से पूरा गया था। उस समय आपकी जुंगी बत नहीं गई थी।

भी मंची गोरखा साहिबः मेरे जुंगी बत नहीं गई थी बल्कि राम मिलाकर जो उस सारे में बोले थे।

भी कर्म कर्म (मुथुदतर)ः अभाष गोहराय, राम सिद्धान्त जी को तुम बाहरा देने आया था कि आप भी बोलने और उसकी सरकार में समुद्र पार्टी होते हुए भील पेड़ करना नहीं। (ोर) भी हर्ष कुमारः टेरीकर सर, गगन, गगन, गगन।

भी अभाषः हर्ष कुमार जी जो कुछ भी कह रहे हैं वह राजन नहीं किया जाए।

भी हर्ष निस्िद्ध इतिहास (पत्रकारः)ः अभाष मडोहरी, मेरे आपके साथ हो जीवन जी ने निवेदन करा बाटला हूँ कि यह जो दिशानामाग निमान (दिलो) संस्मरण विवेचन, 1999 पर चयन हो रहे हैं। इसके पूरी बात करने का केंद्रित किया है। यह भीला बहुत ही अचूक है। में यह अदृश्य करना सारा हूँ कि वह ये बोले ऐसे पत्रकार करने कि जुंगीविषय कर्मियों में जो पूरा जाए तो वह बिन्दु टिकें दे जाए हार्दिक पहुँच वह कर्म करने-बांटने कर मिलगो है? जो गान यह जाए क्या उसका जुंगीविषय के सार्कर के लाभ के बाद गहरे-बांटने के कारण ये होता है? यह पक्ष है। यह हम उसके कर्मियों में जाता है जो मकड़े के पूरे इतने पूरे दिनों की पालन करने हुए उस गान को करने और बांटने कर देते हैं। (ोर एवं व्यवस्था)

भी अभाषः गाझा मलिका सभी का सोचता है कि आप अपनी-अपनी सीटों पर बैठ जाएं। (ोर एवं व्यवस्था) हर्ष कुमार जी, मलिका भी बैठें। हर्ष कुमार जो कुछ भी कहे यह रिकार्ड नहीं किया जाए। (ोर एवं व्यवस्था)

भी हर्ष कुमारः अभाष मडोहरी, * * * *

*केवल के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।
धी कर्म सिंह दस्ताल : अथाय महोदय, में एक बात और पूर्णा पालता हूँ कि पिल्ले निवो जब हमारी सहायता दी उसने एक त्याग सहायता पर चर्चा की थी। (श्री एवं व्यक्तित्व)

श्री अमृत : पोज्य आप तद्देशी अपनी ही नंदा थी यूँ। (श्री एवं व्यक्तित्व) गोइसा सहाय, पोज्य आप नंदा। (श्री एवं व्यक्तित्व) चौहान सहाय, आप भी नंदा।

श्री कर्म सिंह दस्ताल : अथाय महोदय, नंदा सहाय की बुधवार इतना करता हूँ इसलिए मैं इसके वाह में कोई ऐसी-ऐसी बात नहीं कहा था क्योंकि मेरे लिए लोग हो। अथाय महोदय, हरियालिया के अंग्रेजी में बंबी सहाय जी के साथ कोई भूल पाते हैं बसी थी। (श्री एवं व्यक्तित्व)

श्री इर्द कुमार : अथाय महोदय, सहाय सहाय कहते हैं कि इसके बुधवार ये हमारी सहायता बनी थी, यह गलत है। चकित इसको रात में लाने वाले ही बंबी सहाय जी थे। ये तो हरियालिया सहाय जी के पेट बांजते थे।

श्री ओम प्रसाद चौहान : अथाय महोदय, में नानानी छाया श्री इर्द कुमार जी को कहना पाता हूँ कि ये हार्दिक निवार को बताते रहें। जब स्वीकृत सहाय लाने इसके सबसे ही हार्दिक बातचीत के लिए कह जाएँ। तब तो कर सकते हैं। (श्री एवं व्यक्तित्व)

श्री कर्म सिंह दस्ताल : अथाय महोदय, इर्द कुमार जी ने कहा कि मैं बंबी हरियालिया सहाय जी के पेट बांजता था। मैं इसके इस वाह में बात कहता हूँ कि मैं बंबी हरियालिया सहाय जी के बुधवार से ज्ञात था और मैं उन्हें अपनी विचार के साधन सुझाता था। उनकी बुधवार सहायता है। एक कुर्निया की निवारी भी कहता की जाते वह कह होती है। अथाय महोदय, इस मामले में तो दिक्कत के लिए ये पेट से पालते थे।

श्री इर्द कुमार : अथाय महोदय, इर्द ने तो इसके पेट बांजते थे। लेकिन जब गला लगा तो जी की लड़के उत्तमिन को पीदी के निकट दिया था तब ये मेरे पास आये थे जिसे मैं उसको दिक्कत दिखा दूं। (श्री एवं व्यक्तित्व)

श्री अमृत : इर्द कुमार जी, आप नंदा।

श्री इर्द कुमार : अथाय महोदय, अगर कोई व्यक्तित्व तीर पर डुब पर शक्ति करता तो मैं उसका जन्म तो दूरा है। (श्री एवं व्यक्तित्व)

श्री वीरसागर सिंह : अथाय महोदय, जो बवित इससे हार्दिक नहीं हैं और न ही विधान सभा में 12.00 बजे प्रणय कर सकता है, उनका नाम लेकर बेकार में बसती जा रही है। (श्री)

श्री बनी नग गोइसा : अथाय महोदय, यहां पर मिल की बाहर यी और ये लोग दूरी तरह की चर्चा करते लग गये हैं। (श्री)

श्री वीरसागर सिंह : अथाय महोदय, अनुसार के प्रमाण के बाद जो है तो यहां पर भया लाल के नेता की बात समझ है तो यहां पर भया लाल के नेता की बात आई लेख पर निम्नक्रम कि जो विधान बना में कहते नहीं कर सकता और उपर्युक्त बात बह नहीं सकता उनके उपर चाह निवारी ही चाहिए जबकि उपर जीतने वाले विधा के चाही है वह रहे हैं कि ऐसी बात रही है। यदि ऐसी बात है तो जो विधान सभा का आदेश तथा विधान को खराब कर रहे हैं। (श्री एवं व्यक्तित्व)
भी जनन नाम : स्पेक्ट्रम, जलाल गँग्या जी रूहे दुध बी-80-80 में हैं। यह वात उष्ण में नहीं आई।

भी कारण सिख बलात : आयोजन नहोस, मैं आपके माध्यम से बी-80 जनन नाम का चलना बाहुल्य क्योंकि वे पूरे दुड़के हैं कि कहा भी हमारी दोनों पारितियाँ के नेता चौं और जनक प्रकाश चौडा ने ईस पारितियों की उफियारा के बारे में बताया था। बी-80 जनन नाम अभी बाहर में हटाकर बाहर रहे थे कि मैं नाट के।

भी जनन नाम : अत्याचार महोत्त, इसलिए अपने 1984 में हक्की दो टीमें ही आई थी। (मौर)

अभ्यास वर्तमान : अवस्थादर, दो तो हो तो ही हो गई है।

भी कारण सिख बलात : आयोजन नहोस, मैं मंगो जो है वह जनन पाहता कि परिषद के अन्दर कई नागरिकों के इस बात के उपर समझ नहीं कि पंचायत के कुछ नागरिकों में निलस लिए। इनके विवाह में कुछ ऐसी नागरिकंकियों हैं जो वस्त्रपीता नहीं जो समस्त व्यक्तियों से बनी थी और निरुपण उन्होंने इस पर तो निलस लिए।

भी भाषानुसार शिक्षा : आयोजन नहोस, डिंकु बुंगी स्मारक के आलिमित के एक से यह बिग आकार है। इस पर पार्श्व हो गए नागरिक और आलिमित विवाहक नैया जी ने जनक में उत्तर-दक्षिण की बारी

भी जनन नाम : अत्याचार महोत्त, इसलिए अपने 1984 में हक्की दो टीमें ही आई थी। (मौर)

अभ्यास वर्तमान : अवस्थादर, दो तो हो तो ही हो गई है।

भी कारण सिख बलात : आयोजन नहोस, मैं मंगो जो है वह जनन पाहता कि परिषद के अन्दर कई नागरिकों के इस बात के उपर समझ नहीं कि पंचायत के कुछ नागरिकों में निलस लिए। इनके विवाह में कुछ ऐसी नागरिकंकियों हैं जो वस्त्रपीता नहीं जो समस्त व्यक्तियों से बनी थी और निरुपण उन्होंने इस पर तो निलस लिए।

भी भाषानुसार शिक्षा : आयोजन नहोस, डिंकु बुंगी स्मारक के आलिमित के एक से यह बिग आकार है। इस पर पार्श्व हो गए नागरिक और आलिमित विवाहक नैया जी ने जनक में उत्तर-दक्षिण की बारी

भी जनन नाम : अत्याचार महोत्त, इसलिए अपने 1984 में हक्की दो टीमें ही आई थी। (मौर)

अभ्यास वर्तमान : अवस्थादर, दो तो हो तो ही हो गई है।

भी कारण सिख बलात : आयोजन नहोस, मैं मंगो जो है वह जनन पाहता कि परिषद के अन्दर कई नागरिकों के इस बात के उपर समझ नहीं कि पंचायत के कुछ नागरिकों में निलस लिए। इनके विवाह में कुछ ऐसी नागरिकंकियों हैं जो वस्त्रपीता नहीं जो समस्त व्यक्तियों से बनी थी और निरुपण उन्होंने इस पर तो निलस लिए।

भी भाषानुसार शिक्षा : आयोजन नहोस, डिंकु बुंगी स्मारक के आलिमित के एक से यह बिग आकार है। इस पर पार्श्व हो गए नागरिक और आलिमित विवाहक नैया जी ने जनक में उत्तर-दक्षिण की बारी

भी जनन नाम : अत्याचार महोत्त, इसलिए अपने 1984 में हक्की दो टीमें ही आई थी। (मौर)

अभ्यास वर्तमान : अवस्थादर, दो तो हो तो ही हो गई है।

भी कारण सिख बलात : आयोजन नहोस, मैं मंगो जो है वह जनन पाहता कि परिषद के अन्दर कई नागरिकों के इस बात के उपर समझ नहीं कि पंचायत के कुछ नागरिकों में निलस लिए। इनके विवाह में कुछ ऐसी नागरिकंकियों हैं जो वस्त्रपीता नहीं जो समस्त व्यक्तियों से बनी थी और निरुपण उन्होंने इस पर तो निलस लिए।

भी भाषानुसार शिक्षा : आयोजन नहोस, डिंकु बुंगी स्मारक के आलिमित के एक से यह बिग आकार है। इस पर पार्श्व हो गए नागरिक और आलिमित विवाहक नैया जी ने जनक में उत्तर-दक्षिण की बारी

भी जनन नाम : अत्याचार महोत्त, इसलिए अपने 1984 में हक्की दो टीमें ही आई थी। (मौर)

अभ्यास वर्तमान : अवस्थादर, दो तो हो तो ही हो गई है।

भी कारण सिख बलात : आयोजन नहोस, मैं मंगो जो है वह जनन पाहता कि परिषद के अन्दर कई नागरिकों के इस बात के उपर समझ नहीं कि पंचायत के कुछ नागरिकों में निलस लिए। इनके विवाह में कुछ ऐसी नागरिकंकियों हैं जो वस्त्रपीता नहीं जो समस्त व्यक्तियों से बनी थी और निरुपण उन्होंने इस पर तो निलस लिए।
वी ओम प्रकाश सिद्धांत : अथवा मुहद्दस, यह वात ठीक है कि विद्यालय अपने छेत्र का उत्साह विद्यार्थियों में हार्दिक ज्ञान वाह के अपनी जागरूकता की चीज के लिए खुशरोश कर लाना है। आप सबको नहीं हाराम रहें हैं कि निकल सी बाज़ार में पुरुष सातियों के लिए विद्यालयों को भी राहत बिती है।

वी मनी या गोदाम : दुल्हन मजाक करने का फालता आआका पोलिसिकल फालता है।

निता मंदी (ब्रो. रियायत सिद्ध) : लोकसत्ता, में एक वात लेंगे पर उन्हें जानकारी दें। बांग्लादेश के लोकसत्ता का क्षेत्र यह कृपया बताए जा सकता है। यदि तीतक के लास्टर्स के दायरे में ही किसी दक्षिणी रूप से जाना गया है। उस पर हासि लेंगे उन्हें एक जाह जाने से जाना गया है। इसलिए जाने जाने यह काम नहीं है। आप सबको अपने नाम को लेकर जाते है। आपसे रियायत से लेकर पहुँची है। अलग-अलग जो तेल लगाए दुल्हन है उनकी चीज की रोज बात। उन दासी की दिल्ली है दुल्हन तान है। स्मृति सदह, अबसों बेबुझे चीजर मनोहर प्रमुख बीजाला जो ने 24 जुलाई को कुछ मंदी पहली शायद ही यह लागा है। उसके कारण के कुछ हो चक्कर है वहीं के कुछ समय की आपके के अन्दर था। उसमें एक ही पहले पहले प्रेम का एक नया देश नहीं रहे थे और इसके प्रेम में आपकी के दौरान उस प्रेमों की साथ जिन थी बस नहीं देखी था। यह लागा है।

वी मनी वर्मा बोधाय : आप तेल्ला इकाइयों को इसके संस्कार की अपेक्षा आपकी बातकी है। इसके लिए में आपकी बात लेता है। (विनेम)

ब्रो. समुद्र सिद्ध : अध्याय महोदय, इस हर बाल्य के अन्दर रियायत अधिक दे अधिक करने की दिशा पर हो। इनमें रेकल देश की शिक्षा में बहुत ज्ञान महत्त्वपूर्ण है। पहले 250 रुपये है जब देश के प्रेम देश के परिसर में विद्यार्थी की है। इस कर उन्हें के लिए एक नयी स्कूल बनायी है। उस तही हों हो उसे रेकल की भेंट पर आयोग आयोग। (ब्रो. अंतिम) आप सभी सीमा जी इकाइय विरोध कर रहे हैं आप ये कहा कि किस जो पुरुष मान की गई है आप उसके सफह में है वा चिल्लाए हैं?

असल में है।

वी अपबल : प्रसन है—
कि बीरगण नस्लभीकार (दिशान्वित संस्कार) धरकार पर तुरन्त विचार किया जायें।
प्रत्याद स्वीकार हुआ।

वी अध्याय : अथवा तदन्त विचार्य पर बलात्कार विस्तार किया।

बलात्कार 2

वी अध्याय : प्रसन है—
कि बलात्कार 2 दिन का पार्ट बना।
प्रत्याद स्वीकार हुआ।
क्लास 3
श्री अभ्यास : प्रविष्ट है—
वि क्लास 3 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव सीकूट हुआ।
क्लास 4
श्री अभ्यास : प्रविष्ट है—
वि क्लास 4 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव सीकूट हुआ।
क्लास 5
श्री अभ्यास : प्रविष्ट है—
वि क्लास 5 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव सीकूट हुआ।
क्लास 6
श्री अभ्यास : प्रविष्ट है—
वि क्लास 6 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव सीकूट हुआ।
क्लास 7
श्री अभ्यास : प्रविष्ट है—
वि क्लास 7 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव सीकूट हुआ।
क्लास 8
श्री अभ्यास : प्रविष्ट है—
वि क्लास 8 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव सीकूट हुआ।
क्लास 1
श्री अभ्यास : प्रविष्ट है—
वि क्लास 1 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव सीकूट हुआ।
इलेक्ट्रिक फार्मूला

भी अवस्था : प्रस्ता है—
कि इलेक्ट्रिक फार्मूला का इलेक्ट्रिक फार्मूला हो।
प्रस्ता स्थिर हुआ।

दाईटक

भी अवस्था : प्रस्ता है—
कि दाईटक कित का दाईटक हो।
प्रस्ता स्थिर हुआ।

भी अवस्था : उच्च, मंजी जो प्रस्ता करते कि विल पाया किया जाए।

भी अवस्था : रमु या अरुण आकाश नन्दी (श्री गीता राजेन्द्र) : रमुकार सर, इंग्रजी वाला कहा—
कि विल पाया किया जाए।

भी अवस्था : प्रस्ता प्रथम हुआ।
कि विल पाया किया जाए।

भी अवस्था : प्रस्ता है—
कि विल पाया किया जाए।
प्रस्ता स्थिर हुआ।

(3) दि इरिया भूतपूर्ण कालेब्रेक (टेकिन्ड अर्मेनियय) विन, 1999

भी अवस्था : माननीय बाल्यकारण, अब नगर एवं माननीय आकाश नन्दी हरिया नगर निगम (हिंदी में संपादक) विमेशक, 1999 प्रस्ता करते तथ्य विल पर विवाद करने के लिए माननीय बाल्यकारण प्रस्ताव किया।

भी अवस्था : माननीय बाल्यकारण नन्दी (श्री गीता राजेन्द्र) : माननीय अध्यक्ष महोदय, इंग्रजी हरिया नगर निगम (हिंदी में संपादक) विमेशक, 1999 प्रस्ताव करता हूँ। माननीय अध्यक्ष महोदय, इंग्रजी हरिया नगर निगम (हिंदी में संपादक) विमेशक पर हुकूमत विवाद किया जाए।

भी अवस्था : प्रस्ताव प्रथम हुआ—
कि हरिया नगर निगम (हिंदी में संपादक) विमेशक पर हुकूमत विवाद किया जाए।

भी भूमि सममित (पढ़दी, कशी) : अध्यक्ष भोपाल, निय ज्ञान हमारे हैं जो पीँचियों, हैं। अगर हमारे कारण वापस किया जाए कि यह माफ के लिए चाहिए कोई कि हमारे प्रभाव में और हमारे मंत्रियों में भी है, उस
[मीरा बनी राम कोटेल] नकाशा इसके द्वारा ही साधा यह बात भी कहते हैं कि इन्दिरा गांधी को आख़िरी दिन कारने के बाद जो माता होगा वह इस हिरासत से ला कर देंगे।

[मीरा बनी राम कोटेल] अयोध्या महोत्सव, वह उसकी जानकारी के लिए यह शिष्या चाहिए कि इन दोनों बातों में अपनी तरफ से पूरी कोशिश करिए। (सितारा)

[मीरा बनी राम कोटेल] अयोध्या महोत्सव, जब वे अपनी अन्यायाधीश नाम था और 68 करोड़ का जो पता होगा वह निर्माण गर्वनाम के लाभ कर दें।

[मीरा बनी राम कोटेल] अयोध्या महोत्सव, वह मेरी बात को उठाए । 3108 करवारों को नगराधिकारीय ने कर्म सर्व दें तो, ये अलग-अलग निर्देश दिये जायंगे। ये विषय उबाला में जायेंगे काफी तो नयाखाल के। इसके भी ये रिपोर्ट कर देंगे। (सितारा)

[मीरा बनी राम कोटेल] अयोध्या महोत्सव, मेरी बात को उठाए। यह एक भी पैसे के खर्च की बात हो, मैं यहाँ में से नहीं धंधा चाहता क्योंकि इस बारे में उलझन का खड़ा है? मैं यहीं गर्वनाम को बाहर भेजना हूँ। ये गर्वनाम नहीं हैं। (सितारा) जब तक जैतूनसेह की बात है, अगर बॉटर की तरफ ने पेसा आता है तो इन्हें बिक ऐसा नहीं है। (सितारा) इसलिए भी उपचार प्रमाणी छुट्टी।

[मीरा बनी राम कोटेल] प्रश्न है—

कि हिरासत नगर निमन (देशीय संबंध) विभाग द्वारा अनुपस्थित कर्मचारी नियुक्त किया जाये।

प्रश्न अभिलक्षित हुआ।

[मीरा बनी राम कोटेल] जब लड़ने कितना पर व्यतीत नहीं किया जाएगा।

[बलज-2]

[मीरा बनी राम कोटेल] वित्ताधीर (उच्चाधीर) : उपचार महोत्सव, मेरी अभिव्यक्ति है कि आप इससे तथ्यप्राप्त भी देखा देखी किया जाए। बलज-2 कल्पना तथा नगर वित्ताधीर ने कहा है कि इसका शुद्धिकृत होना है तो उस स्थान से बाहर करने का नीति होता है। उपचार महोत्सव, में तो बीमारी लाभ है निकल एक बात फूल शायद दुःखी है इसका महत्व को वह कि गला की राख करता है। बलज-2 भी आशुक कि या कितनी भी बाहर हो बाहर हो अपने गाँव का ऐसा बोगी जिसके एक रिकार्ड रिकार्ड गया हो तो कार्यालय को नहीं सिखाता। बलज-2 ने कहा कि एक रिकार्ड तो तथा निकले की तरह में 20 हजार का अनुमान है तो उसकी बुद्धि 400 हजार भी और एक बार में ऐसा निर्णय है जिसकी रीति 20 लघु समय में उसकी बुद्धि 400 हजार ही थी। (सितारा)

[मीरा बनी राम कोटेल] नगर अभियोग सरोकार मंडल (रीतिमान रेतिक) : दीदीजी साहब, अब दुःखी तो समय हो दुःखी है।

[मीरा बनी राम कोटेल] उपचार महोत्सव, इसके पता बात को लगा लेना चाहिए कि आप उठाये देने चाहिए। (सितारा) लोक एन्थोनी गर्वनाम का काफी है उसमें वह फिट नहीं है यह काम तो किसी पंजाबी को है देते तो दूखकर रहता। (सितारा) आप पंजाबी राज के लिए दिखा हो। लोक एन्थोनी गर्वनाम दुःखी पीछा है। (सितारा) मैं मुखर्मारी की केसर उभरा देखा है कि आपके पला ऐसा रिकार्ड था। (सितारा)
श्री कंती श्री गोविंदा: उपाध्याय मोहनजू, अगर वे इसकी बात को भने भने और मैं इसके यह कहने कि वे मोहन देवी के बाद के देवी भी एकद भजन करती हो। भाव आप ने हमारा है तो आप हमें बचाओ।

श्री श्रीं शिक्षा: उपाध्याय मोहनेश, अगर वे इसकी बात को भने भने और मैं इसके यह कहने कि वे मोहन देवी के बाद के देवी भी एकद भजन करती हो। भाव आप ने हमारा है तो आप हमें बचाओ।

श्री श्रीं शिक्षा: उपाध्याय मोहनेश, जो नाम प्रथम इसमें उक्त किया गया है। भाव उनके नाम विषय पर किसी की है। रिस्र द्वारा कहते हुए इसके बाद या कि पंत के बाद में उक्त किया गया। आप वे यह बताए कि अपने जी जो धाराओं की देवी यह वह गई।

श्री श्रीं शिक्षा: उपाध्याय मोहनेश, जो नाम प्रथम इसमें उक्त किया गया है। भाव उनके नाम विषय पर किसी की है। रिस्र द्वारा कहते हुए इसके बाद या कि पंत के बाद में उक्त किया गया। आप वे यह बताए कि अपने जी जो धाराओं की देवी यह वह गई।
[भी शीर्षक शिख्]

हुसैन का है। लेकिन आप यह बना कर सकते हैं कि केंद्र देश के हरेक को 1200 वर्चुअल राहुः का बैनल है। जब वे रस्ते में रख देते हैं तो यह बना कर सकते हैं कि एक बंद है। लेकिन इसके बावजूद कि एक बंद है। अगर आप इसे देखकर भांग लगा देंगे तो क्या है? इसके तत्व के एक बंद हैं जो है। उसे एक बंद करें।

[लिखित में]

व्यक्ति के जियोग्य अवसर हैं जो हैं। केंद्र देश के हरेक को 1200 वर्चुअल राहुः का बैनल है। जब वे रस्ते में रख देते हैं तो यह बना कर सकते हैं कि एक बंद है। लेकिन इसके बावजूद कि एक बंद है। अगर आप इसे देखकर भांग लगा देंगे तो क्या है?

[भी शीर्षक शिख्]

हुसैन का है। लेकिन आप यह बना कर सकते हैं कि केंद्र देश के हरेक को 1200 वर्चुअल राहुः का बैनल है। जब वे रस्ते में रख देते हैं तो यह बना कर सकते हैं कि एक बंद है। लेकिन इसके बावजूद कि एक बंद है। अगर आप इसे देखकर भांग लगा देंगे तो क्या है?

[लिखित में]

व्यक्ति के जियोग्य अवसर हैं जो हैं। केंद्र देश के हरेक को 1200 वर्चुअल राहुः का बैनल है। जब वे रस्ते में रख देते हैं तो यह बना कर सकते हैं कि एक बंद है। लेकिन इसके बावजूद कि एक बंद है। अगर आप इसे देखकर भांग लगा देंगे तो क्या है?

[भी शीर्षक शिख्]

हुसैन का है। लेकिन आप यह बना कर सकते हैं कि केंद्र देश के हरेक को 1200 वर्चुअल राहुः का बैनल है। जब वे रस्ते में रख देते हैं तो यह बना कर सकते हैं कि एक बंद है। लेकिन इसके बावजूद कि एक बंद है। अगर आप इसे देखकर भांग लगा देंगे तो क्या है?

[लिखित में]

व्यक्ति के जियोग्य अवसर हैं जो हैं। केंद्र देश के हरेक को 1200 वर्चुअल राहुः का बैनल है। जब वे रस्ते में रख देते हैं तो यह बना कर सकते हैं कि एक बंद है। लेकिन इसके बावजूद कि एक बंद है। अगर आप इसे देखकर भांग लगा देंगे तो क्या है?

[भी शीर्षक शिख्]

हुसैन का है। लेकिन आप यह बना कर सकते हैं कि केंद्र देश के हरेक को 1200 वर्चुअल राहुः का बैनल है। जब वे रस्ते में रख देते हैं तो यह बना कर सकते हैं कि एक बंद है। लेकिन इसके बावजूद कि एक बंद है। अगर आप इसे देखकर भांग लगा देंगे तो क्या है?
श्री बीरेंद्र सिंह : वे यातार मंडल के अध्यक्ष हैं। लेकिन यातार मंडल तो हमारी पार्टी नहीं है।

पीएम समस्ति शिख : अगर यह यातार मंडल के अध्यक्ष भी है तो वह भी आपकी पार्टी से ही जुड़ा हुआ है यह भी कहते हैं पार्टी ने जो एहसासपूज़ा किया है।

श्री बीरेंद्र सिंह : वह तो बंगाल राष्ट्रीय पार्टी की पार्टी से संबंधित है।

पीएम समस्ति शिख : अगर वह बंगाल राष्ट्रीय पार्टी की पार्टी से जुड़ा हुआ होता तो फिर ये उन पर लाइव ज्यादा भी बतायें। वह खाली होते ही संबंधित था नहीं। अगर यह होते तो वह हर 307 का विश्वास चौकी बनाते थे। इसलिए संबंधित तो वह आपकी पार्टी से ही है। पार्टी कोई बात नहीं। सर, इसके अलावा यह कंग्रेस में और लोगों की भी शामिल किया गया है। उन्होंने वेल्स ओफ विर्जिनिया अंडर इंडियन के जो ट्रेन करते हैं। उन्होंने इस कंग्रेस का एक-दूसरे किसी भी बड़ा मुहिम ही किया है।

विवरण आर्मीबैठक की इस कंग्रेस के पास चिठ्ठियाँ आई हैं। आपकी तरफ से नहीं कि आप पार्टी की इस वसी के ने आपकी तरफ से राष्ट्रीय पार्टी की भी एचपीएल नहीं आयी है। इस आपके इलाज करते हैं कि आप यह बात उस संगठन पर अपनी जान नहीं करते। कारण अपने तरफ एम्बुलेंस नहीं देती है। इस तरह हम उसे संभालने के पश्चात एम्बुलेंस का नाम नहीं लिखते हैं। इस तरह हम आपके इलाज करते हैं कि आप यह बात उस पर अपनी जान नहीं करते। कारण अपने तरफ एम्बुलेंस नहीं देती है।

श्री बीरेंद्र सिंह : यह कंग्रेस यह कंग्रेस यह कंग्रेस वह नहीं। आपने सेल्फ टेस्ट के अंतर्त खरीदार प्रणाली का बात नहीं करता है। लेकिन नगर ही साध्य एक तरफ से अपने यह कंग्रेस के बाद है। दूसरी तरफ उसकी इच्छा को रोकने के लिए उसकी चीजों को रोकने के लिए युद्ध, ही एक तरफ और दूसरी तरफ आपने काम की बात नहीं करता। कारण कंग्रेस के बाद है। वह कंग्रेस के बाद जीत जीत जीत कंग्रेस के बाद है। यह कंग्रेस यह कंग्रेस नहीं है। फिर ऐसे होता है कि एक लोग उस आप के तारा कोई सेल्फ नहीं लाए। जाता था।

पीएम समस्ति शिख : वह वर्ग से बाहर आए जीते हैं कि वह भी इस पार्टी से जुड़ा हुआ है। वे अपनी ही से जाता है। आईटीएस लिखती थीं।

पीएम समस्ति शिख : अगर नहीं होता तो लाइव होता।

पीएम समस्ति शिख : हम ऐडब्लू टेलीकोलीजी तैयार कर रहे हैं।

श्री बीरेंद्र सिंह : अपने कम्प्यूटर के चीज नहीं है।

पीएम समस्ति शिख : हम ऐडब्लू टेलीकोलीजी तैयार कर रहे हैं।
भी बिहुरंज सिंह : रेहनु का इस लोहे का धातु दान या अपने उसके दी होने के दानों में धातु हिया।

प्रो॰ सम्प्रदाय सिंह : हमें किसी को कोई जयी लोक नहीं देना चाहिए। ये तू इसके बारे में होगा। बिहुरंज सिंह ने यह तो यह बात उपनन्द दी होनी जो इन लोगों के दी होनी।

भी बिहुरंज सिंह : हरियाणा ग्राम की खाने अपने लोगों को बेच दी।

प्रो॰ सम्प्रदाय सिंह : यह तरीका आपके निम्न है। खान बनाना मशहूर चाहे नाम या बनानी, तो आपके निम्न है।

भी बिहुरंज सिंह : हमें कमी ये काम नहीं लिया।

भी मनी गांव किया : आप कहीं जिसे आओ, ज्ञान को शैल करने के बारे में तो हम वारे उसका यथार्थ किया।

भी मनी गांव किया : आप कहीं दाङ निम्न है अथवा शैल, निम्न निम्न कायम।

भी जीत महादेवा : आप कहीं नहीं, जीते किसी का जिसे नहीं है। बाहर गी को यान हो गया है। बहन गी, आपकी पत्नी का एक सत्तावर दान दानिए की यथार्थ करते हैं। यह नहीं पूरा लेने करते हैं तो विधा भेद लिया हो करते हैं।

भी रुपरेखा आदर : हमें जोलों में खान की लोक के गमन में यदि कोई गढ़वाल होती तो गुजर जावर इस बारे में चाहते होंगा। गढ़वाल दौरान जीवन देने वालों में होने लोगों में हो जाते हो जाते हो जाते हो जाते हो जाते हो जाते हो जाते हो जाते हो जाते हो जाते हो जाते हो जाते हो जाते हो जाते हो जाते हो जाते हो जाते हो जाते हो जाते हो जाते हो जाते हो जाते हो जाते हो।

भी जीत महादेवा : जब इन लोगों ने 1200 कोई रूपमें का जूता दिया था तब आप लोगों को यान चूक गया था। जुड़े इस सरकार को बुरे का उपार्थ प्रदान किया था और जुड़े तो यह अंदेशा है कि अब भी अपनीती ताकतों निर्माता कोई नया गुलाम दिखाना जा रही है।

प्रो॰ सम्प्रदाय सिंह : किसी प्रकार छात्र, अपनी बीमारी बीमारी सिंह और बहाना लातार देवी लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार लातार...
बीसी समस्त लिखित: आज यह बात रिकार्ड में देख सकते हैं कि उन 20 वित्तों के अन्तर 43 लीग दी गई थी। जिस समय आपनी पारी ने आईडी-000 में तदनुसार वापसी का लाल जो की सफार को अतिरिक्त का सिलेंडर लगाया था उन वित्तों ही थे 43 लीग दी गई थी।

भीमी का कार्रवाई देखिए: उपाध्यय बहुत, इसे बीची बंती लाल जो की सम्पूर्ण रिपोर्ट थी लेकिन कहने बंती लाल जो की कहने था कि आपका बीची-000 में ऐसा सम्पूर्ण नहीं है कि विवरण के लिए एक दिन आपका फ्लैट पढ़ा। यह वात हमने बंती लाल जो की सर्वश्रेष्ठ देखी है यह महसूल थी। अतः बाद बीची बंती लाल जो ने इस वात के लिए वाद में माफी भी मांगी थी। आप जो आपनी लाए रखकर आपकी बकरीयां और रिपोर्ट के विषयों की भावना करता है लाहू यह भी बीची-000 के साथ सम्पूर्ण राज था।

* * * * * * * * * * *

कितने विवरणों की जनता के बीच में वाचक सम्पूर्ण रूप से अपने साधनों को वाचते हैं इसके लिए इसके भी एक विवरण पढ़ना पड़ता। हमने बीची बंती लाल जो की किसी भी राजनीतिक राजनीति की निकटता। पर तो आपकी पारी ही है जो काफी कठिन रूप से जीता रहे थे। लेकिन उपाध्यय का अलग करते हैं।

भी कीम प्रकरण पीठात्: उपाध्यय गणेश, में बहुत कारक प्यारी जो की बताया चाहता कि हम जो भी निर्णय लेते हैं बहुत स्पष्ट होते हैं। तीसी काला में एक कंटेन जाती है कि पहले वात को तोहां कितने पूरे हैं ज्योदध। उत्तर: भारत भारत के साथ सम्पूर्ण निर्णय है और आप भी निर्णय। वह नहीं कि वह जो की तरह हिंदुका विषय पारी विषय पारी विषय पारी के प्रभाव समीक्षा करने वाले नहीं हैं। और उस निर्णय के निर्णय करते हैं। आपकी पारी की तरह अस्तरावरी सम्पूर्ण नहीं करते जो बाद में टल जाए।

भी समिति नागरिक भाषा: उपाध्यय गणेश, भी भारत सम्पूर्ण निर्णय है। कोई पारी की कारने की आवश्यक दुनिया की खोज है।

भी कीम प्रकरण पीठात्: उपाध्यय गणेश, संगठन और भारतीय जनता पारी के मामलों के बारे में हमारी पारी को पता है कि कितना भी है कि हमारी निर्णय को पता है।

भी उपाध्यय: बहुत कारक बंती जो की भी कठिन है कि हम विवरण निर्णय पड़ता है।

भी राष्ट्रवादी भाषा: उपाध्यय गणेश, भी भारत सम्पूर्ण निर्णय है। (क्लिया)

भी कीम प्रकरण पीठात्: उपाध्यय गणेश, आपने बोले के लिए संपूर्ण तो मूल निर्णय था और तो, राष्ट्रवादी समाज जों रहे हैं। भी जाति अपने जाति का यहुदा है। उनसे को चोट में ही आपने बोला था।

भी अम मुख्य बीशीत्: उपाध्यय गणेश, बीची बंती जो की उन्हीं निर्णय बोले थे जो इसी पारी के हिंदुका विषय पारी के साथ सम्पूर्ण था।

*केवर के अदेशानुसार रिकार्ड भी किया था।*
वेधितक स्पदीकरण

श्री राम विनायक समा

से रस्म विनायक समा बांधा

श्री मातमो शरण। हिंदी स्पीकर सर, नेता परमध अलमसेनेन्द्र हैं वे दोन हीरो नंदिन बंदर-बांध बी-जेपी-पी वी निम्ना कर रहे हैं। (ओर) हीरो नंदिन कोहरा पार्टी के बाद बन गए हैं। बन बनाने वालों कोहरा पार्टी की विनायक दल की बनेंगे हैं। ** **** *** पूरी करते हैं कि बी-जेपी-पी की विलयन प्रचार लोकसभा वे नहीं हमें हैं। ये घात अवधारणा करता रहे हैं। शाहीन शहवँ बौद्ध करते हैं कि आपका समर्थन नहीं हमें हैं। जनता नाव वह वह बाद तेजांग हैं। यह शरीर उनका परम है जहाँ इन्हें ईढ़ियम वीर लोकसभा के लड़के यथा शमिन्त्रा दीपिका या नहीं। जब यह कम ही उलझे दिलें देखते हैं। हमें पता रहता है कि हमें क्रम करता है। ** **** *** (ओर)

कैदन अन्य विषय बाण : ********

(इस देश कोहरा पार्टी के नामी लोग ने लगाया हुए बैठे में आ गए)

श्री आम्र प्रकाश आजाद : ये जनता जाता जाता है जाता है, बढ़े वर्षों करता है।

श्री आम्र नंदिन : उपयोक्ताओं नामक, राम बिलास शरण ने नौड़िया गाँव जी के बाद में जो चली गई है। उससे इस लड़ाई की महावीं भांग हुई है। इससे इस बाद में जो कुछ भी कहा है वह लड़ाई की आर्थिकीय निवेशित विवाद वे मिलते रहे हैं। (ओर एवं विवाद)

श्री आम्रम्ब : आम्र तो अपनी-अपनी सीटों पर बैठें।

श्री आम्र नंदिन : उपयोक्ताओं नामक, जो बाद जाय जो ने कही है उसे ये पायें। है। (ओर)

श्री आम्रम्ब : आम्र नंदिन ने पहले आपने ही निर्देश बिल्कुल अवधारणा करता जाता की। यह तो शर्य जी ने उनका जनक दिवाली है। (ओर एवं विवाद) वह अवधारणा को रोशनी तस्कर देता रहा। आप समी-अपनी अपनी सीटों पर जाकर आपकी बात कहें।

श्री आम्र प्रकाश आजाद : उपयोक्ताओं नामक, मैं बिलास के भाईयों से अनुरोध करता हूं कि वे अपनी-अपनी सीटों पर जाकर अपनी बात कहें। सदन की बैठे में बढ़े होकर न बैठें। आप वे सदन की बैठे में बढ़े होकर नाराज़ करों जो इससे सदन की नर्मिकता भंग होनी।

श्री आम्र नंदिन : उपयोक्ताओं नामक, हमें अपनी बात मान ली है और हम सभा अपनी-अपनी सीटों पर आ गये हैं। नेता आपने अनुरोध करता हूं कि राम बिलास शरण जी ने इस सदन वापस कह के निम्न लोक कहा है इसलिए वे अपने भाषण में उसे भी नामों। (ओर एवं विवाद)

श्री आम्रम्ब : परम देश वात कहते। आपने सदन का नव भाषण कर दिया है। शरीरक दिया की बात, जो कुछ भी आप बात कर रहे हैं वह देख रहे हैं। मैं आपके प्रारंभ में हैं। आप बिल के तरीके बात ही करें, इससे मुझे न उतारें। (ओर एवं विवाद) हैरान पार्टी की ओर से इतना भाषण जो कुछ कहा है वह रिकार्ड के सिद्धित बिना जाए।

"याद करे के आदेशात्मक रिकार्ड नहीं किया गया।"
विषयक कहाणा बेबी : उपाध्यक्ष महादेव, आपकी अधिकार है कि आप नेता कार्यालयी ने निकलता हुआ है। लेकिन मैं नहीं यह हैराणा की राजनीति के बारे में बाहर था।

मैं उपाध्यक्ष : यहां जी बाबा, यह पुनर्ज्ञात क्षण हो पड़ा है इसलिए आपने आप बोला है तो बिल के बारे में बोलो।

मैं नहीं यह हैराणा की राजनीति के बारे में बाहर था। वैसे दिनहरू संबंधित की बात करते हैं जबकि आप्त का इतना हालात नहीं करते। (शहीद एवं उपाध्यक्ष)

दिन हैराणा मुनि निलंबित नलसौर नरेश (सूरेश अरेकेंद्र) बिंत, 1999 (चुनावसम्म)

भी उपाध्यक्ष : पर्यंत बिल पर हो रही है, इसलिए बिल पर हो रहा तारीखी तहत। बाहर कहाना बेबी अब ने आप बातें की ज्ञात हो चुकी है और आप कभी उसी बात को सम्पन्न खींच रहे हैं। जलमार आप बेद जाएं। (शहीद)

मैं नहीं यह हैराणा की राजनीति के बारे में बाहर था। वैसे दिनहरू संबंधित की बात करते हैं जबकि आप्त का इतना हालात नहीं करते। (शहीद एवं उपाध्यक्ष)

भी उपाध्यक्ष : प्रथम है—

कि बजात 2 बिल का पार्ट बने।

प्रताप सीमित हुआ।

क्लास—3

भी उपाध्यक्ष : प्रथम है—

कि बजात 3 बिल का पार्ट बने।

प्रताप सीमित हुआ।

क्लास 4

वाक-अंडर

भी बीवीं सिंह : उपाध्यक्ष महादेव, मे यह स्थान के बारे में बाहर कहा गया है।

भी उपाध्यक्ष : राजा इस बिल पर पहले ही बाबी बोल चुके हैं। हालाँकि आप बेद जाएं। (शहीद)

भी बीवीं सिंह : उपाध्यक्ष महादेव, आप आप हमें बाहर कर दे तो मे एक ए प्रोटेस्ट स्तर से वाक-अंडर करता हूं।

(इस समय इंडियन प्रेमकाल दल के माननीय सदस्य भी बीवीं सिंह सदन ते वाक-अंडर कर गए।)

*शहीद के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।
दि हरियाणा मुनिसिपल कर्यालयान (स्थानिक अभियोजन) विलेच, 1999 (पुस्तकांक)
श्री युपाप्ति: प्रस्ताव है—
कि कसाल 4 भिल वा पांडे को।
प्रस्ताव संरक्षित हुआ।
कसाल—५
श्री युपाप्ति: प्रस्ताव है—
कि कसाल 5 भिल वा पांडे को।
प्रस्ताव संरक्षित हुआ।
कसाल—६
श्री युपाप्ति: प्रस्ताव है—
कि कसाल 6 भिल वा पांडे को।
प्रस्ताव संरक्षित हुआ।
कसाल—७
श्री युपाप्ति: प्रस्ताव है—
कि कसाल 7 भिल वा पांडे को।
प्रस्ताव संरक्षित हुआ।
इंस्ट्रक्टिव पार्श्वाल
श्री युपाप्ति: प्रस्ताव है—
कि इंस्ट्रक्टिव पार्श्वाल विल्व का इंस्ट्रक्टिव पार्श्वाल हो।
प्रस्ताव संरक्षित हुआ।
टाइटल
श्री युपाप्ति: प्रस्ताव है—
कि टाइटल विल्व का टाइटल हो।
प्रस्ताव संरक्षित हुआ।
श्री युपाप्ति: अब ताँत्र कै जी प्रस्ताव करी कि विल्व पाने किया जाए।
वस्त्र एवं प्राचीन आयोजना भंडार (श्री धीराज त्रिमुख) : उपाध्याय गोविंद, श्री प्रस्ताव करता है—
कि विल्व पाने किया जाए।
भी उपाध्याय : प्रस्ताव स्पष्ट हुआ—
कि विल पास किया जाए।
भी उपाध्याय : प्रस्ताव है—
कि विल पास किया जाए।
प्रस्ताव स्पष्ट हुआ।

(4) दर्शना तोकाकुक्त विल, 1999
भी उपाध्याय : अब मुख्य मंत्री दर्शना तोकाकुक्त विशेषाद, 1999 बयान दे और उस पर विचार करने के लिए प्रस्ताव स्पष्ट करें।
मुख्य मंत्री (भी जोन प्रमाण जीवन) : उपाध्याय गोविंद, भी दर्शना तोकाकुक्त विशेषाद, 1999 बयान दे। यह भी प्रस्ताव करें—
कि दर्शना तोकाकुक्त विशेषाद पर तुरंत विचार किया जाए।
भी उपाध्याय : प्रस्ताव स्पष्ट हुआ—
कि दर्शना तोकाकुक्त विशेषाद पर तुरंत विचार किया जाए।

विश बंडकी (सो गत सिंह) : बिस्तार लीखल सर, मैं इस बिल पर कुछ बाध्य चाहता हूं। इस बारे में मैं जी कहने जा रहा हूं उसके गुणसंक्षेप इस बिल पर विचारक बाई नहीं करती। मैं बाध्य चाहता हूं कि The Haryana Lokayukt Act, 1997 was repealed vide Haryana Ordinance No. 4 of 1999 (Haryana Lokayukt (Repeal) Ordinance, 1999), issued on 18-09-1999. The said Ordinance is under challenge, (At this stage Hon’ble Mr. Speaker occupied the Chair) Speaker Sir, I would like to draw your attention that the said Ordinance is under challenge before the Hon’ble Supreme Court of India in two writ petitions, one being Writ Petition (Civil) No. 438 of 1999, titled as “The District Bar Association, Faridabad Vs. State of Haryana and the other being Writ Petition (Civil) No. 442 of 1999, titled as Justice I.P. Vastash (Retd.) Vs. State of Haryana. Both these writ petitions came up for hearing on 15-10-1999 in the Hon’ble Supreme Court of India before Hon’ble Mr. Justice S.P. Bharucha and Hon’ble Mr. Justice Syed Shah Mohammed Quadri and the following order was passed:

"W.P. 438/99

Learned Attorney General states that in the forthcoming session of the Legislative Assembly of the State an Appropriation Bill to reintroduce the Lokayukt system is being introduced. Adjourned for six weeks.

W.P. 442/99

List after six weeks alongwith WP(C) No. 438/99."
सिफत रिख्योता | [16 नवंबर, 1999]

[प्रो॰ समपत सिंह]

आपने कहा कि श्री राम चौहान को अपने भविष्य का लक्ष्य रखने के बाद उन्होंने अपने लोक न्याय सेवकों को बढ़ावा दिया है। इसके बाद, उन्होंने अपने लोक न्याय सेवकों को बढ़ावा दिया है। ऐसा कहा जा सकता है कि श्री राम चौहान के अनुसार, उन्होंने अपने लोक न्याय सेवकों को बढ़ावा दिया है।

[प्रो॰ समपत सिंह]

आपने कहा कि श्री राम चौहान को अपने भविष्य का लक्ष्य रखने के बाद उन्होंने अपने लोक न्याय सेवकों को बढ़ावा दिया है। इसके बाद, उन्होंने अपने लोक न्याय सेवकों को बढ़ावा दिया है। ऐसा कहा जा सकता है कि श्री राम चौहान के अनुसार, उन्होंने अपने लोक न्याय सेवकों को बढ़ावा दिया है।

[प्रो॰ समपत सिंह]

आपने कहा कि श्री राम चौहान को अपने भविष्य का लक्ष्य रखने के बाद उन्होंने अपने लोक न्याय सेवकों को बढ़ावा दिया है। इसके बाद, उन्होंने अपने लोक न्याय सेवकों को बढ़ावा दिया है। ऐसा कहा जा सकता है कि श्री राम चौहान के अनुसार, उन्होंने अपने लोक न्याय सेवकों को बढ़ावा दिया है।

[प्रो॰ समपत सिंह]

आपने कहा कि श्री राम चौहान को अपने भविष्य का लक्ष्य रखने के बाद उन्होंने अपने लोक न्याय सेवकों को बढ़ावा दिया है। इसके बाद, उन्होंने अपने लोक न्याय सेवकों को बढ़ावा दिया है। ऐसा कहा जा सकता है कि श्री राम चौहान के अनुसार, उन्होंने अपने लोक न्याय सेवकों को बढ़ावा दिया है।

[प्रो॰ समपत सिंह]

आपने कहा कि श्री राम चौहान को अपने भविष्य का लक्ष्य रखने के बाद उन्होंने अपने लोक न्याय सेवकों को बढ़ावा दिया है। इसके बाद, उन्होंने अपने लोक न्याय सेवकों को बढ़ावा दिया है। ऐसा कहा जा सकता है कि श्री राम चौहान के अनुसार, उन्होंने अपने लोक न्याय सेवकों को बढ़ावा दिया है।

Prof. Sampat Singh: The learned Attorney General states that in the upcoming Session of the Legislative Assembly of the State, an appropriate Bill to reintroduce the Lokayukta system is being introduced. उन्होंने यह कहा है कि जो फर्स्ट वेयर अपने उम्मे यह बिल लेकर आये इसलिए हम यह बिल लेकर आये हैं।
भी मनी राम गोविंद : अवश्य महोदय, ये तो यह जानना भालता हूँ कि शक्ति के अन्दर जी बिल आता है उन पर चाहे होती या नहीं। जान भी बिल पूर्वसूत्र वानस्त्र के कहने पर लागे वा किसी के कहने पर साथें लेखते जो बिल यहाँ पर आयसा उन पर चाहे होती ही। केंद्र भी अगर्दीये इस जीवन की नहीं रोक बढ़ती, अनियत आपके! You are the authority because हाल हो आपको आदेश दिया है। You are the master to decide what to do or to see what is not to be done.

अब इस सजीले के अन्दर जाने हाल कुछ भी फैलना से यह आपको अधिकार है लेकिन आपके काम तौ ये कर रहे हैं जो इसको नहीं भागी पाए। यह काम तो आपके है जब आपका का मेघाण ये या नहीं लेखते ये केंद्र तक आते हैं।

भी आशा : गोविंद जी आपके और इसको कहने का पूरा अधिकार है लेकिन फैलना करना तो मेरा अधिकार है।

भी मनी राम गोविंद : ये लोग रूप के गुणावलम्बक कहे तो दीक है और रूप के भांत कहा, वह तीर्थ नही है।

भी आशा प्रभान वीदाश : गोविंद जी हाल में आपसे सलाह नहीं कि क्या पहले रुप के दुमावलम्बक क्यों है। आपके पैदे वीदाश साने केले हैं, इसका प्रश्न ? (भाषा)

भी ासन वीदाश : विनियम आपकी को बोलने के लिए 108 मिनटः बाल के सम्पा विवाद है। हाल और निर यह कि चूँकि को बोलने का सम्पा नहीं है, यह अक्षर बाल नही है।

भी मनी राम गोविंद : अवश्य महोदय, ये वाद में विनियम के वेदान्त बुद्ध है उनमें में कहने भान विवाद निर्माण विनियम जी की बात की थी। ये भी कुतुह तीर्थ हाल में बाल न करते हो अधिक नहीं हालता। लोकप्रेम की कारण कही है विवाद ने चला। (भाषा) हाल केंद्र को बोलने का राही है। विवाद कह रहे हैं कि जब विनियम सच्चाई के बाल वह लोकप्रेम विनियम पूरा है तो उस बाल हमें बोलने नहीं विवाद ने विवाद था और दाखल की गई है निकल विवाद है। (भाषा) अब ये उस बाल के विवाद में रखरखाव कोई बाल करते हैं वह इसके के लिए अधिक नहीं लगा। भी मनी राम गोविंद कहा है वह लोकप्रेम का बिन पहले बाल हो जाता है। अब यह विवाद वाले की आवश्यकता ही नही है। हो इससे हाल हो रही है कि जो बोल पहले ही पान हुआ है उनकी विनियम एक-एक साने में कोई अवकाटा जाता की जा सकती है। यह तो आवश्यक जी का सम्बन्ध है और इसमें कुतुह बाल नही है। इसमें कुतुह भाव नही है जो बुद्ध की बाल करने वाले के अनुभव हो। उनके विवाद के अन्दर इस लोकप्रेम कितने के सालें में कुतुह को कार्य न करके एक ऐसी भावना पैदा की जा सकती है नहीं पूरा नभावण ह न निम्न किताब लिखते केवल आह इस भावण है विवाद वह अधिक बाल नही है। इसके अवकाटा और कोई बाल नही है। यह तो एक अवकाटा भी है ज्ञात नही है, नाम की और उद्देश्य को जास्त नही है। आप आप कुतुह बाल चाहते ये तो उनके बाल में अवकाटा योगदान त या सकती है। इस विनियम में सच्ची साती बाल है, इससे नया बाल है। जो ये कहे ये कि आपको गवर्मिंट निर्माण कि विनियम गवर्मिंट का और सारे फास्ट बाल करने बाली है।

सात गवर्मिंट बाल की निर्माण विनियम। (भाषा) ये तो कुतुह ना बोलते योगदान वह होता नही मर्मतो की ये बाल नही बोलते क्यों कि ये विनियम नाम नही बोलते। उसका विनियम, पूरा एक बाल हाल आ गई। सुदेश अपनी पारी में बोला रहा था, उनने कहा कि गवर्मिंट ने यह किया और गवर्मिंट ने कह किया, गवर्मिंट ने इतने आदेश मर्मते, गवर्मिंट ने
[ओ नभी नभी गोदाल]}
हालांकि, इसमें दोहरी को मत्त नियुक्ति में पोषण के एक रूपका आई, आप उस बारे कहां थे। उन्होंने बकरी बोली वुल्ली यात्रा में, वह बस्तियों वाता बुबु कर गया। उन्होंने बकरी बोली वाली वाता या वह कब उल्लंघन करता है कि वह इसरोल नहीं हूँ जैसा कि आप नहीं बोले। इस मामले के अन्दर एक क्यों वीनी बत्ता है। जो चाहता तथा चीज़-चीज़़ों में नशा करना चाहता है कि वह फ्राउड की वाता नहीं है जो निर्मला को एक ऐसी कम्पनी किया का निर्देश नहीं थी। अगर इसके ठीक ठीक तथा वही पौधे दिखाई दिए या जो आपने रखा है उन्होंने देखा हुआ कुरान अब्जुदा है। इसकी उस टूट या जो उसे एकलेन्क कर रहे थे बुबु का आरोपण नहीं है।

अगर इसके ठीक ठीक तथा वही पौधे दिखाई दिए या जो आपने रखा है उन्होंने देखा हुआ कुरान अब्जुदा है। इसकी उस टूट या जो उसे एकलेन्क कर रहे थे बुबु का आरोपण नहीं है।

अगर इसके ठीक ठीक तथा वही पौधे दिखाई दिए या जो आपने रखा है उन्होंने देखा हुआ कुरान अब्जुदा है। इसकी उस टूट या जो उसे एकलेन्क कर रहे थे बुबु का आरोपण नहीं है।

अगर इसके ठीक ठीक तथा वही पौधे दिखाई दिए या जो आपने रखा है उन्होंने देखा हुआ कुरान अब्जुदा है। इसकी उस टूट या जो उसे एकलेन्क कर रहे थे बुबु का आरोपण नहीं है।

अगर इसके ठीक ठीक तथा वही पौधे दिखाई दिए या जो आपने रखा है उन्होंने देखा हुआ कुरान अब्जुदा है। इसकी उस टूट या जो उसे एकलेन्क कर रहे थे बुबु का आरोपण नहीं है।

अगर इसके ठीक ठीक तथा वही पौधे दिखाई दिए या जो आपने रखा है उन्होंने देखा हुआ कुरान अब्जुदा है। इसकी उस टूट या जो उसे एकलेन्क कर रहे थे बुबु का आरोपण नहीं है।

अगर इसके ठीक ठीक तथा वही पौधे दिखाई दिए या जो आपने रखा है उन्होंने देखा हुआ कुरान अब्जुदा है। इसकी उस टूट या जो उसे एकलेन्क कर रहे थे बुबु का आरोपण नहीं है।

अगर इसके ठीक ठीक तथा वही पौधे दिखाई दिए या जो आपने रखा है उन्होंने देखा हुआ कुरान अब्जुदा है। इसकी उस टूट या जो उसे एकलेन्क कर रहे थे बुबु का आरोपण नहीं है।
जन सकते हैं। उन्हें आत्मसंवेदन हेतु और वें तीन-एक समय से या कठोर अनुप्रयोग का रुप में प्रदान किया जा सकता है। आप लोकसभा की यह इतनी बड़ी पेशेवरता के लिए, इस तरह का यह भेजना और इसलिए करना है कि यह प्राप्ति के माध्यम से लोकसभा सत्यपूर्वक चीफ मिनिस्टर को, निवेदन करे और जब यह चीफ मिनिस्टर के प्रमुख समय के साथ विवादित करता है तो उसके मामले की वजह में है कि यह आपको लोकतंत्र का या व वर्तमान और आप अपना सरकार की विवादित के निम्नलिखित दृष्टिकोण होगी और आपके लिए चीफ मिनिस्टर से बातचीत लेनी पड़ेगी। गुरु नेता जी आप तो बहुत इस्तेमाल पाने आपके हैं। आप तो केंद्र से सहारा नहीं सकते। यथा पता आपका पढ़ाई ज़िम्मे दी वस्त्र आ आए। विर चीफ मिनिस्टर व्यक्ति करें। यह जो आपको प्रत्येक के विवादित दृष्टिकोण पर परामर्शार्थी करने के लिए मांग की लेखन करने की चीफ-मिनिस्टर की अध्यक्षिकी है जिसको एसीसीसी नहीं मानता।

"3(1) For the purpose of conducting investigations in accordance with the provisions of this Act, the Governor shall, by warrant under his seal, appoint a person to be known as the Lokpal."

अग्नि प्रमाण 1 में लिखा है—

"Provided that the Lokpal shall be appointed on the advice of the Chief Minister who shall consult the Speaker of the Haryana Legislative Assembly, and the Chief Justice of India in the case of appointment of a person who is or has been a Judge of the Supreme Court or Chief Justice of High Court, and Chief Justice of High Court in case of appointment of a person who is or has been a Judge of a High Court."

उगर उपप्रभाव असंयोगी भी कोई तो पुराने लोकसभा ऐसे में यह है कि लोकतंत्र, स्वतंत्र अंक दी अभेड़ीत्व और चीफ मिनिस्टर से आपके दृष्टिकोण के माध्यम से चीफ मिनिस्टर उसकी अनुमति करने के लिए नम में। इस पर के लिए यह चिकित्सा की सहायता देकर चीफ मिनिस्टर उसकी अनुमति करने के लिए नम ने देखा किया जा रहा है। that was much more appropriate even not more appropriate but that was right thing. इस मामले में लोकसभा की एक तहत लेखन तो असंयोगी थी लेकिन अब इसके विरुद्ध इसकी यह कहा है—

"Provided further that the result of consultation shall have persuasive value but not binding on the Chief Minister."

हो जाता है कि मैं यह पुरी करते वक्त आपकी तरह से समस्या न रखते लेकिन पुराने ऐसे में यह है कि चीफ मिनिस्टर, हीटर, लीक और डी जागरूकता एवं चीफ स्वतंत्र अंक समिति की तरह लेखन लोकसभा की असंयोगी करने के लिए नम में। लेकिन अगर आप जो किला रहे हैं उसके
श्री नरेन्द्र राम गोदावरी

प्रेमचंद्र 2 के सुरुवातिक चीफ मिनिस्टर उनकी भाषात्सर्व से ऐसी रूप न करने के लिए उन पर भोगी आदेश नहीं है। यह चीफ मिनिस्टर ऐसी नहीं करता तो यह यथार्थता, तीन ओडियो तथा अलेक्जेन्डर तथा सुधीर कोई के चीफ अधिकारी योगी के तीनों महाराज के बिस्मिल्लाह की योगी जो इस पर होते हैं लोगों के लिए यह अपनी सरकार दे उनकी ज्योति दिखा नहीं है। यदि चीफ मिनिस्टर ऐसी नहीं करता तो उनकी अवलोकन एवं लोकसत्ता समझदारी ही हो सकती।

मंत्री का न्याय यह है कि टीका है भोगी किये आदेश को पार्टी करता यह नहीं कार्य करता है तो ज्योति से नहीं दिखा दे जाता है कि आदेश से ही अपने शास्त्र से होने की जब्तिया न करें। अपने बाद है कि हम यह ज्योति दानी देना चाहते है। यह आपकी वजह है कि हम इसके लिए तत्काल से लागू करते हैं। इसमें कोई दृढ़ निर्णय भी नहीं है। इसी तरह होते हैं यदि यह इसके 1947 के लागू कर दे और यदि 1947 के लिए किया जा सके है कि इसकी नियम यह है कि यह हमारे लिए नहीं है। भीषण चीफ के लिए सच्चाई वतनशील तथा उन्मूलनी शोध के लिए देंगे वे ऐसा लागू कर देंगे। हम कहते हैं कि इसके लिए नहीं है। लेकिन इस मनुष्य देंगे अपने रखे हैं उसे दो माहों के लिए यह विविधता संग्रह में पहुंचा, देखें या सुनें तो यह महसूल करता कि यह एक अहं रूप से जोड़ी देश की तरफ पढ़ाई नहीं है। चीफ मिनिस्टर के लिए सच्चाई वतनशील तथा उन्मूलनी शीर्ष पर इसके लिए देंगे वे ऐसा लागू कर देंगे। हम कहते हैं कि इसके लिए नहीं है।

श्री सुप्रिय आदेश (उद्धृत) : तीन वर्ष, पहले लोकसत्ता आदेश दिया गया। उसके बाद वे ध्यान किया गया। इसके लिए सेटटॉप और आवश्यक एवं रैंडन में वो ध्यान ऐसी नहीं है कि इसके पार नहीं करता है उसे जो कितना अवश्य नसले हैं। इसके लिए यह ऐसा नहीं है कि इसमें लेन-देन देने के लिए यह ज्योति देने का अधिकार नहीं है।

“Competent authority” in relation to a complaint against a public servant was Governor.
Lokpal is competent to inquire into the deeds or misdeeds, whatever they may be. The Lokpal's role is crucial to ensure that the powers held by public officials are used in the best interests of the society. The Lokpal is appointed by the President of India, on the recommendation of the Selection Committee appointed by the Prime Minister of India. The Lokpal's role is to ensure the accountability and transparency in the governance of the country.

The Lokpal Act, 1971, established the post of the Lokpal to ensure the accountability of the Government of India. The Lokpal is responsible for ensuring that the Government officials are held accountable for their actions. The Lokpal's role is crucial to ensure that the powers held by public officials are used in the best interests of the society. The Lokpal is appointed by the President of India, on the recommendation of the Selection Committee appointed by the Prime Minister of India. The Lokpal's role is to ensure the accountability and transparency in the governance of the country.

The Lokpal Act, 1971, established the post of the Lokpal to ensure the accountability of the Government of India. The Lokpal is responsible for ensuring that the Government officials are held accountable for their actions. The Lokpal's role is crucial to ensure that the powers held by public officials are used in the best interests of the society. The Lokpal is appointed by the President of India, on the recommendation of the Selection Committee appointed by the Prime Minister of India. The Lokpal's role is to ensure the accountability and transparency in the governance of the country.

The Lokpal is responsible for ensuring that the Government officials are held accountable for their actions. The Lokpal's role is crucial to ensure that the powers held by public officials are used in the best interests of the society. The Lokpal is appointed by the President of India, on the recommendation of the Selection Committee appointed by the Prime Minister of India. The Lokpal's role is to ensure the accountability and transparency in the governance of the country.

The Lokpal Act, 1971, established the post of the Lokpal to ensure the accountability of the Government of India. The Lokpal is responsible for ensuring that the Government officials are held accountable for their actions. The Lokpal's role is crucial to ensure that the powers held by public officials are used in the best interests of the society. The Lokpal is appointed by the President of India, on the recommendation of the Selection Committee appointed by the Prime Minister of India. The Lokpal's role is to ensure the accountability and transparency in the governance of the country.

The Lokpal is responsible for ensuring that the Government officials are held accountable for their actions. The Lokpal's role is crucial to ensure that the powers held by public officials are used in the best interests of the society. The Lokpal is appointed by the President of India, on the recommendation of the Selection Committee appointed by the Prime Minister of India. The Lokpal's role is to ensure the accountability and transparency in the governance of the country.
removing the competent authority altogether from the Act itself. If this be the case, the whole of the Act would be declared void, and the scheme would fall as a result. This would be a defeat of the purpose of the Act.

The necessity of this institution of Lokayukt was realised by the State of Haryana and the Haryana Lokayukt Act, 1997 was passed. However, this act was found wanting to fulfil the purpose for which it was enacted." (J)J(J(JJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJJQ
कोई ग्रामीण आपि से तो शीघ्रता सहाय्य कर देंगे यह विधान समिति सदस्य को इंकीयोग के लिए न पूर्वी आए तो उन्हें इंकीयोग का महत्व से लाभ हो नजारा। यहां महान सेवा, नेता आपके महत्व में मुख्य नजदीकों से निवेदन है कि वे पांडी पैलेटिस्टिक ने कार्य उठाया महान नीति। ये संघ वहां पहुंच आना इंकीयोग की ही उन्होंने इस मामला से न से कि वे विभिन्न सत्ताएँ का नियंत्रण था। ऐसी अद्यावधि 6 यह एक सीमा नहीं है। तीसरा स्तर, यह आपके पास से मुख्य नजदीकों में का कार्य गुरुद्वारा से एक बार पूरा वितरण करते हैं कि पांडी पैलेटिस्टिक से कार्य उठाया, निजी इंकोर्निस्टिक से कार्य उठाया, गुरुद्वारा से कार्य उठाया इस मामला के लिए की देखके हुए यह बिक्री में जो 3-4 अश्रुर है अन्य कर दिर वे बिक्री करते हैं। ऐसा आपकी स्थिति इस तरह आये तो जान को बिक्री की पात्र बने अपने वाणि गीतों में इससे सत्य सारा आए करने वाले भिक्षु के लिए सत्य को पक्ष भरी करती है। आयुध महोदय, इसह अवसर में आपका ढंगयार करता हूँ।

भी स्वादिश सिंह मुकुटदास (सरकार) : स्वामी सर, लोककाल का जो इंकीयोग पाठ इसकी शासन पूरे होते में विवेचना से भारतवर्ष में मुख्य रूप से दो बातों को लेकर की गई है। एक तो यह कि लोककाल निर्देशक हो, निर्देश ले और स्वतंत्र हो। ऐसा होना किशोरी भी लोककाल निर्देशक के लिए, आमने-सामने के लिए उनका महत्त्व आचार है। दूसरा लोककाल के द्वारा उद्योगों को श्रेष्ठता करने की आवश्यकता भी कि आदिमान के दृष्टिकोण में वे वही प्रतिकृति की लोककाल द्वारा नहीं नंदा तथा स्वभाव है। स्वामी सर, गौहुडा सत्याग्रह जो लोककाल बिश आये देखा दिखा है उनको में और में कोई पाटी के साक्षी देखाए हैं तो एक बार यह आता है कि विशिष्ट विषयों तो शर्तव जेली लोककाल सन्तरे के लिए 1997 में लोककाल बिश लेकर आये और श्रीकुमार सत्याग्रह जो लोककाल बिश लेकर आये यह मुख्य नजदीक नहीं है। स्वामी सर, मैं आपके विषय में मुख्य पांडी जो कि और इस वास्तव के अध्याय में कुछ ऐसी बात लाना दाएँ, विशेष रूप से कता है कि यह बिक्री किसे तरह होल मुख्य संगठन पर आवश्यक रहे। इस बाते में मैं एक विशेष विषय पांडी भी लेकर हूँ कि इस बिल के अंतर्गत 2 की जन वाद की में मुख्य बिल्डर स्वभाव हैं कि वे वहीं को सत्याग्रह हर किसी के निर्देशक कार्य करते हैं। यह मुख्य नजदीक के निर्देशक वायुविद्या करने अधिकार गवर्नर की गोपने हो।

इसका सत्याग्रह यह है कि वेदी भी दूसरे प्रथम निर्देशक के निर्देशन की अधिकार हो उद्योग इंकीयोग करने के लिए कंपनी कार्यालय मुख्य बंद होगा। विश्वास, जों कंपनी कार्यालय का क्षमा प्रदान है। यह में चतुर्स्तात है। जब लोककाल वह बिल की संगठन 18 के तहत आपने किशोरी के किराये रुपण पुरुष है तो यह लोककाल के मामले में पांडी फल्टिस्टिक कंपनी आरोपित के पाश पैरेश, यही मुख्य नजदीकों जो के यह भेजाया कि उसके निर्देशन कार्य करते हैं या नहीं। इस बात यह आधार क्षेत्र इस बिल की संगठन 18 के केंद्र-क्षेत्र-1 और तह काल (भी) के अंदर जिन्हें गला गद्दी हटे में आपका आध्यात्मिक कार्य चाहिए है।

It says:—

"18. (1) If, after inquiry in respect of a complaint, the Lokayukta is satisfied—

(b) that all or any of the allegations or grievances have or has been substantiated either wholly or partly, be shall, by report in writing, communicate his findings, appropriate recommendations and suggestions to the competent authority and intimate the complainant and the public servant concerned about his having made the report."
श्री रामदीप सिंह सुमसेन

स्वामी सर, आप ऐसा ही है तो पुलिस कार्य करते ही गृहान्त्र में ग़लती के पास है। किसी किसी स्कैप आपसी की नियुक्ति करने की यथा आवश्यकता है। स्वामी सर, इसी तरह से इस काला की बात 19 का आलां 2 में लोकसभा को इंगित करने का सबको अधिकार है परंतु उसे हादस्हेष वो तरह पार्थ है तब गृह गृहान्त्र जो तरीके पर डिकार्डर कर रहे थे, इनके प्रश्न में से बहुत से लोगों के लिए इस का प्रभावी लोकसभा को यह अधिकार जयसी नियम था कि अपने वियस के सबकी कर देखे। यह अधिकार भी नियुक्ति लुकार ने अपने पास ही रखा लिया। इसके लिए स्वामी सर, आपका व्याख्या इस किल तालाब 8(1) की तरफ आवश्यकता कराया जाता यह अंतिम इन्क ने अपने ही सबकी कर देखे।

“8. (1) Subject to the provisions of this Act, the Lokayukta may on receipt of a reference from Government proceed to inquire into the allegations or the grievances made against a public servant.

स्वामी सर, जब तक सरकार यह नहीं बढ़ाई जो किसी के खिलाफ कार्यांक करनी है तब तक कार्यांक नहीं है। (और एवं अधिकार) स्वामी सर, इसी तरह से मे आपका व्याख्या इसका तरफ भी ठिकाना बाहर कि लोकसभा किंतु बात की जानकारी कर देंगा और बिठाए नहीं। इस बात का अधिकार भी हादस्कर ने अपने पास ही रखा है। सर, मैं आपका व्याख्या इस किल का लोकां 13 की ओर ठिकाना बाहर का।

लोकां 13 का सब अधिकार भी हादस्कर को ही दिया कि जो कर्मी कार्यांक लोकसभा को ठिकाना बाहर, विख्यात देंगे और जो वियस में न आये उस कार्य कर नहीं हिजार्डार विध इसका मानना तो है कि वे जाने नहीं कर की। इस तरह में आपका व्याख्या आवश्यकता करने के लिए कला 13 का प्रेमावर फ़हराड़ा हूँ निम्न किया है कि—

“Provided that the State Government may withhold the production of any record or document relating to the affairs of the State on grounds of security or in public interest…”

सर, यहाँ मैं र्या है एक सबक पुलिस बाहर जिकर इसकी कार्यांक या फ़हराड़ा लोकसभा की ठिकाना में आपसी है जिससे उन्होंने बोहे कि लोकसभा उनकी जानकारी तथा सरकार का आदेश कर देने कि जिनमें में वह कार्य लोकसभा को नहीं हिजार्डार और लोकसभा का वह कारण मानता ना मानता भी हादस्कर के साथ में है। इसके तो लोकसभा गृहान्त्र में पर सरकार के हाल का कयालूण करका जानेगा। सर, इसका कारण ने लोकां-14(1) में नहीं इस बात का आवश्यकता लोकसभा की दिखाया कि वह बिध की पीड़ित परत्स्त या दूसरे व्यक्ति की तलाश के लिए देखकर तो ने सुलझा है वह तरह का आपका उपरोक्त दीर्घ है यद्योग्यता कला 14(1) के अन्तर्गत नीवारों में यह लिखा दिया है कि—

“Provided that no person, without the prior permission of the appropriate Government shall be required or authorised by virtue of the provisions contained in this Act to furnish any such information or answer any such question or produce so much of
any document as might involve the disclosure of any information or production of any documents which is punishable under the provisions of the Official Secrets Act, 1923.

Provided further that the result of consultation shall have persuasive value but not binding on the Chief Minister.

The Lokayukta may appoint in consultation with the State Government, such officers and staff as he may consider appropriate for the discharge of functions under this Act.
For every step, that he has to take, he has to consult the State Government. Then, he is virtually a department of the State Government.

This clause is in Section 2 of the Act:

"The categories of officers and staff who may be appointed under Sub-section (1) above and their conditions of service shall be such as may be prescribed in consultation with the Lokayukta."

21 "Without prejudice to the provisions of sub-section (1) of section 20, the Lokayukta may, in consultation with the State Government, for the purpose of conducting any inquiry or investigation under this Act, utilize the services of any officer or investigating agency of the State Government, or for reasons to be recorded in writing, of any other person or agency."

This section indicates that the Lokayukta is to consult the State Government for the appointment of officers and staff under Section 2 of the Act. It also allows the Lokayukta to utilize the services of officers or investigating agencies of the State Government or other persons or agencies for conducting inquiries or investigations under the Act, with reasons to be recorded in writing.
लोगों के घर पर जा कर उन्हें हरीहर पेंग दीया है तो वह किस प्रकार का स्वाभाविक, समुद्री, तिलिकी और नीरों लोकप्रिय होता?

अन्यथा यदि, मैं आपके नेतृत्व में यह बात लाएँ तो कि कहने कोई नहीं था कि मुख्य बंधी ने यह बात सुना था या कि उन्होंने लोकप्रिय का संबंध 1966 में कर दिया है। लेकिन पिछले लोकप्रिय ने 20 साल तक यह कही नहीं थी। चौथी बंधी ने उसने साह्य में जो विलास ला कर उसे के कर्म के बाद के सात सालों के लिए लोकप्रिय ने इसे करने लगा था कि लोकप्रिय का यह कहना है कि समकालीन उसमें यह गूँगे रहे कि 1966 के बाद आप उसके पास रही थे जो बात थी जो वह नहीं बताया। यह बात थी। अतः यथा यह था, एक बात कहना यादगार कि कम को कीमें इसमें स्निफ्फिंग का स्वाभाविक बनाना कर रहे हैं इसे अलग लेना कि समकालीन यह स्वाभाविक शैली कर सकता है कोई कहीं नहीं है। यह बात थी।

अन्यथा, यदि इस बिल की बायां 27 के शुद्धधार लोकप्रिय ने किस प्रकार करने के लिए जो अस्ति उन्हें की तो वह दिन उसने यह साह्य ने लिखा था। यदि सहायक ही उसके साथ वापसी और साह्य है। इस पर कहने तो फिर लोकप्रिय का स्वाभाविक बनाना है या स्वाभाविक जाने कारण है, लोकप्रिय के प्रभावी लोकप्रिय के प्रभाव होंगे। इस के संबंध नहीं है, लोकप्रिय के प्रभावी कहने के प्रभाव होंगे। इस के कहने के प्रभाव होंगे। इस के कहने के प्रभाव होंगे।

लोकप्रिय का प्रभावी कहने के लिए जो अस्ति बनाने की तो समकालीन ने अपने पास रहे हैं यह नहीं बताया। रहने चाहिए रहने चाहिए लोकप्रिय का स्वाभाविक बनाने देने चाहिए। दूसरा निपटने है कि लोकप्रिय का बिल की जाने करने के लिए फैल जान पर साह्य है। इसे अधी निपटने हैं लोकप्रिय कारण कहने वाला। इसे अधी निपटने हैं लोकप्रिय कारण कहने वाला। इसे अधी निपटने हैं लोकप्रिय कारण कहने वाला।

सिसो कानेपा से जो जुड़े आए उसके आपस में यह पूरा बल था। अतः यह न फिर अनुभव करता हूँ कि इस बिल को पात्र न कर सकते हैं।

मुख्य बंधी (श्री जीत बाबा नौभाला) : अन्यथा यदि, जो लोकप्रिय बिल शर्म को समरे से कराया था। इस पर दोई राम ध्वनि में अपने निचय कर दिए हैं। यदि जो बारे में और नीरों लोकप्रिय का स्वाभाविक बनाने की यह आवश्यकता नहीं है। इस पर दोई राम ध्वनि में अपने निचय कर दिए हैं। यदि जो बारे में और नीरों लोकप्रिय का स्वाभाविक बनाने की यह आवश्यकता नहीं है।
[भी ओम प्रकाश चीतलाल]

तो ये कहेरे पत्री के माला नेता विनती वल्ल रहे हैं। अब इन्हीं उप नेता कार्तिक जगत कम कर रहे हैं। परंतु तो ये बोध नाम के ही काम कर रहे हैं। ये कहने का मतलब यह है कि 18 तारीख के जन्म कल जी ने वहाँ भावहार उठाया तो उसके भी 18 तारीख को ज्ञात है कि निर्णय कर दिया गया। निर्णय भारी सार्वजनिक नोटिस की अवधारणा के बिगड़ आवाज उठाई तो उन्होंने भी यहाँ 18-3-97 की मान्यता नियमित बना दिया। उनकी चीतलाल ने लेखा उठाता नामी। जस्म नायां, उसके बाद 20 तारीख को विल पत्र भेज दिया जब अपने विद्वानों के साथ आजकल तभी था। निर्णय तो उसे भी किसी दिन नायां उसके पत्रों के लिए निकाला था। तैर लहरी वे बाहर दिया गया दें उसके प्रति विनती निर्णय का विल पत्र किया गया, बड़े पत्रांतर से पृथ्वी की धरातली जी ने उनकी गरीबी देखी है उसके पत्रों के लिए निकाला था। ताकि वे कहते हैं कि केवल पूरे को हो जाता और काफी काफी पत्र में कोई भी आए। यह यह लोकप्रकृति विवेचनाय इसी किस लोकप्रकृति में अर्थ प्रकार का यह लोकप्रकृति अपने खेल में बहुत समय लग गया, यही लोकार्थ है कि यह पत्र निकाला फिर भी किसी भी को लोकप्रकृति समय-समय पर प्रकाश निर्णय पत्र आने तथा हिंदू-नामक के मुख्य नामकारी को निर्माण वे शिक्षा तथा पत्रि के बाहर जाना देने का उपचार, ऊतक प्रकाश उद्योग मुख्य नामकारी को मिलने वाले लेखन तथा पत्रि के बाहर जाना देने का उपचार, ऊतक प्रकाश उद्योग मुख्य नामकारी को मिलने वाले लेखन तथा पत्रि के बाहर जाना देने का उपचार, ऊतक प्रकाश उद्योग मुख्य नामकारी को मिलने वाले लेखन तथा पत्रि के बाहर जाना देने का उपचार, ऊतक प्रकाश उद्योग मुख्य नामकारी को मिलने वाले लेखन तथा पत्रि के बाहर जाना देने का उपचार, ऊतक प्रकाश उद्योग मुख्य नामकारी को मिलने वाले लेखन तथा पत्रि के बाहर जाना देने का उपचार, ऊतक प्रकाश उद्योग मुख्य नामकारी को मिलने वाले लेखन तथा पत्रि के बाहर जाना देने का उपचार, ऊतक प्रकाश उद्योग मुख्य नामकारी को मिलने वाले लेखन तथा पत्रि के बाहर जाना देने का उपचार, ऊतक प्रकाश उद्योग मुख्य नामकारी को मिलने वाले लेखन तथा पत्रि के बाहर जाना देने का उपचार, ऊतक प्रकाश उद्योग मुख्य नामकारी को मिलने वाले लेखन तथा पत्रि के बाहर जाना देने का उपचार, ऊतक प्रकाश उद्योग मुख्य नामकारी को मिलने वाले लेखन तथा पत्रि के बाहर जाना देने का उपचार, ऊतक प्रकाश उद्योग मुख्य नामकारी को मिलने वाले लेखन तथा पत्रि के बाहर जाना देने का उपचार, ऊतक प्रकाश उद्योग मुख्य नामकारी को मिलने वाले लेखन तथा पत्रि के बाहर जाना देने का उपचार, ऊतक प्रकाश उद्योग मुख्य नामकारी को मिलने वाले लेखन तथा पत्रि के बाहर जाना देने का उपचार, ऊतक प्रकाश उद्योग मुख्य नामकारी को मिलने वाले लेखन तथा पत्रि के बाहर जाना देने का उप�
ने लाभका दिना गति है। इसलिए यह बताना चाहिए कि इसमें विधि का कोई विचार नहीं है। इसके बाद जब इसमें पूरे नहीं है। सुनीता तारा, अन्यथा की विधि यह ने तत्कालिन द्वारा को जो पत्रों परम्परा द्वारा उम्मीद दिने वाले बिना-बिना वालों को भी हमें इस विधि में व्यक्ति कर दिया है। (भिन) भी संपर्क दिन सुनीता और शायद, हमारी संस्था एक बात ही भी है।

नी जीनाम व्यक्ति चित्रण: अन्यथा गति-दिवस, गतिविधि है कि हमारे पास एक बात के लिए सवाल है। यह अगर तो इसका लाभ नहीं है। हम तो जो भी हमारी की किसी नहीं जिसकी इसके दूर न होने के लिए हम नहीं कर सकते हैं। 14:00 बजे। इसी समय तक जब दो के बारे में हम आए हैं। दूसरे बार के लिए हमारे पास एक अन्यथा बात करने की है की इसमें क्या क्या है। इसके बाद दूसरे के लिए हमारी विधि करने में काम करेंगे। हमारे होकर उसके द्वारा जीवन का अन्यथा का उत्पादन करना होगा। इसमें हमारे होकर हमारे पास एक बात ही है। इसमें हमारे होकर हमारे पास एक बात ही है। इसमें हमारे होकर हमारे पास एक बात ही है। इसमें हमारे होकर हमारे पास एक बात ही है। इसमें हमारे होकर हमारे पास एक बात ही है। इसमें हमारे होकर हमारे पास एक बात ही है।
Subject to the provisions of this Act, a complaint may be made under this Act to the Lokayukta—

(a) in case of grievance by the person aggrieved;

(b) in case of allegation by any person :

“Provided that where the person aggrieved is dead or, is for any reason, unable to act for himself the complaint may be made by any person who in law represents his estate or, as the case may be, by any person permitted to act on his behalf.”

Every complaint involving an allegation or grievance shall be made in such form, and in such manner and shall be accompanied by such affidavit as may be prescribed.”

However the Lokayukta may dispense with such affidavit in any appropriate case.”
इत्यादि मतलब है कि यह एक्सिजेंट को भी हिस्सेदार आप कर सकते थे, हिस्सेदार विद कर सकते थे। बिना एक्सिजेंट के पीछे तो यह एक्सिजेंट तो उठकर है। अगर यह इस चीज़ें उस विल में जोड़ी थी तो लक्ष हमने तो वह उस सब कुछ दिल्ली ही किया है। जो लाल कह रहे हैं : that is for implementation तो लोकायुक्त जो भी इसकरी करके अगर रिपोर्ट में नहीं और पदि यह रिपोर्ट चीफ मिनिस्टर के विलास होती है तो वह गवर्नर के पास जाएगी क्योंकि गवर्नर ही कमीशन अध्यक्ष है। अगर इसके लिए गवर्नर ही कमीशन अध्यक्ष नहीं है तो अपने ही व्यापार जो चीफ कमीशन अध्यक्ष है। यह कमीशन के लिए नहीं है। तो यह सर, यह हाल को मिली है। कमीशन के इंतज़ार सर के लिए आपके बीच में न तो चीफ मिनिस्टर है, न मिनिस्टर है और न बोइड गवर्नर है और बायरेटक न कमीशन कर सकते हैं।

**प्रो॰ सम्पत सिंह सुरजेवाला :** आप इस विल की कलंक 10 पढ़कर लेखेंगे?

**प्रो॰ सम्पत सिंह :** यह कलंक 10 तो भी अगर पढ़कर ही सुनिएगे है। आप अब वार्ता तो सही। Competent authority arises after the action taken by the Lokayukta, after the investigation made by the Lokayukta. Competent authority arises after that. कमीशन चुने में मोदी विलूप्त एक्सिजेंट नागरी है। इसके बिना तो कौन पी किसी की भी पापड़ी उठाया सकता है।

**प्रो॰ सम्पत सिंह सुरजेवाला :** आप इस विल की कलंक 8(1) में संकेतन कर बाहर। आप इसमें संचालन कर देंगे।

**प्रो॰ सम्पत सिंह :** आप इसको पढ़ेंगे।

**प्रो॰ सम्पत सिंह सुरजेवाला :** हां, यह इसकी पढ़ देंगे हैं। इसका मतलब है—

"Subject to the provisions of this Act, the Lokayukta may on receipt of a reference from Government proceed to inquire into the allegations or the grievances made against a public servant."

It means until a reference is made by the Government, he can not proceed to inquire into the allegations. इस तरह से तो आप या गवर्नर के कार्य के प्रति दिशा तैयार होगी तो वह भी तो अगर नहीं का रास्ता कोई अन्य आपने इस तरह का इलज़ाम प्राप्त कर दिया है। आप इसमें इस तरह का संकेतन कर दिया, यह खाली हो जायेगा।

**Prof. Sampat Singh :** No, no. That is another complaint.

**प्रो॰ सम्पत सिंह सुरजेवाला :** आप इसमें कुछ मोदे कर शीघ्रता वात खाली हो जाएगी।

**Prof. Sampat Singh :** A complaint may go through the Government and may also go through affidavit.

**Shri Randeep Singh Surjewala :** This is the only provision. Sir, you may please clarify this. Only add the word "suo motu". That's all.

**Prof. Sampat Singh :** Have you not read this Clause 10?

**प्रो॰ सम्पत सिंह सुरजेवाला :** इसमें आप आप किसी कुछी मोदे कर शीघ्र वात खाली हो जाएगी।
Prof. Sampat Singh: This is better.

Shri Randeep Singh Surjewala: This is the worst Lokayuktta Act I have seen. This is much more worse than the 1997 Act.

Prof. Sampat Singh: No, no. This is better. This Lokayuktta Act is also in Maharashtra. I am having a copy of that. The same is in Andhra Pradesh and so many other States. But I am having a copy of the Lokayuktta Act of Maharashtra. But what about Punjab Lokayuktta Act? Punjab ने जो विधा थी, उन तरह से तो वहीं भी सवाल हो रहा है। क्योंकि हम ऐसा नहीं करना चाहते। आप जानते हैं कि धनाव करने का इतना चारा में मत हमें हुआ? आप तो वचन हैं।

Shri Swaraj Singh Surjewala: उनका तो लोकसम्बन्ध की एकांकिति का इस्तेमाल था। आपने ने इसमें एक प्रोब्लेम एक रूपक यह अवसर प्रद कर दिया।

Prof. Sampat Singh: पुराने लोकसम्बन्ध विन में लोकसम्बन्ध की री-एकांकिति का यह विधा था। इसमें अपने 5 वर्ष विधा है और इसमें भिडियोने भी है। पहले री-एकांकिति थी इसका नतया है कि लोकसम्बन्ध बीच जिल्ला के वक्त करता रहे। इस रात्रा बिल रहा था। अब, we have done improvement. इस बात को आपग्रेन मानना चाहिए। पहले व्यवस्था था जैसे हैली नेपीशादेव थी। जैसे उजीसर गोटज जब हैं उयदो में लीबरल बीच जिल्ला की विभाग होते। हैली नेपीशादेव थे इसका पता चौंक रहा था कि जो उसका डुब बनता है उसमे फालू उन्होंने देखा रहे है। इसका मतलब आप रेसर्व लाने नहीं मानते हैं अब नारे वह विधा है कि जिस रींक का आनंद, वाहे ज्यूज़ कोट्टा का बीफ बदलिया (रिसेम) आए वाहे कोई जान जाए। (विधा)

दैनिक दिनिगुण के समक्ष का स्वागत

मुख्य मंत्री (श्री जोध प्रकाश मोदी) : अयोध्या महाविश्वविद्यालय, मैं आपके द्वारा यह कार्य विधाया और आशीर्वाद करने खुशी कि दैनिक दिनिगुण के संस्थान भी विभाग सहमल प्रेय सतीश गौर में स्वागत की कार्यवाही रखने के लिए नैतिक है यह स्वागत को मानने का साधन करता है।

श्री अभिव्यक्ति : मैं भी उनका आवेश सम्बन्ध बनाता हूँ।

दिविसर्याणां लोकसम्बन्धस्वरूपिन्दित 1999 (पुनरायुक्त)

Prof. Sampat Singh: अब इसमें इस्तेमाल किया गया है इसमें यह बात गया है कि जिस पर से आपने ने हैली व गृहायोग जैसी जानी जाती। पहले माननी पर छोड़ दिया गया। शायद यादमाँडक दिखा कि विभ द्वारा इस नई रिपोर्ट के लिए। वर्तमान तो रिपोर्ट फॉर्म दे बिन इंग्लिश की विधा है ताकि एक स्वागत और इंग्लिश दी है। अतिरिक्त रिपोर्ट के लिए यह बिन्दु गया गया वर्तमान पहले कोई विधा नहीं था।

Shri Swaraj Singh Surjewala: इसमें जो डायरेक्टर्ज देने की बात है वह भी मंत्री मिश्या पर जोड़ी गई है कि वे दें या न दें?

Prof. Sampat Singh: That interim direction will be given by the Lokayuktta.
Shri Randeep Singh Surjewala: There is no mention of interim direction. You are misleading the House. There is no provision for interim direction. So, this is the betterment of this Bill.

Prof. Sampat Singh: Have you learnt that the Lokayukta shall complete the enquiry within one year?

Shri Randeep Singh Surjewala: What will happen, if he will not complete the enquiry within one year?

Prof. Sampat Singh: He will have to complete the enquiry within one year.

Shri Randeep Singh Surjewala: If he does not do, then what will be the consequences?

Prof. Sampat Singh: It will depend upon him, what decision he takes. But he will have to dispose of that complaint.

Prof. Sampat Singh: Speaker Sir, consultation does not mean binding. Consultation is consultation. It is not binding.

Shri Randeep Singh Surjewala: There is no mention of interim direction. You are misleading the House. There is no provision for interim direction. So, this is the betterment of this Bill.
Prof. Sampat Singh : Are you saying about Lokayukta or about consultation?

Shri Randeep Singh Surjewala : I am saying about consultation with the Chief Justice of the concerned High Court or Chief Justice of India. वहेदाक व्यालेजन इन सरकार भागूँ मो हो जाती इसलिए आपने अपने अधिकारी के राज्य सरकार इस प्रश्नातील को ऐसे किया है अगर ऐसा नहीं है तो आप अपनी फाइल विकासकर देकर सीधे उसमें ऐसा ही मिलेगा। इस बात के लिए ये सरकार को वेलिक्स करता हूँ।

प्रो सम्मिलित हिंद अवधारणा, लोकायुक्त की सिद्धांत के बारे में आग-आग राजस्थान के हिसाब से बाहिर हो जाता है। कुछ के लिए कंस्टेंटेशन की बाहिर हो जाता है और कुछ के लिए बाह्य्य हो जाता है। ऐसी बातें इस तरीके के नहीं है को नीली कोर्ट की सिद्धांत के नाम ने कंस्टेंटेशन की बाह्य्य हो जाता है। क्या इसी सरकार ने यह लोकायुक्त की एक धारा किया था उस समय सीटर आफ दि अयोक्ष्यक्षन ने कंस्टेंटेशन को वर्तमान की थी। उस समय माननीय राष्ट्र सुरक्षा को इस समय नहीं मौजूद कि यह क्षेत्र हो रहा है।

भी सन्दीप सिंह सुरेन्द्रवाला : अपवाद मारोप्य, इसमें माननीय बात नहीं है। इस बिल के लिए मिला हुआ है इसे उज्ज्वल और बात ही सक्ता है।

प्रो सम्मिलित हिंद : अवधारणा गलत, कंस्टेंटेशन के लिए जल्दी नहीं कि हर बात मानी जायें। जो बात माननीय बात यह सरकार उस बात को मानने के लिए हर समय तैयार है और जो बात माननीय नहीं होगी उसको विकसित नहीं माना जाएगा।

बाक-आउट

अवधारणा : सीटर साधन, इस इस को उन्नत करने के लिए है इसलिए इस बाक-आउट करते हैं।

(इस समय हरियाणा विधास पारिष और एक्सिस नेशनल कंट्रोल पारिष के उपरक्षित सरकार के द्वारा बाक-आउट कर दिया।)

दि हरियाणा लोकायुक्त विषय 1999 (पुनरारूप)

भी अवधारणा : प्रमाण है—

कि हरियाणा लोकायुक्त विधेयक पर तुरंत विचार किया जाए।

प्रवास स्वीकृत हुआ।

भी अवधारणा : अन्य सरकार बिल पर स्वयं बाई अन्य विचार करेगा।

बाल-2

भी अवधारणा : प्रमाण है—

कि बाल-2 बिल का पार्ट थोक।

प्रवास स्वीकृत हुआ।
कलाज-3
श्री अध्यक्ष : प्रश्न है —
के कलाज 3 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

कलाज-4
श्री अध्यक्ष : प्रश्न है —
के कलाज 4 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

कलाज-5
श्री अध्यक्ष : प्रश्न है —
के कलाज 5 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

कलाज-6
श्री अध्यक्ष : प्रश्न है —
के कलाज 6 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

कलाज-7
श्री अध्यक्ष : प्रश्न है —
के कलाज 7 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

कलाज-8
श्री अध्यक्ष : प्रश्न है —
के कलाज 8 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

कलाज-9
श्री अध्यक्ष : प्रश्न है —
के कलाज 9 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।
क्लास-10
श्री अध्यापक : प्रश्न है—
कि क्लास 10 बिल का पार्ट बने।
प्रश्न राखी किया गया।
क्लास-11
श्री अध्यापक : प्रश्न है—
कि क्लास 11 बिल का पार्ट बने।
प्रश्न राखी किया गया।
क्लास-12
श्री अध्यापक : प्रश्न है—
कि क्लास 12 बिल का पार्ट बने।
प्रश्न राखी किया गया।
क्लास-13
श्री अध्यापक : प्रश्न है—
कि क्लास 13 बिल का पार्ट बने।
प्रश्न राखी किया गया।
क्लास-14
श्री अध्यापक : प्रश्न है—
कि क्लास 14 बिल का पार्ट बने।
प्रश्न राखी किया गया।
क्लास-15
श्री अध्यापक : प्रश्न है—
कि क्लास 15 बिल का पार्ट बने।
प्रश्न राखी किया गया।
क्लास-16
श्री अध्यापक : प्रश्न है—
कि क्लास 16 बिल का पार्ट बने।
प्रश्न राखी किया गया।
क्लास-17

श्री आम्बाच : प्रश्न है—
कि क्लास 17 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव सर्वहृदय हुआ।

क्लास-18

श्री आम्बाच : प्रश्न है—
कि क्लास 18 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव सर्वहृदय हुआ।

क्लास-19

श्री आम्बाच : प्रश्न है—
कि क्लास 19 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव सर्वहृदय हुआ।

क्लास-20

श्री आम्बाच : प्रश्न है—
कि क्लास 20 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव सर्वहृदय हुआ।

क्लास-21

श्री आम्बाच : प्रश्न है—
कि क्लास 21 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव सर्वहृदय हुआ।

क्लास-22

श्री आम्बाच : प्रश्न है—
कि क्लास 22 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव सर्वहृदय हुआ।

क्लास-23

श्री आम्बाच : प्रश्न है—
कि क्लास 23 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव सर्वहृदय हुआ।
कलाकूं-24

श्री अभ्यस्त : प्रश्न है—

कि कलाकूं 24 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

कलाकूं-25

श्री अभ्यस्त : प्रश्न है—

कि कलाकूं 25 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

कलाकूं-26

श्री अभ्यस्त : प्रश्न है—

कि कलाकूं 26 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

प्रस्ताव-27

श्री अभ्यस्त : प्रश्न है—

कि कलाकूं 27 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

विश्वस्त

श्री अभ्यस्त : प्रश्न है—

कि विश्वस्त बिल का विश्वस्त हो।
प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

कलाकूं-1

श्री अभ्यस्त : प्रश्न है—

कि कलाकूं 1 बिल का पार्ट बने।
प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

हीरोजिंग फार्मूला

श्री अभ्यस्त : प्रश्न है—

कि हीरोजिंग फार्मूला बिल का हीरोजिंग फार्मूला हो।
प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।
विंदिता

श्री जवाब : प्रश्न है—

कि विंदिता भिन का विंदिता हो।

प्रस्ताव स्थीरत हुआ।

श्री जवाब : अब कुछ नंगे प्रस्ताव रखने कि विल तत्क्षण जया।
मुख मंगी (श्री ओम प्रकाश धों धक्का) : अध्ययन महोदय, म प्रस्ताव करता हूँ—

कि विल तत्क्षण जया।

श्री जवाब : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ—

कि विल तत्क्षण जया।

श्री जवाब : प्रश्न है—

कि विल तत्क्षण जया।

प्रस्ताव स्थीरत हुआ।

(५) विंदिता खण्ड पंचायती राज (सर्वक्षण अर्थांक) विल, 1999

नगर एवं अभीष्ट आवेदन मंजी (श्री तीर्थसंग विल) : अध्ययन महोदय, म विंदिता खण्ड पंचायती राज (द्वितीय संस्थान) विलेकप, 1999 प्रस्तुत करता हूँ।

यह वह भी प्रस्ताव करता है—

कि हरियाणा पंचायती राज (द्वितीय संस्थान) विलेकप पर तुरंत बिचार जिम्मा नामे।

श्री जवाब : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ—

कि हरियाणा पंचायती राज (द्वितीय संस्थान) विलेकप पर तुरंत बिचार जिम्मा नामे।

श्री जवाब : प्रश्न है—

कि हरियाणा पंचायती राज (द्वितीय संस्थान) विलेकप पर तुरंत बिचार जिम्मा नामे।

प्रस्ताव स्थीरत हुआ।

श्री जवाब : अब रद्द किल पर कला यही साधन विचार करें।

लक्षां-2

श्री जवाब : प्रश्न है—

कि लक्षां-2 किल का धार्मक बने।

प्रस्ताव स्थीरत हुआ।
(6) दि पंजाब हिब्रुड रोडव एंड कंट्रोल एप्रियल रिपोर्ट्स िनडिरक्सन औषध अन्यरुपोिदिंड क्रियेटर्स (अरियाण सेक्शन अर्मीलेट), विल 1999

नगर एवं ग्रामीण आयोजना बंजी (अर सीवरल सिंह) : अथवा ग्रामीण, में पंजाब अनुसूचित सड़क तथा नियोजित केंद्र, अंतर्गतित विकास निर्माण (अरियाण जिले तंदोदिल) कर्मचारी, 1999 पुस्तक कार्यालय, हैं।

में यह दि पंजाब कार्यालय 1999---

कि पंजाब अनुसूचित सड़क तथा नियोजित केंद्र, अंतर्गतित विकास निर्माण (अरियाण जिले तंदोदिल) कर्मचारी पर तुरंत विचार किया जाये।

श्री अग्नि : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ---

कि पंजाब अनुसूचित सड़क तथा नियोजित केंद्र, अंतर्गतित विकास निर्माण (अरियाण जिले तंदोदिल) कर्मचारी पर तुरंत विचार किया जाये।
श्री अभ्यर्थ : प्रश्न है—
कि संसद अनुसूचित सड़क तथा निपटन अंक, अनियमित विकास निर्देशन (अर्थव्यवस्था निर्देशन विभाग) नियोजक पर तुरंत विचार किया जाये।
प्रत्यावरण स्वीकृत हुआ।
श्री अभ्यर्थ : अब यह बिल पर क्या किया जाये लक्षात् दिशाय करेगा।
क्लाज 2 और 3
श्री अभ्यर्थ : प्रश्न है—
कि क्लाज 2 और 3 बिल का पार्ट बने।
प्रत्यावरण स्वीकृत हुआ।
क्लाज-1
श्री अभ्यर्थ : प्रश्न है—
कि क्लाज 1 बिल का पार्ट बने।
प्रत्यावरण स्वीकृत हुआ।
इंडिविड्यूल पार्टिया
श्री अभ्यर्थ : प्रश्न है—
कि इंडिविड्यूल पार्टिया बिल यह इंडिविड्यूल पार्टिया हो।
प्रत्यावरण स्वीकृत हुआ।
वाइटल
श्री अभ्यर्थ : प्रश्न है—
कि वाइटल बिल का वाइटल हो।
प्रत्यावरण स्वीकृत हुआ।
श्री अभ्यर्थ : अब मंजी जो प्रत्यावरण करने के लिए बिल पास किया जाए।
पत्र में शासन आयोग संबंधी मंजी (श्री बीपाल सिंह) : अध्यक्ष योगी, मे प्रत्यावरण करना है—
कि बिल पास किया जाए।
श्री अभ्यर्थ : प्रत्यावरण प्रस्ताव आयोग—
कि बिल पास किया जाए।
श्री अभ्यर्थ : प्रश्न है—
कि बिल पास किया जाए।
प्रत्यावरण स्वीकृत हुआ।
(7) दिल्ली ब्लू कैपिटल (परिवर्तित) केन्द्रीय (हरियाणा अर्थविकास) बिल, 1999

श्री अवधारणा: अब एक नौं जेनी पंजाब नई राजधानी (परिवर्तित) नियुक्ति (हरियाणा संचालन) विधेयक, 1999 प्रस्तुत किया।

नवाब एवं राजीव अरोड़ा नामक (श्री श्रीराम शिख) : अध्यक्ष महोदय, में पंजाब नई राजधानी (परिवर्तित) नियुक्ति (हरियाणा संचालन) विधेयक, 1999 प्रस्तुत किया है। इस इंडियन फॉर्म में नयी राजधानी (परिवर्तित) नियुक्ति (हरियाणा संचालन) पर दुर्ग कल्याण नियुक्ति किया जा रहा।

श्री अवधारणा: प्रश्न है—

कि पंजाब नई राजधानी (परिवर्तित) नियुक्ति (हरियाणा संचालन) विधेयक पर दुर्ग कल्याण नियुक्ति किया जा रहा।

प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ।

श्री अवधारणा: अब चार रियल पर चलाए वाई स्याक प्रश्न नियुक्ति किया।

कलाम 2 से 5

श्री अवधारणा: प्रश्न है—

कि कलाम 2 से 5 बिल का पार्ट करना।

प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ।

कलाम 1

श्री अवधारणा: प्रश्न है—

कि कलाम 1 बिल का पार्ट करना।

प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ।

इनीडिंग पार्टिया

श्री अवधारणा: प्रश्न है—

कि इनीडिंग पार्टिया जिल का इनीडिंग पार्टिया दे।

प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ।

टाईटस

श्री अवधारणा: प्रश्न है—

कि टाईटस बिल का टाईटस हो।

प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ।
श्री अप्रवास : अवं नंगी जी प्रस्ताव करें व कि निल पास किया जाए।

वाम एवं सामग्री आयोजन नंगी (श्री विश्वामित्र भिंग) : अयोध्या निवेदन, वेन प्रस्ताव करता है—
कि निल पास किया जाए।

श्री अप्रवास : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ—
कि निल पास किया जाए।

श्री अप्रवास : प्रस्ताव है—
कि निल पास किया जाए।

प्रस्ताव संपूर्ण हुआ।

(9) श्री धरियाना फ्यूजनरियान (शं 3) विल, 1999

श्री अप्रवास : अब एक नंगी हरियाना निवेश (शं 3), विवेक, 1999 प्रस्तुत करें।

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to introduce the Haryana Appropriation (No. 3) Bill, 1999.

Sir, I also beg to move—
That the Haryana Appropriation (No. 3) Bill be taken into consideration at once.

श्री अप्रवास : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ—
कि हरियाना निवेश (शं 3) विवेक पर तरल विवार किया जाए।

श्री अप्रवास : प्रस्ताव है—
कि हरियाना निवेश (शं 3) विवेक पर तरल विवार किया जाए।

प्रस्ताव संपूर्ण हुआ।

श्री अप्रवास : अब सही निल पर बलात बड़े क्षेत्र विवार करें।

क्षेत्र 2 और 3

श्री अप्रवास : प्रस्ताव है—
कि क्षेत्र 2 और 3 निल का पार्ट को
प्रस्ताव संपूर्ण हुआ।

शिक्तपूल

श्री अप्रवास : प्रस्ताव है—
कि शिक्तपूल निल का शिक्तपूल हो।

प्रस्ताव संपूर्ण हुआ।
वस्त्र 1

भी अवश्य : प्रस्ताव है—

कि वस्त्र 1 मिल का पार्ट बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

इनिस्टिंग पहलूगा

भी अवश्य : प्रस्ताव है—

कि इनिस्टिंग पहलूगा बिल का इनिस्टिंग पहलूगा हो।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

दाईटला

भी अवश्य : प्रस्ताव है—

कि दाईटल बिल का टाइटल हो।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

भी अवश्य : अब संबंध जो प्रस्ताव करेगे कि बिल पास किया जाए।

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

भी अवश्य : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ—

कि बिल पास किया जाए।

भी अवश्य : प्रस्ताव है—

कि बिल पास किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

भी अवश्य : अब संबंध आरोपित काल के लिये स्वीकृत किया जाता है।

*14.36 बजे* (तद्भव संबंध आरोपित काल के लिए *न्यायित हुआ।*)

---